Established 1865

पायनियर

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

Follow us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

RNI No. DELHIN/2012/48369 वर्ष-14 अंक-10 नई दिल्ली, बुधवार, 12 नवंबर 2025 पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये (नगर संस्करण)

दिल्ली ब्लॉस्ट पर भूटान से पीएम मोदी की कड़ी चेतावनी

बख्शे नहीं जाएंगे षड्यंत्रकारी

एजेंसी। थिंपू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना की जांच कर रही एजेंसियां मामले की तह तक जाएंगी और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के शिकंजे में लाया जाएगा। मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक की 70वीं जयंती के मौके पर चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की घटना के मद्देनजर वह भारी मन से थिंपू आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सोमवार को पूरी रात विस्फोट की जांच कर रही एजेंसियों के संपर्क में रहे। दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार शाम एक कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा

मोदी ने कहा, भारत और भूटान के बीच सदियों से गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। इसलिए, इस खास मौके का हिस्सा बनना भारत और मेरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने कहा, लेकिन आज मैं भारी मन से यहां आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने सभी को बहुत दुखी किया है। मैं प्रभावित परिवारों का दुख समझता हूं।

आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मोदी ने कहा, हमारी एजेंसियां इस साजिश की तह तक जाएंगी। इसके पीछे के साजिशकर्ताओं को बख्शा नहीं जाएगा। सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने चांगलीमेथांग स्टेडियम में हजारों भूटानी नागरिकों की मौजूदगी में दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों के लिए प्रार्थना की। विस्फोट में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और सभी प्रभावित परिवारों के लिए विशेष प्रार्थना की। दिल्ली में जांचकर्ता इस विस्फोट की संभावित आतंकवादी हमले के रूप में जांच रहे हैं। उन्होंने कश्मीर के डॉक्टर उमर नबी पर संदेह जताया है, जो कथित तौर पर उस कार को चला रहा था, जिसका इस्तेमाल लाल किले के पास विस्फोट के लिए किया गया।

दोषियों की तलाश करें एजेंसियां

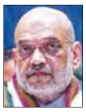

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली विस्फोट मामले में संलिप्त प्रत्येक दोषी की तलाश करें। इस धमाके में 12 लोगों की मौत हो गई है। इस विस्फोट में संलिप्त सभी लोगों को सुरक्षा एजेंसियों के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। शाह ने यह निर्देश लाल किले के नजदीक सोमवार शाम हुए विस्फोट के मद्देनजर आयोजित दो सुरक्षा समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करने के बाद दिये। केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली कार विस्फोट पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

जिम्मेदार लोगों को दी जाएगी सजा

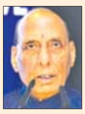

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की अग्रणी जांच एजेंसियां दिल्ली विस्फोट मामले की तीव्र एवं गहन जांच कर रही हैं और इस घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। विस्फोट के कारणों के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। सिंह ने एक रक्षा सम्मेलन में कहा, मैं अपने साथी नागरिकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि देश की अग्रणी जांच एजेंसियां इस घटना की त्वरित और गहन जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा, जांच के निष्कर्ष जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे।

एनआईए को सौंपी गई जांच

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच मंगलवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि इस विस्फोट को सरकार आतंकवादी कृत्य मान रही है, क्योंकि एनआईए को केवल आतंकवादी मामलों की जांच करने का अधिकार है। विस्फोट में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। एक सूत्र ने कहा, विस्फोट मामले की जांच का जिम्मा एनआईए को सौंप दिया गया है।

कार चलाने वाले डॉक्टर के आंतकी मॉड्यूल से थे संबंध

एजेंसी। नई दिल्ली/श्रीनगर

पुलिस ने मंगलवार को लाल किला विस्फोट मामले की जांच एक संभावित आतंकवादी हमले के रूप में की और पुलवामा के एक डॉक्टर पर ध्यान केंद्रित किया जो विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार को चला रहा था। पुलिस ने बताया कि पुलवामा के इस डॉक्टर का संबंध फरिदाबाद स्थित आतंकवादी मॉड्यूल से था, जिसका पदार्फाश वहां से विस्फोटक बरामद होने के बाद हुआ था।

फरीदाबाद से विस्फोटक बरामद होने के बाद हुआ था पर्दाफाश

माना जा रहा है कि सोमवार शाम हुए विस्फोट में डॉ. उमर नबी की मौत हो गई है। इस विस्फोट में कम से कम 12 लोग मारे गए थे। मंगलवार को जम्मू कश्मीर पुलिस ने उमर की मां का डीएनए नमूना लिया, ताकि अवशेषों की पुष्टि हो सके। श्रीनगर में एक अधिकारी ने कहा, हमने विस्फोट स्थल पर मिले अवशेषों का मिलान करने के लिए भी डीएनए नमूना लिया है।

लाल किले पर सोमवार शाम को हुए विस्फोट से कुछ ही घंटे पहले जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का पदार्फाश हुआ था, जिसमें तीन डॉक्टर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 2,900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया गया था।

संदिग्ध की मां की डीएनए जांच

श्रीनगर। विस्फोट में इस्तेमाल कार चलाने के संदिग्ध व्यक्ति की मां को डीएनए जांच के लिए पुलवामा जिले में बुलाया। यहां अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हमने विस्फोट स्थल पर मिले अंगों से मिलान करने के लिए संदिग्ध की मां को डीएनए नमूने लेने के लिए बुलाया है।

11 घंटे चलकर आई थी कार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने उस हुंदै आई20 कार के 11 घंटे के रूट का पता लगा लिया है, जिसका इस्तेमाल लाल किला के पास विस्फोट में किया गया था। जांच से पता चला है कि वाहन हरियाणा के फरीदाबाद से राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा था। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आरोपी के पिता को हिरासत में लिया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में पुलिस ने उस कार चालक के पिता को मंगलवार को हिरासत में ले लिया जिसमें राष्ट्रीय राजधानी के लाल किले के पास विस्फोट हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि गुलाम नबी भट को पुलिस ने पुलवामा के कोइल स्थित उसके आवास से हिरासत में लिया। इससे कुछ ही घंटे पहले उसकी पत्नी को डीएनए परीक्षण के लिए ले जाया गया था।

सार संक्षेप

12 नवंबर से सीमा वार्ता करेंगे भारत और नेपाल

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के सुरक्षा बलों के प्रमुख बुधवार से यहां वार्षिक सीमा वार्ता करेंगे, जिसमें सीमा पार अपराधों को रोकने और खुफिया जानकारी साझा करने से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह पहली बार होगा जब भारत का सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और नेपाल का सशस्त्र पुलिस बल (एएफपी) सितंबर में काठमांडू में हुए जेन जेड के हिंसक प्रदर्शनों के बाद शीर्ष स्तर पर बैठक करेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह नौवीं वार्षिक समन्वय बैठक 12 से 14 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। भारतीय पक्ष का नेतृत्व एसएसबी के महानिदेशक संजय सिंघल जबकि एपीएफ की अगुवाई महानिरीक्षक राजू आर्यल करेंगे। दोनों बलों के बीच पिछली बैठक नवंबर 2024 में काठमांडू में आयोजित की गई थी।

गगनयान मिशनः इसरो ने किया अहम परीक्षण

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि उसने तीन नवंबर को उत्तर प्रदेश के झांसी में बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में गगनयान चालक दल मॉड्यूल के लिए मुख्य पैराशूट पर एक महत्वपूर्ण परीक्षण किया जो सफल रहा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यह परीक्षण गगनयान मिशन के लिए पैराशूट प्रणाली की योग्यता के लिए चल रहे परीक्षणों का हिस्सा है। गगनयान मिशन भारत का पहला मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य तीन सदस्यों वाले दल को तीन दिन के मिशन पर अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। इसरो ने एक बयान में कहा कि गगनयान चालक दल मॉड्यूल के लिए, पैराशूट प्रणाली में भिन्न-भिन्न चार प्रकार के कुल 10 पैराशूट शामिल किए हैं।

एसआईआर के खिलाफ याचिकाओं पर मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु और बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली द्रमुक, माकपा, कांग्रेस और टीएमसी नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर ईसी से अलग-अलग जवाब देने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग से नई याचिकाओं पर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास और कलकत्ता हाईकोर्ट को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची की एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हर प्रकार की कार्यवाही स्थगित रखने का भी निर्देश दिया। उसने तमिलनाडु में इस प्रक्रिया का समर्थन करने वाली ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की दायर हस्तक्षेप याचिका सूचीबद्ध करने की अनुमति दी।

बिहार विधानसभा चुनाव

दूसरे चरण में रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत हुआ मतदान

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में मंगलवार को रिकॉर्ड 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। इस चुनाव को राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा है। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो छह नवंबर को पहले चरण में हुए रिकॉर्ड 65.09 प्रतिशत मतदान से लगभग दो फीसदी अधिक है।

सर्वाधिक मतदान वाले जिलों में शीर्ष पर रहा किशनगंज

अधिकारियों ने कहा कि कई मतदान केंद्रों पर शाम तक लंबी कतारें देखी गईं, इसलिए अंतिम मतदान प्रतिशत और बढ़ने की संभावना है। राज्य का मुस्लिम बहुल जिला किशनगंज इस चरण में सर्वाधिक मतदान वाले जिलों में शीर्ष पर रहा, जहां 76.26 फीसदी वोट पड़े। इसके बाद कटिहार (75.23 प्रतिशत), पूर्णिया (73.79 प्रतिशत), सुपौल (70.69 प्रतिशत) और अररिया (67.79 प्रतिशत) का स्थान रहा।

एग्जिट पोलः राजग की जीत के आसार

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बाद आए लगभग सभी सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में संभावना जताई गई है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बड़े बहुमत के साथ एक बार फिर सरकार बना सकता है। यदि असल नतीजे भी चुनाव बाद आए इन सर्वेक्षणों के आंकड़ों की तरह रहते हैं तो एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के महागठबंधन के लिए सत्ता दूर की कौड़ी साबित होगी। राजग में जनता दल (यू), भाजपा, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) शामिल हैं।

निठारी हत्याकांड

सुप्रीम कोर्ट ने सुरेंद्र कोली को किया बरी

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निठारी हत्याकांड के एक मामले में सुरेन्द्र कोली की दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली उसकी सुधारात्मक याचिका को स्वीकार करते हुए उसे बरी कर दिया, जिससे उसकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। कोली निठारी हत्याकांड के अन्य मामलों में पहले ही बरी हो चुका है।

शीर्ष अदालत ने तुरंत रिहा करने का दिया आदेश

निठारी हत्याकांड का खुलासा 29 दिसंबर 2006 को नोएडा के निठारी में व्यवसायी मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे एक नाले से आठ बच्चों के कंकाल मिलने के बाद हुआ था। कोली उस समय पंढेर की कोठी में घरेलू सहायक के तौर पर काम कर रहा था। यह आदेश भारत के सीजेआई बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने पारित किया, जिन्होंने कोली की याचिका पर सुनवाई की थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने आदेश सुनाते हुए कहा, उपर्युक्त कारणों से सुधारात्मक याचिका स्वीकार की जाती है।

इस्लामाबाद में कोर्ट के बाहर जोरदार धमाका

विस्फोट में 12 की मौत 27 अन्य लोग घायल

एजेंसी। इस्लामाबाद (पाकिस्तान)

गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में स्थित एक अदालत के बाहर मंगलवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को बम से उड़ा लिया जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। नकवी ने कहा कि हमलावर अदालत परिसर में घुसना चाहता था, लेकिन असफल होने पर उसने दोपहर 12.39 बजे राजधानी के जी-11 इलाके में इमारत के फाटक पर एक पुलिस वाहन के पास विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया।

रक्षा मंत्री ने हमले को बताया आत्मघाती विस्फोट

इस्लामाबाद जिला न्यायिक परिसर के पास हुए विस्फोट में 12 लोग मारे गए और 27 अन्य घायल हो गए, जिनमें सुरक्षाकर्मी और एक वकील भी शामिल हैं। किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसे हमले आमतौर पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानी द्वारा किए जाते हैं।

पाकिस्तान देगा जवाब

रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा कि अफगान तालिबान ने इस विस्फोट के जरिए एक संदेश भेजा है। रक्षा मंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, काबुल के शासक पाकिस्तान में आतंकवाद को रोक सकते हैं, लेकिन इस युद्ध को इस्लामाबाद तक लाना काबुल से एक संदेश है, जिसका जवाब देने के लिए-अल्लाह के रहमोकरम से पाक के पास जवाब देने की पूरी क्षमता है।

व्यापार समझौते के 'बेहद करीब' पहुंचे भारत और अमेरिका

जल्द होंगे ट्रेड डील पर हस्ताक्षर : राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी। न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ न्यायसंगत व्यापार समझौते पर पहुंचने के काफी करीब है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) को किसी समय कम कर देंगे। ट्रंप ने सोमवार को कहा, हम भारत के साथ एक समझौता कर रहे हैं, यह पहले की तुलना में बहुत अलग है। इसलिए अभी वे मुझे पसंद नहीं करते लेकिन वे हमें फिर से पसंद करेंगे। उन्होंने ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जहां उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका के नए राजदूत के रूप में शपथ दिलायी।

भारत पर लगाए गए शुल्क को हटा देंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रंप ने भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक सुरक्षा साझेदार बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अमेरिका के ₹शानदार₹ संबंध हैं। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री मोदी के साथ शानदार संबंध हैं और सर्जियो गोर ने इस रिश्ते को और मजबूत किया है क्योंकि वह पहले से ही प्रधानमंत्री के साथ दोस्ताना संबंध रखते हैं। जब उन्हें पता चला कि सर्जियो भारत के राजदूत बनने वाले हैं तो वे लगातार संपर्क में रहते थे कि 'आइए, इस व्यक्ति को जानें।' और उन्हें सर्जियो पसंद आए। ट्रंप ने कहा, हम एक उचित समझौता कर रहे हैं, सिर्फ एक न्यायसंगत व्यापार सौदा। पहले हमारे पास काफी अनुचित व्यापार समझौते थे। भारत के लोग बहुत अच्छे वार्ताकार हैं, सर्जियो, इसलिए इस पर ध्यान रखना होगा। उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से कहा, लेकिन हम काफ़ी करीब पहुंच चुके हैं। स्कॉट, मेरा मानना है कि हम एक ऐसा सौदा करने के बहुत करीब हैं जो सबके लिए अच्छा होगा। इस पर स्कॉट बेसेंट ने जवाब दिया, बिल्कुल सही। ट्रंप ने कहा, ₹पहले क्या (पूर्व राष्ट्रपति जो) बाइडन ऐसा सवाल पूछते? मुझे नहीं लगता। वह पूछते कि 'भारत के साथ क्या स्थिति है?' उन्हें भारत के बारे में कुछ पता नहीं था। खैर, कोई बात नहीं। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह भारत के साथ व्यापार समझौते के तहत शुल्क कम करने पर विचार करेंगे, तो उन्होंने कहा, अभी भारत पर बहुत ऊंचे शुल्क हैं क्योंकि उन्होंने रूसी तेल खरीदा था। लेकिन अब उन्होंने रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। रूसी तेल की खरीद में काफी कमी आई है। हां, हम जल्द ही इन शुल्कों को कम करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, किसी भी समय हम इन्हें कम करेंगे। बिना शुल्क के हमारा देश बहुत मुश्किल में पड़ जाएगा, जैसे कि पहले कई सालों तक रहा था। भारत और अमेरिका के संबंध हाल के महीनों में तनावपूर्ण रहे हैं क्योंकि ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाया था जिनमें रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क शामिल है।

अब तक पांच दौर की हो चुकी है वार्ता

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर अब तक पांच दौर की वार्ताएं पूरी हो चुकी हैं। पिछले महीने नयी दिल्ली में एक अधिकारी ने बताया था कि दोनों देश इस समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं, क्योंकि अधिकतर मुद्दों पर दोनों पक्षों की सहमति बन चुकी है। अधिकारी ने कहा था कि अब दोनों देश समझौते के शब्दों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। ट्रंप ने कहा कि सर्जियो भारत में शानदार काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती मध्यवर्गीय आबादी वाला देश है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह वाकई एक अद्भुत देश है, 1.5 अरब की आबादी वाला।

बीजापुर में मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया है तथा हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है। उन्होंने बताया कि जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा और विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान में रवाना किया गया था।

हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद

बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर जितेन्द्र यादव ने बताया कि इस अभियान के दौरान आज सुबह 10 बजे से संयुक्त दल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है।

दिल्ली के प्रदूषण पर पड़ोसी शहरों का बड़ा प्रभाव : सीएम रेखा गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि आसपास के राज्यों का दिल्ली पर अधिक प्रभाव रहता है और इसके कारण भी प्रदूषण में बढोत्तरी होती है। श्रीमती गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि दि्ल्ली में प्रदूषण का आसपास के शहरों का बड़ा प्रभाव है। प्रदूषण कम करने के लिए दिल्ली सरकार पूरी ईमानदारी से कदम उठा रही है। इसमें पानी का छिड़काव, धूल कम करने की व्यवस्था, कूड़ा उठाना और धुआं नियंत्रण के लिए सभी उपाय किये जा रहे हैं। प्रदूषण में दूसरे राज्यों से आने वाली गाड़ियां, दूसरे राज्यों से आने वाला धुआं भी जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के पिछले सात-आठ महीनों में सरकार ने इन मुद्दों पर पूरी ताकत से काम किया है और आगे भी कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में जिस प्रकार की अव्यवस्था थी, उसे ठीक किया जा रहा है। दिल्ली शहर को साफ-सुथरा करने के लिए निरंतर सभी विभाग काम कर रहे हैं। इसमें पूरी तरह से नियमों का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को पहले से बेहतर की ओर लेकर जाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी जानकारी मिली कि वायु गुणवत्ता रीडिंग पांच या छह घंटे तक उपलब्ध नहीं थी। यह दिल्ली की गलती नहीं थी। यह पूरे भारत का मुद्दा था। उस समय ऐप काम नहीं कर रहा था। कोई भी ऑनलाइन जाकर देख सकता था कि दिल्ली के रिकॉर्ड सही थे। हम दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि सरकार नियमों के साथ सजग है और अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर रही है।

कक्षा 5 तक के सभी स्कूलों में हाइब्रिड मोड लागू

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण मंगलवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने बड़ा फैसला लिया है। निदेशालय ने कक्षा 5 तक के सभी बच्चों के लिए हाइब्रिड मोड में पढ़ाई शुरू करने का आदेश जारी कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। मंगलवार सुबह एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया, जिसके बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेप-3 के सभी प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए। शिक्षा निदेशक वेदिता रेड्डी (आईएएस) द्वारा जारी परिपत्र में साफ कहा गया है कि दिल्ली के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में कक्षा 5 तक के बच्चों की कक्षाएं अब सिर्फ हाइब्रिड मोड में चलेंगी। इसके तहत जहां ऑनलाइन पढ़ाई संभव है, वहां ऑनलाइन और जहां बच्चे स्कूल आ सकते हैं, वहां ऑफलाइन कक्षाएं चलेंगी। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और अगले आदेश तक चालू रहेगी।परिपत्र में सभी स्कूल प्रधानाचार्यों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे यह सूचना तुरंत बच्चों के माता-पिता और अभिभावकों तक पहुंचाएं। साथ ही स्कूलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रदूषण का कोई असर न पड़े। हालांकि अभी कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों के लिए स्कूल पूरी तरह खुले रहेंगे, लेकिन अगर एक्यूआई और बढ़ता है तो ग्रेप-4 लागू होने पर इन कक्षाओं के लिए भी स्कूल बंद हो सकते हैं। बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी में हवा का स्तर बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है, जिसके कारण दिल्ली में ग्रैप-3 को लागू कर दिया गया है।

सामान लेने चांदनी चौक आया था नौमान, छिन गया परिवार का सहारा

नई दिल्ली। लाला किले के पास सोमवार को हुए विस्फोट में जान गंवाने वाले एक मृतकों के परिजन सदमे में हैं। उन मृतकों में एक 23 वर्षीय नौमान नामक युवक भी शामिल है, जो मूलरूप से उत्तर प्रदेश के शामली झिंझाना का रहने वाला है। वह अपने एक दोस्त के साथ कास्मेटिक का सामान लेने दिल्ली पहुंचा था लेकिन विस्फोट में उसकी जान चली गई। इससे उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। वह अपने परिवार में एकलौता कमाने वाला था। इस वजह से उसकी मौत से उसके परिवार का सहारा छिन गया।

मंगलवार को लोकनायक अस्पताल के मॉर्चरी के बाहर यह बताते हुए उसका ममेरा भाई सोनू भावुक हो गया है। सोनू ने बताया कि नौमान की मौत से उसके पिता सहित परिवार के सभी सदस्य गहरे सदमे में है। उसकी मौत से परिवार को बड़ी क्षति पहुंची है। हम समझ नहीं आ रहा है कि हम क्या करें। उन्होंने बताया कि नौमान उनका रिश्ते में ममेरा भाई था। सोनू दिल्ली में ही रहते हैं और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक एक होटल में काम करते हैं। नौमान झिंझाना में कास्मेटिक का दुकान चलता था और अपने परिवार की जिम्मेदारी उठा रहा था।

नगर निगम की स्ट्रीट वेंडिंग मैनेजमेंट टीम ने अस्थाई ढांचे हटाए गए, सामान जब्त

- सड़क, फुटपाथ व सार्वजनिक स्थानों से अतिक्रमण हटाने की निगम की लगातार कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और सडक, फुटपाथ, बाजार व सार्वजनिक स्थानों पर सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम की स्ट्रीट वेंडिंग मैनेजमेंट टीम लगातार विशेष अभियान चला रही है। सोमवार को टीम ने महावीर चौक, अग्रसेन चौक, गुरुग्राम बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्रों और महरौली रोड सहित कई प्रमुख स्थानों पर व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

अभियान के दौरान फुटपाथों, सडकों व सार्वजनिक स्थानों पर लगे रेहड़ी-पटरी, खोखे, ढाबे, टपरीनुमा और शेडनुमा संरचनाओं समेत अन्य प्रकार के अस्थायी ढांचों को मौके पर ही हटाया गया। टीम ने अवैध रूप से लगाई गई दुकानों का सामान जब्त कर निगम स्टोर में जमा कराया। कई स्थानों पर वर्षों से जमे अस्थाई ठेले और स्टॉल भी हटवाए गए, जिससे सडक की चौड़ाई बहाल हो सकी और यातायात सुचारू हुआ। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि अतिक्रमण न केवल यातायात अवरोध पैदा करता है, बल्कि पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए निगम लगातार अभियान चला रहा है और आगे भी कार्रवाई इसी गति से जारी रहेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा, ठेले, खोखे या निर्माण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों के तहत पहले भी बार-बार चेतावनी दी गई थी। उन्होंने कहा कि निगम की अतिक्रमण मुक्त गुरुग्राम की मुहिम में सभी सहयोग करें और किसी भी प्रकार का अस्थाई ढांचा सार्वजनिक मार्गों पर न खड़ा करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति दोबारा अतिक्रमण करता पाया गया तो उसके खिलाफ चालान सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की इस कार्रवाई से स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने राहत की सांस ली है और कई लोगों ने टीम की तत्परता की सराहना की। निगम अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में भी विभिन्न बाजारों, मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान जारी रहेगा।

खेडकीदौला टोल प्लाजा पर टोल फीस बढ़ाना जनता से खुली लूटः पंकज डावर

- खेडकीदौला टोल प्लाजा पर एक तरफ 85 से बढ़ाकर 95 रुपये किया टोल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कांग्रेस के गुडगांव जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने खेडकीदौला टोल प्लाजा पर टोल फीस 85 रुपये से बढ़ाकर 95 रुपये करने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह जनता के साथ खुली लूट है। सरकार जनता को हर तरह से लूटने का काम कर रही है। सरकार बिना देरी के इस बढ़ी हुई टोल फीस को वापस ले।

पंकज डावर ने कहा कि गुरुग्राम की जनता का खून-पसीने का बड़ा हिस्सा टोल टैक्स का भुगतान करने में जाता है। नियम है कि नगर निगम के दायरे में कोई टोल प्लाजा नहीं होना चाहिए, लेकिन गुरुग्राम-जयपुर हाइवे पर खेडकीदौला टोल प्लाजा नगर निगम क्षेत्र में ही है। इसके आसपास अनेक रिहायशी सोसायटियां बनी हैं। जहां से लोग अपने घर से बाजार सामान भी खरीदने निकलते हैं तो उन्हें टोल देना पड़ता है। एक तरफ का टोल 95 रुपये कर दिया गया है। इस तरह से एक बार व्यक्ति से निकलता है तो उसे वापस जाने के 50 रुपये देने पड़ रहे हैं। यानी 145 रुपये उनका बेवजह खर्च हो रहा है। पंकज डावर ने कहा कि भाजपा सरकार ने टोल हटाने की झूठी घोषणाएं करते-करते 11 साल बिता दिए हैं।

कभी यहां के सांसद इसे हटाने को लेकर बात करते हैं और जनता की वाहवाही लूटते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इस टोल को शिफ्ट नहीं किया जाता, तब तक टोल की वसूली बंद की जानी चाहिए। टोल का मतलब बेहतर सडक मार्ग होता है, मगर गुरुग्राम-जयपुर मार्ग पर निरंतर जाम लगा रहता है। सुबह के समय जयपुर से आने वाली तरफ जाम का बुरा हाल होता है।

दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों से उपराज्यपाल सक्सेना ने की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने लोकनायक अस्पताल पहुंचकर दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों से मंगलवार को मुलाकात की। उन्होंने सरकार की तरफ से पीड़ितों को हर संभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन दिया। दिल्ली राजनिवास के मुताबिक, उपराज्यपाल सक्सेना ने गुजरात के केवाड़िया में दिल्ली डे समारोह से जुड़ी आधिकारिक यात्रा को समाप्त कर दिया और अहमदाबाद होते हुए दिल्ली लौट आए।

उन्होंने लोकनायक अस्पताल पहुंचकर वहां की स्थिति का जायजा लिया और अस्पताल में भर्ती पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ितों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की और हादसे में जान गवाने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

भारत की विविधता में एकता लौहपुरुष सरदार पटेल की देनः ओमप्रकाश धनखड़

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सरदार पटेल के लौह जैसे हाथों से रियासतों में बंटा भारत देश एक हुआ। आजादी के बाद देश में 562 रियासतें थी और सरदार पटेल सभी को एक करते हुए श्रेष्ठ भारत की नींव रखी।

उन्होंने रियासतों को पहले समझाया, फिर मनाया और जहां बात समझाने से नहीं बनी, वहां उन्होंने लोहे की तरह अपने निर्णय का परिचय देते हुए फौज की ताकत के माध्यम से एकता का संदेश स्पष्ट किया। भारत में विविधता में जो एकात्मकता है यह सरदार पटेल की देन है। यह बात पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने मंगलवार को सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पदयात्रा की अगुवाई करते हुए कही। यूनिटी पद यात्रा बुपनिया गांव में राजे फार्म हाउस से प्रारंभ हुई, जहां भाजपा राष्ट्रीय सचिव एवं छह राज्यों में पदयात्रा के प्रभारी ओमप्रकाश धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि शामिल कार्यक्रम में हुए। इस अवसर पर ओमप्रकाश धनखड़ ने अपने देशभक्ति से ओत-प्रोत भाषण से जनसमूह में राष्ट्र के प्रति उत्साह व जोश जागृत करते हुए कहा कि अगर सरदार पटेल न होते, तो आज भारत का नक्शा ऐसा नहीं होता जैसा हम देखते हैं। उन्होंने 562 रियासतों को एकजुट कर इतिहास रच दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

दिल्ली विस्फोट के साजिशकर्ताओं को सरकार किसी भी सूरत में नहीं बख्शेगीः मोहन लाल बड़ौली

गुरुग्राम। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने दिल्ली के लाल किला के पास हुई विस्फोट की घटना को निंदनीय और दुखद बताया। उन्होंने कहा कि इस बम विस्फोट में शामिल लोगों का पदार्फाश होगा और उन्हें मोदी सरकार कड़ी से कड़ी सजा दिलाएगी। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि बम विस्फोट के साजिशकर्ता अगर पाताल में भी छिप जाए मोदी सरकार उन्हें छोडड्डे वाली नहीं है। विस्फोट करने वालों को चेताते हुए कहा कि साजिशकताओं को यह समझ लेना चाहिए कि अब वे पाताल में भी होंगे तो उन्हें मोदी सरकार किसी भी सूरत में नहीं बख्शेगी। उन्होंने भगवान से दिवंगतों की आत्मा को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिजनों को इस कठिन घड़ी में धैर्य और आत्मबल देने की प्रार्थना की। पंडित मोहन लाल बड़ौली मंगलवार को गुरुगाम स्थित मां शीतला देवी मंदिर पहुंचे और दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने हरियाणा प्रदेश के जन-जन के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता का प्रकाश सदा बना रहने की माता रानी से प्रार्थना की।

कंप्यूटर शिक्षा वर्तमान समय की मांगः विनीता

गुरुग्राम। कंप्यूटर शिक्षा वर्तमान समय की मांग बन चुकी है। अधिक से अधिक बच्चों को कंप्यूटर प्रशिक्षण हासिल करके अपना भविष्य उज्जवल बनाना चाहिए। यह विचार हरियाणा नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष एवं नर्सिंग ऑफिसर विनीता बांगड़ ने मौली जागरां में फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया तथा प्रयोग फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट डिजिटल हयूमन के अंतर्गत चलाए जा रहे निशुल्क कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर में कोर्स पूरा होने पर बच्चों को सर्टीफिकेट वितरण में व्यक्त किए। उन्होंने बच्चों को नशा मुक्त समाज का निर्माण करने की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों को कंप्यूटर तथा मोबाइल तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के लिए प्रेरित किया। एफपीएआई की चेयरपर्सन अनिता बतरा ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सेंटर का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है।

बेसहारा कुत्तों के विषय में मानवीय समाधान के लिए किया प्रदर्शन

गुरुग्राम। सर्वोच्च न्यायालय के बेसहारा कुत्तों से संबंधित आदेश के खिलाफ पशु कल्याण के लिए जुटे लोगों ने डीएलएफ क्षेत्र स्थित गलेरिया मार्किट क्षेत्र में प्रदर्शन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में पशु प्रेमियों ने भाग लिया। प्रदर्शन में शामिल लोगों की मांग है कि बेसहारा कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाकर शेल्टर होम न भेजा जाए। कोई मानवीय समाधान निकाला जाए। कुत्ता प्रेमी एवं शिक्षाविद् प्रो. सुभाष सपरा का कहना है कि इन बेजुबानों को विभिन्न क्षेत्रों से हटाना गलत है। इनसे उपजी ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसका समाधान न किया जा सके।

उनके कथन का समर्थन करते हुए अन्य लोगों ने भी कहा कि इनकी नसबंदी, टीकाकरण आदि भी कराया जा सकता है। बेसहारा कुत्तों को कुछ ही सप्ताह में आश्रय गृहों में ले जाना उनके साथ बेहद अमानवीय व्यवहार होगा।

PUBLIC NOTICE

My client Sh. Harish Chander S/o Sh. Lakhmi Das R/o A-3, Street No.-8, Himgiri Enclave, Chander Vihar, Delhi-110041, have disowned their son namely Akshay Kumar Anand & his wife Smt. Heena Kochhar Anand from all their movable and immovable properties (s) due to their behaviour with immediate effect any person dealing with them shall do so entyire at his\her cost & risk and my clients will not be responsible for any act of their.

Sudhir kumar (Advocate) Chamber. No. K-15, Western Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-110054

CHANGE OF NAME

I, Preeti, wife of Shri Nikhil Jindal, residing at House No. 18/93, Trilokpuri, Patparganj, East Delhi – 110091, hereby declare that my correct name is 'Preeti', as mentioned in my Aadhaar Card (No. 5290 1357 5051) and PAN Card. However, my name has been incorrectly recorded as 'Pritee' in my Bank Account. I further declare that 'Preeti' and 'Pritee' refer to the same and one individual – myself.

सार्वजनिक सूचना

संपति संख्या 334, गली नं. 2, ठाक सिंह नगर, आनंद पर्वत, दिल्ली। यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त पते पर स्थित संपत्ति से संबंधित मूल पंजीकृत बिक्री विलेख (Registered Sale Deed) **गुम/खो गया है** तथा खोजबीन के पश्चात भी प्राप्त नहीं हो सका है। उक्त दस्तावेज़ के गुम होने के संबंध में पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त दस्तावेज़ पाया जाता है, तो वह तत्काल अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें। इसके अतिरिक्त, यदि किसी व्यक्ति, बैंक, प्राधिकरण या संस्था को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा, ग्रहणाधिकार, मांग, अधिकार, स्वामित्व, हित या आपत्ति आदि हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 **(सात) दिनों** के भीतर अपने दावे के समर्थन में वैध दस्तावेज़ों सहित अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करें।
अन्यथा यह माना जाएगा कि उपर्युक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के भार, विवाद या आपत्ति से पूर्णतः मुक्त है तथा स्वामी को उक्त संपत्ति के संबंध में पूर्ण, स्पष्ट एवं बाजार योग्य स्वामित्व प्राप्त है, और संपत्ति की बिक्री/हस्तांतरण/निर्माण/सहयोग की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।
नाम : दर्शाना रानी
पता : संपत्ति संख्या 334, गली नं. 2, ठाक सिंह नगर, आनंद पर्वत, दिल्ली
संपर्क नंबर : 9654869887

Name change

I,Raj Kumar S/o Basant Lal Kapoor R/o H.No. 2DK/98, NIT Faridabad, HR have changed my Daughter`s name from Jivika Kapoor to Jivika

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that the original documents pertaining to Property No. 47 AND 48, Priyadarshani Vihar, Part-II, Delhi 110009, have been lost in the Model Town area. The missing documents of both properties are including:
Possession Letter, Section Letter, Allotment Letter from DDA, Perpetual Lease Deed, Mutation Letter, General Power of Attorney (GPA), Agreement to Sell, Will, Special Power of Attorney (SPA), and other related papers.
If anyone finds the above-mentioned documents, kindly contact the undersigned at the earliest.
Name: Pal Singh
CONTACT NO.: 98116 16757

PUBLIC NOTICE

To be known to all, REKHA JAIN W/o SH. Gunpal Jain, Plot No 186, AREA Measuring 482.25q.yds Sukhdev Vihar, New Delhi-110025. Shri Suresh Chand S/o Shri Munsi Lal in favour of Shri Gunpal Jain S/o Late Shri Janeshwar Dass Jain of plot no.186 area measuring 482.2 sq yds, situated at Sukhdev Vihar,New Delhi lost the original General Power of Attorney executed by the General Power of attorney ... [illegible]

PUBLIC NOTICE

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल विश्वनाथ महतो पुत्र महेश महतो और पिता रेखा देवी पत्नी विश्वनाथ महतो निवासी वार्ड-5, ग्राम बिठनपुर आथर, अररिया, सीतामढ़ी, बिहार-843330 ने अपनी पुत्री प्रियंका को इसके अपमानजनक व्यवहार के कारण इसे अपनी सभी चल/अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और उसके साथ अपने सभी कानूनी व सामाजिक संबंध भी तोड़ दिये हैं। ... [illegible]
SANJEEV DWIVEDI (ADVOCATE)
48, Gajanand Block, Tis Hazari Court, ND-54

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि प्लॉट/संपत्ति संख्या एस.एफ. संख्या 666/1, 666/3 भाग और 668/3 भाग, कॉलेज नगर, चिन्नियमपलायम, बिक्री विलेख पंजीकरण संख्या 8319/2008, जो कोयंबटूर जिला गांधीपुरम उप पंजीकरण, जिला कोयंबटूर उत्तर तालुका कलापट्टी गांव में स्थित है, ... [illegible] 9643403013, 7999270423, ... [illegible] गुरुग्राम, हरियाणा -122017

सार्वजनिक सूचना

[illegible]

सूचना

[illegible]

सार्वजनिक सूचना
टेकवियोम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: दुकान संख्या 12, जीएफ, ओम विहार, फेज-1, केएच संख्या 821 और 822, मेट्रो पिलर संख्या 702, उत्तम नगर, पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली, दिल्ली, भारत, 110059
CIN: U65990DL2020PTC366515
ईमेल: arman@techaviom.in
[illegible]

सार्वजनिक सूचना

[illegible]

पब्लिक नोटिस

[illegible]

PUBLIC NOTICE

[illegible]

सूचना

[illegible]

सार्वजनिक सूचना

[illegible] +91012-04499711, ई-मेल: accounts@lvnorth.in

सोशल रिस्पांसिबिलिटी काउंसिल (एसआरसी)
114, प्रथम तल, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002
संदर्भ सं. एसआरसी/सीएसआर-सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन-टीडी/2025-26 दिनांक 12.11.2025

एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों (ईएमआरएस) में सैनिटरी पैड वेन्डिंग मशीन इंस्टालेशन के लिए वेन्डर के चयन हेतु संक्षिप्त प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

निविदा दस्तावेज 12.11.2025 से सोशल रिस्पांसिबिलिटी काउंसिल (एसआरसी) की आधिकारिक वेबसाइट **www.srcouncil.in** पर उपलब्ध है।
इच्छुक आवेदकों को एसआरसी वेबसाइट **www.srcouncil.in** से निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने होंगे और अपने प्रस्ताव ई-मेल **pro@srcouncil.in** के माध्यम से **18.11.2025 को 17:00 बजे (आईएसटी)** तक या उससे पूर्व जमा करने होंगे। तकनीकी निविदाएं **19.11.2025 को 11:00 बजे (आईएसटी)** खोली जाएंगी। प्राधिकरण बिना कोई कारण बताएं किसी भी चरण पर किसी या सभी प्रस्तावों को निरस्त करने का अधिकार रखता है।
पीआरओ-एसआरसी

लाल किला विस्फोट

मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हुई

राजधानी में हाई अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर रखी जा रही कड़ी निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लाल किले के पास हुए विस्फोट में तीन और लोगों की मौत के बाद इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि कल रात तक विस्फोट में नौ लोगों के मरने और 20 अन्य के घायल होने की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने बताया कि तीन और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 12 हो गई है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को इस घातक विस्फोट के सिलसिले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। दिल्ली पुलिस कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी को हाई अलर्ट पर रखा गया है और हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन एवं बस अड्डों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

मृतकों में टैक्सी चालक और सौंदर्य प्रसाधन की दुकान का मालिक शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ मृतकों में अमरोहा जिले के रहने वाले 34-वर्षीय अशोक कुमार भी शामिल

उत्तर प्रदेश के शामली जिले के अट्ठारह वर्षीय नोमान अंसारी अपनी दुकान के लिए सौंदर्य प्रसाधन खरीदने राष्ट्रीय राजधानी आया था और लालकिले के पास हुए शक्तिशाली विस्फोट में उसकी जान चली गई। शामली के झिंझाना कस्बे के रहने वाला नोमान अपने परिवार का इकलौता कमाऊ सदस्य था। नोमान के रिश्तेदार फुरकान ने बताया, नोमान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका रिश्ते का भाई अमन घायल हो गया और उसका दिल्ली के लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल में इलाज जारी है। फुरकान ने बताया कि नोमान का परिवार उसका शव दफनाने के लिए राजधानी से ले जाने की तैयारी कर रहा है। पीड़ित के रिश्तेदार एवं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक दुकान में काम करने वाले सोनू ने कहा, आज सुबह-सुबह मेरे रिश्तेदार का फोन आया कि नोमान नहीं रहा और उन्होंने मुझे एलएनजेपी अस्पताल पहुंचने को कहा। मृतकों में अमरोहा जिले के रहने वाले 34-वर्षीय अशोक कुमार भी शामिल हैं, जो दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में बतौर बस कंडक्टर कार्यरत थे। एक अन्य मृतक की पहचान 22-वर्षीय पंकज सहनी के रूप में हुई है, जो टैक्सी चलाता था। उनके रिश्तेदार रामदेव सहनी ने बताया कि दिल्ली के कोतवाली पुलिस थाने से सोमवार शाम हुए विस्फोट में उनके रिश्तेदार की मौत होने की सूचना मिली थी। इस विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे। वह शव लेने के लिए मुर्दाघर के बाहर इंतजार कर रहे थे, जबकि मृतक के भाई और पिता अंदर कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए मौजूद थे। रामदेव सहनी ने कहा, वह तीन साल से टैक्सी चला रहा था। हमें बताया गया कि उसके सिर का पिछला हिस्सा उड़ गया था। वैगन-आर कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मंगलवार को तीन और लोगों की मौत के साथ, मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इस घटना में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया है तथा जारी जांच के तहत दिल्ली पुलिस कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हाई अलर्ट रखा गया है। राष्ट्रीय राजधानी में हुए विस्फोट को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस ने पूरे राज्य में सतर्कता बढ़ा दी है।

लाल किला मेट्रो स्टेशन बंद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ यातायात पुलिस ने जारी किया परामर्श

दिल्ली में विस्फोट के एक दिन बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन यात्री सेवाओं के लिए मंगलवार को बंद कर दिया गया और इस क्षेत्र में यातायात पाबंदियां भी लागू की गई हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार शाम को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धीमी गति से चल रही एक कार में जोरदार धमाका हुआ, जिसकी वजह से नौ लोगों की मौत हो गई जबकि 20 लोग घायल हो गए। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सुरक्षा कारणों से लाल किला मेट्रो स्टेशन बंद है। सभी अन्य स्टेशन सामान्य रूप से चालू हैं। दिल्ली यातायात पुलिस ने एक परामर्श जारी करते हुए बताया कि नेताजी सुभाष मार्ग पर छत्ता रेल कट से सुभाष मार्ग कट तक आने-जाने के दोनों मार्गों और सर्विस रोड पर प्रतिबंध लगाए गए हैं तथा मार्ग परिवर्तित किए गए हैं। यातायात पुलिस ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे सुबह छह बजे से अगले आदेश तक इन मार्गों पर जाने से बचें और वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें। परामर्श में कहा गया है, नेताजी सुभाष मार्ग पर छत्ता रेल कट से सुभाष मार्ग कट तक किसी भी वाहन को आने-जाने की अनुमति नहीं होगी। राष्ट्रीय राजधानी में हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की

■ दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लाल किले के नजदीक सोमवार को हुए विस्फोट में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की मंगलवार को घोषणा की। इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने विस्फोट में स्थायी रूप से अशक्त हुए लोगों को पांच-पांच लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को दो-दो लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। यह विस्फोट सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक के पास ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही कार में हुआ। रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। इस मुश्किल की घड़ी में दिल्ली सरकार की गहरी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और जो इस घटना में घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार हर पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और हमने तत्काल राहत के लिए एक संवेदनशील निर्णय लिया है।

स्थानीय लोगों ने भयावह मंजर को किया बयां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ हर जगह क्षत-विक्षत शव देखे। शरीर के कुछ अंग तो मेरे पैरों के नीचे भी आ गए

राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक सोमवार शाम को हुए धमाके के बाद आसपास शरीर के अंग बिखरे पड़े थे। ये अंग निकटवर्ती जैन मंदिर तक बिखरे नजर आये और इसकी वजह से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

दिल्ली के सर्वाधिक भीड़भाड़ वाले और ऐतिहासिक इलाके में हुए इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। चांदनी चौक में बैग बेचने वाली करमजोत ने विस्फोट के कुछ ही पल बाद फैली अफरा-तफरी को याद करते हुए कहा, मैंने लाल किले की तरफ से बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर दौड़ते देखा और हर कोई चीख रहा था। मैं गुरुद्वारे की तरफ भागी और माहौल के शांत हो जाने तक वहां शरण ली। जैन मंदिर स्पोर्ट्स क्लब के एक कर्मचारी जेपी मिश्रा ने बताया कि आपातकालीन दलों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोग घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े थे। उन्होंने कहा, जब मैं घटनास्थल पर पहुंचा तो मैंने हर जगह क्षत-विक्षत शव देखे। शरीर के कुछ अंग तो मेरे पैरों के नीचे भी आ गए। जैन मंदिर के पास रहने वाली प्रत्यक्षदर्शी कर्मायता देवी (45) ने बताया कि उनका परिवार पूरी रात सो नहीं पाया। उन्होंने कहा, ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। चारों तरफ पड़े शव देखकर मेरा 15 साल का बेटा डर गया। लाल किले के पास रहने वाली 10-वर्षीय प्रिया ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि उसके घर की छत के कुछ हिस्से में सीमेंट भी उखड़ गया। उसने मद्धिम आवाज में कहा, आज हमारा स्कूल बंद है। हम पूरी रात सो नहीं पाए। मैंने इतना तेज धमाका पहले कभी नहीं सुना। इस बीच दुकानदारों को इस बात की चिंता सताने लगी है कि उन्हें अगले कुछ महीनों तक व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने कहा कि यह निर्णय दिल्ली के औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के सोमवार के 362 से बढ़कर मंगलवार सुबह 425 हो जाने के बाद लिया गया। दिल्ली की वायु गुणवत्ता धीमी गति से हवा चलने, स्थिर वातावरण और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण बिगड़ी, जिससे प्रदूषक सतह के करीब जमा हो गए। तीसरे चरण के प्रतिबंधों में गैर-आवश्यक निर्माण कार्य पर रोक और पत्थर तोड़ने वाली मशीनों तथा खनन गतिविधियों पर रोक शामिल हैं। यह ग्रैप के पहले और दूसरे चरण के तहत उठाए गए उपायों के अतिरिक्त हैं। तीसरे चरण के तहत पांचवीं तक की कक्षाओं को हाइब्रिड रूप से संचालित किया जाएगा। अभिभावकों और छात्रों के पास जहां भी उपलब्ध हों, ऑनलाइन कक्षाओं को चुनने का विकल्प है।

तीसरे चरण के अंतर्गत दिल्ली और आसपास स्थित एनसीआर के जिलों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल कारों (चार पहिया वाहनों) का उपयोग प्रतिबंधित है। दिव्यांग व्यक्तियों को इससे छूट दी गई है। सर्दियों के दौरान दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रैप के तहत प्रतिबंध लागू होते हैं, जो वायु गुणवत्ता को चार चरणों में वर्गीकृत करता है - चरण-1 (खराब, एक्यूआई 201-300), चरण -2 (बहुत खराब, एक्यूआई 301-400), चरण-3 (गंभीर, एक्यूआई 401-450), और चरण-4 (गंभीर, एक्यूआई 450 से ऊपर)। प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां, वाहनों से होने वाले उत्सर्जन, धान की पराली जलाने, पटाखों और अन्य स्थानीय प्रदूषण स्रोतों के कारण सर्दियों के दौरान दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता का स्तर खतरनाक हो जाता है।

वायु गुणवत्ता सबसे खराब श्रेणी में दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता इस मौसम की सबसे खराब स्थिति में पहुंच गई और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 423 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में आता है। केंद्र ने राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्रवाई योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत कड़े प्रदूषण-रोधी उपाय लागू किए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सोमवार को जारी 24 घंटे के औसत एक्यूआई आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 362 के एक्यूआई के साथ बहुत खराब रही थी जो मंगलवार सुबह और खराब होकर 423 हो गई। सीपीसीबी वर्गीकरण के अनुसार, एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। दिवाली के बाद से राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता लगातार खराब या बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है और यह बीच-बीच में गंभीर श्रेणी में भी दर्ज की गई है।

जीआरएपी-3 लागू होने पर कांग्रेस ने कहा

संकट रोकने पर नहीं, प्रबंधन पर जोर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा जीआरएपी के चरण-3 के तहत पाबंदिया लागू किए जाने के बाद मंगलवार को दावा किया कि सरकार का जोर संकट पैदा होने से रोकने पर नहीं, बल्कि प्रबंधन पर है।

केंद्र सरकार ने वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट के बीच दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्यों पर पाबंदी सहित चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) के चरण-3 के तहत प्रतिबंध लागू किए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, जीआरएपी-3 अभी देश की राजधानी में सक्रिय किया गया है। 2014-17 के शीतकालीन प्रदूषण संकट को लेकर उच्चतम न्यायालय ने आपातकालीन उपायों के लिए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (जीआरएपी) को अनिवार्य किया। इसे जनवरी 2017 में अधिसूचित किया गया था।

उन्होंने कहा, उम्मीद थी कि समय के साथ जीआरएपी की जरूरत कम हो जाएगी क्योंकि साल भर उत्सर्जन में कमी से सुधार होगा। अफसोस की बात है कि यह स्वच्छ वायु कार्ययोजना का केंद्रबिंदु बना हुआ है। शुरूआत में इसे लगातार तीन गंभीर दिनों के बाद ही लागू किया गया था, लेकिन अब जीआरएपी हवा की गुणवत्ता में उतार-चढ़ाव पर लगातार प्रतिक्रिया करता है। इसलिए, यह मूलतः प्रतिक्रियाशील है। रमेश ने दावा किया कि जोर संकट को पैदा होने से रोकने पर नहीं, बल्कि इसके प्रबंधन पर है।

उन्होंने कहा, हमें परिवर्तन के लिए केवल अक्टूबर-नवंबर में ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष बड़े पैमाने और पूरी गति के साथ ऐसे ठोस बहु-क्षेत्रीय उपायों की आवश्यकता है जो वास्तविक अंतर लाते हों और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरों को कम करते हों। कांग्रेस नेता का कहना था कि राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में सक्षम होने के लिए दिल्ली को अभी भी अपने वार्षिक पीएम2.5 स्तरों में 60 प्रतिशत से अधिक की कमी की आवश्यकता है।

पांच साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के मामले में युवक दोषी करार

■ अपहरण, महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने और गंभीर यौन उत्पीड़न के अपराध के लिए दर्ज की गई थी प्राथमिकी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने 2015 में पांच साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष सभी बिंदुओं को जोड़कर आरोपी के अपराध को साबित करने के लिए घटनाओं की पूरी कड़ी स्थापित करने में सफल रहा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप गुप्ता उस व्यक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसके खिलाफ अपहरण, महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने और गंभीर यौन उत्पीड़न के अपराध के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

न्यायमूर्ति गुप्ता ने 29 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा कि नाबालिग पीड़िता की ओर से बताया गया यह घटनाक्रम साबित होता है कि जब वह पार्क में खेल रही थी, तो आरोपी ने उसे मिठाई दी, अपने घर ले गया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया।

उन्होंने कहा, यह सामान्य बात है कि मामूली विरोधाभास या विशेषण, जो आरोपों के आधार को प्रभावित नहीं करते, यौन उत्पीड़न की पीड़िता की गवाही को खारिज करने का आधार नहीं होना चाहिए, क्योंकि अदालत आमतौर पर अभियोजन पक्ष के मामले के व्यापक पहलू और गवाह की समग्र विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करती है। न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा कि नाबालिग पीड़िता और उसकी मां ने घटना का पर्याप्त और संतोषजनक विवरण दिया है। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने यह सिद्ध कर दिया है कि आरोपी ने बच्ची का यौन उत्पीड़न किया था, जिससे यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 10 के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न का अपराध बनता है।

न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा कि बच्ची के अपहरण और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के अपराध भी साबित कर दिए गए हैं। उन्होंने व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए सजा पर बहस के लिए मामले की सुनवाई आगे की तारीख के लिए स्थगित कर दी।

रेखा गुप्ता ने लाल किला हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लाल किला विस्फोट घटना को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा है कि सभी एजेंसियां अपना काम कर रही हैं, ताकि इसकी तह तक पहुंचा जा सके। श्रीमती गुप्ता ने लाल किले के पास हुए विस्फोट को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए मंगलवार को कहा सभी एजेंसिया इसकी तह तक जाकर जांच करने में जुटी हैं। उन्होंने स्वयं अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में पीड़ितों के परिवार को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आये, इस दिशा में सरकार काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि लाल किले के पास सोमवार शाम एक कार में हुए विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गयी और करीब 20 लोग घायल हुए हैं। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने विस्फोट की इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) को सौंप दी है।

यूसीएमएस हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का किया आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महिलाओं के स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) के सामुदायिक चिकित्सा और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च (आईसीएमआर-एनआईसीपीआर) के बीच एक सहयोगी परियोजना का शुभारंभ दिलशाद गार्डन हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर में कैंसर स्क्रीनिंग कैंप के साथ किया गया। इस कैंप में 30-65 आयु वर्ग की 70 महिलाओं की सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर की जांच की गई, जिनमें ताहिरपुर, कलंदर कॉलोनी, नंद नगरी और दिलशाद गार्डन की महिलाएं शामिल थीं। सर्वाइकल कैंसर की जांच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित उच्च-प्रदर्शन एचपीवी परीक्षण का उपयोग करके की गई थी।

इस कार्यक्रम में सामुदायिक चिकित्सा विभाग यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल से प्रोफेसर एस के भसीन, प्रोफेसर प्रगति छाबड़ा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अपर्णा कपूर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल से, प्रोफेसर रचना अग्रवाल , प्रोफेसर बिंदिया गुप्ता, और डॉ. एकता गुप्ता और डॉ. शौकत हुसैन के नेतृत्व में आईसीएमआर-एनआईसीपीआर की टीम ने भाग लिया।

इस सहयोगी परियोजना का उद्देश्य समुदाय की महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर के लिए जांच करना और आवश्यक अनुवर्ती देखभाल प्रदान करना है। कैंप में ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी, जिससे प्रतिभागियों के लिए व्यापक स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जा सके। कैंप की सफलता महिला स्वास्थ्य और कैंसर रोकथाम के प्रति सहयोगी विभागों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह परियोजना समुदाय में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करके और कैंसर जांच और रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाकर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की उम्मीद है। इस तरह की पहल से, समुदाय में महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान दिया जा रहा है। यूसीएमएस और आईसीएमआर-एनआईसीपीआर की टीम परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने और अधिक महिलाओं को लाभान्वित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

ओझा की छठी पुण्यतिथि पर सभा आयोजित

फरीदाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता स्व. बी.आर. ओझा की छठी पुण्यतिथि आज कांग्रेसजनों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सेक्टर-9 स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें जिलाध्यक्ष बलजीत कौशिक, पूर्व प्रदेश सचिव सतवीर डागर, वरिष्ठ नेता सुधीर चौधरी सहित कई कार्यकर्ताओं ने ओझा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि स्व. बी.आर. ओझा सच्चे अर्थों में कांग्रेस के स्तंभ थे। उन्होंने कई दशकों तक जिला कांग्रेस अध्यक्ष और प्रदेश पदाधिकारी रहते हुए संगठन को मजबूत किया और समाज में भाईचारा व सौहार्द बनाए रखा। इस अवसर पर बलदेव राज ओझा फाउंडेशन की ओर से उनके पुत्र राजन ओझा द्वारा जरूरतमंदों को फल, खाद्य सामग्री और कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम में जगत सिंह नागर, अशोक रावल, योगेश ढींगड़ा, राजेन्द्र चपराना सहित अनेक कांग्रेसी नेता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

फरीदाबाद। उपायुक्त एवं प्रधान जिला रेडक्रॉस सोसायटी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में और सचिव बिजेंद्र सौरोत के नेतृत्व में पांच दिवसीय जिला स्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, एनआईटी-3, फरीदाबाद में किया गया। यह शिविर 11 से 15 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 20 विद्यालयों के 100 विद्यार्थी और 20 जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर भाग ले रहे हैं। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अंशु सिंगला ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। सचिव बिजेंद्र सौरोत ने रेडक्रॉस के इतिहास व कार्यों की जानकारी दी, जबकि जिला प्रशिक्षण अधिकारी पुरषोत्तम सैनी ने बताया कि सामाजिक कार्यकताओं को रेडक्रॉस का आजीवन सदस्य बनाया जा रहा है। इशांक कौशिक ने पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया और एम.सी. धीमान ने छात्रों से रेडक्रॉस के स्वयंसेवक के रूप में समाजसेवा से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में दर्शन भाटिया, अरविंद शर्मा, मनदीप, मनमोहन शर्मा व अन्य ने सहयोग दिया।

सैक्टर-10 में जर्जर पानी की टंकी हटाई गई

फरीदाबाद। सैक्टर-10 ब्लॉक डी-2 में करीब 60 साल पुरानी जर्जर पानी की टंकी को हटवाने पर ब्लॉकवासियों ने राहत की सांस ली और आरडब्ल्यूए की कार्यकारिणी को बधाई दी। इस कार्य में आरडब्ल्यूए के प्रधान जगदीश सिंह नैन, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह बीसला और वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ के प्रयासों की सराहना की गई। ब्लॉक के महासचिव इंजीनियर अनूप वशिष्ठ ने बताया कि यह टैंकी डीएलएफ के बसने से पहले की बनी थी और वर्षों से उपयोग में नहीं थी। इसके जर्जर प्लास्टर के गिरने से आस-पास के मकानों व राहगीरों को लगातार खतरा बना हुआ था। आरडब्ल्यूए ने नगर निगम फरीदाबाद से लगातार आग्रह कर इस टैंकी को गिरवाने का निर्णय लिया। निगम द्वारा ठेकेदार के माध्यम से करीब ढाई माह की प्रक्रिया के बाद टैंकी को सफलतापूर्वक हटा दिया गया। स्थानीय निवासियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि आरडब्ल्यूए के प्रयासों से क्षेत्र अब एक बड़े संभावित हादसे से बच गया है।

मंदिरों के विध्वंस के विरोध में सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। शहर में मंदिरों व धार्मिक स्थलों को तोड़े जाने के विरोध में युवा अनशनकारी एवं समाजसेवी अभिषेक गोस्वामी ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम फरीदाबाद को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर महेश हिन्दु, फलाहारी बाबा, कुलजीत सिंह, मनीराम भड़ाना और अधिवक्ता अभिषेक भी मौजूद रहे। अभिषेक गोस्वामी ने ज्ञापन में कहा कि नगर निगम प्रशासन द्वारा मंदिरों को तोड़ना धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाने वाला कार्य है। उन्होंने बताया कि पहले चौक-चौराहों पर बने हनुमान मंदिर लोगों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए बनाए गए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मांग की कि शहर के मंदिरों व अन्य धार्मिक स्थलों को न तोड़ा जाए और प्रशासन को ऐसे कदमों से रोका जाए जो सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करते हैं।

मैग्नम ओपस नाटक हमारे राम का होगा मंचन

फरीदाबाद। भारत की अग्रणी थिएटर कंपनी फेलिसिटी थिएटर 16 नवंबर 2025 को गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, नोएडा में अपने भव्य नाटक हमारे राम का प्रीमियर करने जा रही है। गौरव भारद्वाज निर्देशित इस नाटक में बॉलीवुड अभिनेता आशुतोष राणा रावण की प्रतिष्ठित भूमिका में नजर आएंगे, जबकि भगवान राम की भूमिका में राहुल आर भुचर, सीता के रूप में हरलीन कौर रेखी और हनुमान के रूप में दानिश अख्तर होंगे। संगीत में कैलाश खेर, शंकर महादेवन और सोनू निगम की आवाजें शामिल हैं। 50 से अधिक कलाकारों और नर्तकों के इस मंचन का उद्देश्य मनोरंजन के साथ भारतीय संस्कृति और भक्ति को नए रूप में प्रस्तुत करना है।

प्रदूषण मुक्त स्वच्छ अभियान में निगम की टीमें सक्रिय

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा मिशन प्रदूषण मुक्त स्वच्छ गुरुग्राम अभियान के तहत शहर की स्वच्छता व्यवस्था और प्रदूषण नियंत्रण को और सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। निगम की टीमें मुख्य सडकों से धूल-मिट्टी, खरपतवार, सीएंडडी वेस्ट, बागवानी अवशेषों और कचरे को उठाने का काम कर रही हैं। धूल उड़ने से रोकने के लिए शहर की प्रमुख सडकों पर टैंकरों के माध्यम से शोधित पानी का छिडकाव लगातार जारी है। रात्रि के समय भी स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीनें सक्रिय रूप से तैनात हैं। इन मशीनों द्वारा मुख्य सडकों की सफाई की जाती है, ताकि सुबह के समय नागरिक साफ-सुथरे वातावरण का अनुभव कर सकें। निगम की स्वच्छता एवं जागरुकता टीमें नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने, कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित कर रही हैं।

दिल्ली ब्लास्टः अल-फलाह यूनिवर्सिटी में पुलिस का छापा

- जांच में जुटी एनआईए, लैब से तीन लोगों को हिरासत में लिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में 2900 किलो विस्फोटक मिलने के बाद जांच का दायरा तेजी से बढ़ गया है। बुधवार देर शाम फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में पुलिस और एनआईए की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब डेढ़ घंटे तक चली रेड के दौरान यूनिवर्सिटी परिसर को चारों ओर से घेर लिया गया और अंदर किसी को आने-जाने नहीं दिया गया। पुलिस ने यूनिवर्सिटी की लैब में काम करने वाले तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वे कर्मचारी हैं या छात्र। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने भी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, चंडीगढ़ से आई विशेष जांच टीम ने यूनिवर्सिटी के कुछ विभागों की बारीकी से तलाशी ली। रेड खत्म होने के बाद भी परिसर के बाहर पुलिस बल की तैनाती जारी रही। जानकारी के मुताबिक, यह यूनिवर्सिटी गल्फ फंडिंग से संचालित है और जांच एजेंसियां अब इसकी फंडिंग व स्टाफ से जुड़े लोगों की पृष्ठभूमि खंगाल रही हैं।

इसी बीच जांच में यह भी सामने आया कि दिल्ली ब्लास्ट का मुख्य आरोपी डॉ. मोहम्मद उमर नबी फरीदाबाद की इसी यूनिवर्सिटी में डॉक्टर था। ब्लास्ट वाले दिन यानी सोमवार को उमर यूनिवर्सिटी से ही अपनी आई20 कार लेकर निकला था और कुछ घंटे बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोट हुआ। इस खुलासे के बाद पुलिस ने यूनिवर्सिटी से जुड़े कई डॉक्टरों पर नजर रखनी शुरू कर दी है।

फरीदाबाद पुलिस ने इस केस में तीन डॉक्टरों डॉ. आदिल अहमद राठर, डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई उर्फ मुजम्मिल शकील और लेडी डॉक्टर शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया है। तीनों के तार अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार, यह नेटवर्क एक व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का हिस्सा है, जिसमें शिक्षित और समाज में सम्मानित चेहरों का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में किया जा रहा था ताकि उन पर आसानी से शक न हो सके। डॉ. मुजम्मिल शकील के फरीदाबाद के फतेहपुर तगा स्थित किराए के मकान और यूनिवर्सिटी के पास स्थित अन्य ठिकानों पर भी पुलिस और एनआईए की टीमें पहुंचीं। बताया जा रहा है कि मुजम्मिल तगा गांव की मस्जिद में नमाज पढ़ने जाता था। इसी मस्जिद से जुड़े कुछ जमातियों से भी पूछताछ की गई।

पुलिस ने बुधवार रात फतेहपुर तगा और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान चार जमातियों एक जम्मू-कश्मीर, एक तमिलनाडु, एक ओडिशा और एक पलवल (हथीन) निवासी को शक के आधार पर हिरासत में लिया गया। जांच में इनके मोबाइल फोन से वॉट्सऐप चैट डिलीट मिलने पर उन्हें आगे की पूछताछ के लिए ले जाया गया। फरीदाबाद पुलिस कमिश्नरेट और एनआईए की संयुक्त जांच टीम अब इस पूरे मॉड्यूल की फंडिंग, आतंकी कनेक्शन और दिल्ली ब्लास्ट से जुड़ी कड़ी को जोड़ने में जुटी है। पुलिस ने कहा है कि जब तक सभी तथ्यों की पुष्टि नहीं हो जाती, जांच जारी रहेगी।

जिले में हाई अलर्ट किया घोषित

दिल्ली आतंकी हमले और फरीदाबाद में विस्फोटक बरामदगी के बाद जिले में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। पुलिस आयुक्त सतेंद्र गुप्ता ने सभी थाना प्रभारियों को नाकाबंदी और सघन जांच के निर्देश दिए हैं। दिल्ली बॉर्डर, बल्लभगढ़, एनआईटी और सूरजकुंड क्षेत्रों में वाहनों की गहन जांच की जा रही है। होटल, गेस्ट हाउस और किराये के मकानों में ठहरे लोगों की निगरानी बढ़ा दी गई है। रेलवे व मेट्रो स्टेशनों पर तलाशी अभियान जारी है। पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर संदिग्धों पर नजर रखी है और लोगों से सतर्क रहने व संदिग्ध सूचना तुरंत साझा करने की अपील की है।

गुरुग्राम से पकड़ा दिल्ली बम ब्लास्ट में प्रयोग की गई कार का मालिक

गुरुग्राम। देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए बम ब्लास्ट का कनेक्शन गुरुग्राम से भी सामने आया है। जिस कार में ब्लास्ट हुआ, वह गुरुग्राम नंबर की ही थी। कार का नंबर-एचआर-26-सीई-7674 था। इसे लेकर पुलिस ने गुरुग्राम से कार के मालिक को काबू किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। बता दें कि दिल्ली के लाल किला मेट्रो के पास सोमवार की रात करीब सात बजे एक कार में बम ब्लास्ट हुआ। इस घटना में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। अनेक वाहनों के चिथड़े उड़ गए। जिस कारण में यह ब्लास्ट हुआ, वह गुरुग्राम में पंजीकृत है। कार नंबर से की गई जांच में कार्रवाई करते हुए पुलिस उसकी तलाश करते हुए शांति नगर कालोनी पहुंची। यहां मकान में मिले दिनेश नामक व्यक्ति ने पुलिस पूछताछ में जानकारी दी कि उसके मकान पर सलमान नामक व्यक्ति किराये पर रहता था। पांच साल पहले वह यहां से चला गया था। फिलहाल वह सोहना में एक सोसायटी में रहता है। पुलिस ने दिनेश को हिरासत में लेकर सोहना में पहुंची। दिल्ली में कार में ब्लास्ट को लेकर पुलिस ने सलमान से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह कार उसे डेढ़ साल पहले बेच दी थी। पुलिस ने दिनेश, सलमान और उसके भाई जावेद को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। दिनेश की मां ने बताया कि सलमान उनके घर पर किराये पर रहता था। कोरोना के समय लगे लॉकडाउन में वह यहां से छोडकर चला गया था। उससे उनका कोई वास्ता नहीं है। सलमान की पत्नी फरहा ने बताया कि उन्होंने अपनी कार सिंफनी कंपनी को बेची थी। इसके सारे कागजात उनके पास हैं। गाड़ी आगे किसने कहां पर बेची, इसके बारे में उन्हें कुछ नहीं पता। जिस कार में ब्लास्ट हुआ, उसके कागजात को लेकर पता चला है कि 29 अक्टूबर को कार का प्रदूषण सर्टिफिकेट बनवाया गया था। उस समय कार में तीन लोग बैठे थे। इस कार का एक वीडियो सामने आया, जिसमें सवार तीन लोगों में से एक व्यक्ति तारिक था। उसी के नाम से डॉक्टर उमर ने कार खरीदी थी।

प्रदूषण स्तर बढ़ने पर जिले में ग्रैप-3 लागू

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तीसरे चरण को जिले में लागू कर दिया है। यह कदम वायु गुणवत्ता को सुधारने और प्रदूषण के दुष्प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि बढ़ता हुआ वायु प्रदूषण हम सबके लिए चिंता का विषय है, जिसका हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर ग्रैप नियमों की सख्ती से पालना करना बेहद जरूरी है।

डीसी अजय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और निकटवर्ती क्षेत्र वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से गुरुग्राम सहित एनसीआर क्षेत्र में लागू किए गए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) थ्री के तहत संबंधित विभागों को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं। डीसी ने कहा कि जिला गुरुग्राम में प्रदूषण का स्तर एक बार फिर निर्धारित मानकों से अधिक होने से ग्रैप- तीन की पाबंदी लागू हो गई हैं, जिसके लिए हमें प्रदूषण नियंत्रण उपायों को पूरी गंभीरता से अपनाना होगा। उन्होंने कहा सभी जिलावासी वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले उपायों में सक्रिय रूप से भागीदार बनें।

फरीदाबाद में एक्यूआई 253 पहुंचा

फरीदाबाद। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते फरीदाबाद जिले में ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का तीसरा चरण लागू कर दिया गया है। सोमवार को शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 253 दर्ज किया गया, जो 'गंभीरइ श्रेणी के करीब है। प्रदूषण के साथ-साथ सर्दी भी बढ़ने लगी है, जिससे लोगों को दोगुनी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि ग्रेप 3 के तहत निर्माण एवं खुदाई कार्यों पर तत्काल रोक लगा दी गई है। केवल आवश्यक सेवाओं, जैसे अस्पताल, सड़क मरम्मत व राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं को ही सीमित अनुमति दी जाएगी। नगर निगम व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमें शहरभर में निर्माण स्थलों और औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण करेंगी। धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी का छिड़काव, सड़कों की सफाई और कूड़ा जलाने पर सख्त पाबंदी लगाई गई है। नियमों की अवहेलना पर भारी जुर्माना व कानूनी कार्रवाई होगी।

पीएम फसल बीमा योजना एचडीएफसी इर्गो ने की लागू

गुरुग्राम। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को हरियाणा सरकार ने रबी, 2025-26 सीजन के लिए अंबाला, गुरुग्राम, करनाल, जींद, महेंद्रगढ़, हिसार और सोनीपत जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।

पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफान, तूफानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी।

फरीदाबाद बना भारत की पहली डिजिटल जनगणना का परीक्षण केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन पंजीयक जनरल एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना की तैयारियों के तहत डिजिटल जनगणना का पूर्व परीक्षण 10 से 30 नवम्बर तक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सोमवार को फरीदाबाद के सेक्टर-29 हाउसिंग बोर्ड में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने निरीक्षण किया। उनके साथ जनगणना संचालन एवं नागरिक पंजीकरण हरियाणा के निदेशक ललित जैन और उपायुक्त विक्रम सिंह भी उपस्थित रहे।

मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में लगभग 140 करोड़ लोगों की गणना करना एक ऐतिहासिक कार्य है। इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए आंकड़े सीधे दर्ज होंगे। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में होगी। जिसमें अप्रैल 2026 में हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन और फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना होगी।

सेक्टर-56 में बनेगा 50 बिस्तरों का नया अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी क्षेत्र के सेक्टर-55, 56, राजीव कॉलोनी, समय पुर रोड, गौछी, जीवन नगर, फतेहपुर तगा, कुरेशीपुर और नेकपुर गांव समेत आसपास की कालोनियों में रहने वाले दो लाख से अधिक लोगों के लिए जल्द ही राहत की खबर आने वाली है। स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर-56 में 50 बिस्तरों वाला नया सरकारी अस्पताल बनाने का प्रस्ताव दोबारा राज्य के स्वास्थ्य महानिदेशक कार्यालय को भेजा है। इस अस्पताल के निर्माण से स्थानीय लोगों को अपने घर के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा की ओर से पहले भी यह प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे अब दोबारा संशोधित रूप में भेजा गया है। इससे पहले एनआईटी के विधायक सतीश फागना ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सेक्टर-55 के पोली क्लीनिक को अस्पताल के रूप में विस्तार देने की मांग की थी। लेकिन जमीन की कमी के कारण यह योजना संभव नहीं हो सकी। इसके बाद सेक्टर-56 की करीब 10 एकड़ जमीन पर 50 बिस्तरों का अस्पताल बनाने का निर्णय लिया गया। विधायक सतीश फागना ने कहा कि एनआईटी क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए यह अस्पताल अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य निदेशालय से बातचीत के बाद प्रस्ताव तैयार किया गया है और जल्द ही इसे स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि जैसे ही प्रस्ताव को मंजूरी मिलेगी, उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश में इमारत निर्माण कार्य को गति दी जाएगी।

कला, संगीत व संस्कृति का केंद्र बनेगा 'युवा महोत्सव शंखनाद': संजय कौशिक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- हरियाणा के राज्यपाल करेंगे युवा महोत्सव का शुभारंभ

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संजय कौशिक ने कहा कि विवि का तीन दिवसीय युवा महोत्सव शंखनाद-6 बहुत ही खास होगा। इसमें 60 से अधिक महाविद्यालयों की टीमें 35 से अधिक विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगीं।

इस महोत्सव में फिल्मी सितारे भी शिरकत करेंगें। बुधवार से शुरू हो रहे इस युवा महोत्सव का शुभारंभ हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष करेंगें। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संजय कौशिक ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में दी। इस दौरान कुलपति ने युवा महोत्सव की ट्रॉफी, स्मृति चिन्ह और टीम के लिए टी-शर्ट व पोस्टर रिलीज एवं प्रदर्शित किया।

डा. संजय कौशिक ने कहा कि 12 से 14 नवंबर तक यह युवा महोत्सव शंखनाद-6 गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर में ही आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव हरियाणा राज्य के युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मकता का उत्सव होगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में 60 से अधिक कॉलेजों की टीमें 45 विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

डा. संजय कौशिक ने बताया कि शुभारंभ तो राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष करेंगे, समापन पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि होंगें। इनके अलावा कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री, कपिल मिश्रा, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, महरौली के विधायक गजेंद्र सिंह, मेयर राजरानी मल्होत्रा, प्रमुख समाजसेवी डॉ. सुरेंद्र पाल एवं प्रताप सिंह, राजेश कुमार, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, यशपाल शर्मा, राजपाल यादव, प्रसिद्ध गायिका, रेणुका पंवार, हरियाणा की विभिन्न यूनिवर्सिटी के कुलपति शिरकत करेंगे।

कलाग्राम संस्था द्वारा 15 नवंबर को चिल्ड्रन्स डे कार्निवल

गुरुग्राम। जिला प्रशासन एवं नगर निगम गुरुग्राम की कला और संस्कृति के प्रोत्साहन को लेकर कलाग्राम संस्था द्वारा 15 नवंबर को सेक्टर-29 स्थित ओपन एम्फीथिएटर में चिल्ड्रन्स डे कार्निवल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन बच्चों को प्रतिस्पर्धा के दबाव और तुलना की मानसिकता से दूर, एक स्वतंत्र, सृजनात्मक और साझेदारीपूर्ण वातावरण प्रदान करेगा। कलाग्राम की निदेशक शिखा गुप्ता ने बताया कि यह कार्निवल कोई प्रतियोगिता नहीं, केवल आनंद की मूल भावना को केंद्र में रखते हुए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चे हर कदम पर तुलना, प्रदर्शन और अपेक्षा के दबाव से गुजर रहे हैं। परंतु बचपन का अर्थ है खुलना, खेलना, गुनगुनाना और अपनी दुनिया बनाना।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद धीरेंद्र की पदयात्रा की सुरक्षा बढ़ाई गई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद/पलवल

बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा सोमवार को चौथे दिन में प्रवेश कर गई है। यात्रा ने फरीदाबाद से होते हुए पलवल जिले में प्रवेश किया, जहां आज पूरे दिन विभिन्न गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार ब्लास्ट की घटना के बाद शास्त्री की सुरक्षा को देखते हुए हरियाणा पुलिस ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। अब उनके सुरक्षा घेरे में कुल 5 कंपनियां तैनात की गई हैं।

यात्रा के दौरान पुलिस का सुरक्षा घेरा कड़ा रखा गया है। धीरेंद्र शास्त्री जहां भी रुकते हैं, वहां पुलिस और प्रशासन की टीमें पहले से तैनात रहती हैं। यात्रा के साथ-साथ ट्रैफिक पुलिस ने भी रूट डायवर्जन किया है ताकि किसी तरह की भीड़भाड़ की स्थिति न बने। सोमवार को यात्रा ने लगभग 15 किलोमीटर की दूरी तय की और पलवल के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रात्रि विश्राम किया। मंगलवार को यात्रा यहीं से सुबह 8 बजे आगे बढ़ी और शाम को मितरोल गांव में रात्रि विश्राम निर्धारित है।

हालांकि सोमवार शाम को यात्रा के दौरान पलवल में एक हादसा हो गया। धीरेंद्र शास्त्री को देखने के लिए एक दुकान की छत पर चढ़े लोग अचानक नीचे गिर गए, जिससे कई लोग घायल हो गए। बताया गया कि छज्जा लोगों के वजन से टूट गया। सभी घायलों को तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस और प्रशासन ने लोगों से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में छतों या अस्थाई ढांचों पर न चढ़ने की अपील की है। यात्रा के तीसरे दिन सीकरी से पलवल तक के सफर के दौरान सिख समुदाय ने धीरेंद्र शास्त्री को सम्मानपूर्वक पगड़ी पहनाई। वहीं बाघोला गांव में एक व्यक्ति ने उनके चरण पकड़ लिए, जिस पर शास्त्री ने उसे स्नेहपूर्वक अपने साथ चलने को कहा।

जनसभा को संबोधित करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, मुसलमानों को गालियां देने वाला कोई हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने फरीदाबाद में पकड़े गए विस्फोटक और डॉक्टरों की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि देशद्रोहियों की साजिश कभी सफल नहीं होगी।

सनातनियों की एकता ही हमारी शक्ति, पदयात्रा अडिगः धीरेंद्र शास्त्री

पलवल। देशभर में सनातनियों की एकता का संदेश लेकर निकले बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सनातनियों की एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। हमें कोई डरा या रोक नहीं सकता। उन्होंने हाल ही में दिल्ली में हुए हादसे की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कट्टरपंथी तत्व समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सनातन समाज अडिग रहेगा। उन्होंने कहा कि यह सनातन एकता पदयात्रा तब तक जारी रहेगी जब तक तन में प्राण हैं। महाराज ने कहा कि सनातनियों को भयभीत करने की कोशिशें व्यर्थ हैं, क्योंकि सनातन धर्म सत्य और एकता पर आधारित है। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में सड़क किनारे चौपाल लगाकर लोगों से संवाद किया और समाज में संगठन की आवश्यकता पर बल दिया। हर गांव में लोग उनके दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं। चौथे दिन के सांस्कृतिक मंच पर महामंडलेश्वर ऋषि कुमार दास, सांसद मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला व गायक चित्र-विचित्र सहित कई संत, कलाकार और नेता उपस्थित रहे। हरियाणा के खाद्य मंत्री राजेश नागर व विधायक हरेंद्र राम रतन ने भी यात्रा का स्वागत किया।

संक्षिप्त खबरें

12 लाख रुपये की ठगी करने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना कौशाम्बी पुलिस टीम ने महेन्द्र सबरवाल उर्फ टोनी (59 वर्ष) निवासी मयूर विहार फेस 3, दिल्ली को फर्जी दस्तावेज बनाकर फ्लैट का बैनामा कराने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपनी परिचित गरिमा अग्रवाल के साथ मिलकर फ्लैट की फर्जी गिफ्ट डीड तैयार कर दिनेश कुमार राणा के नाम 12 लाख रुपये में बैनामा कर दिया था। फ्लैट की वास्तविक स्वामिनी नेहा अग्रवाल उस समय लंदन में थी और वर्तमान में भी लंदन में ही रहती हैं। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओ के तहत मामला दर्ज किया गया है और आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने कहा कि आरोपी महेन्द्र सबरवाल के खिलाफ इससे पहले भी थाना कौशाम्बी पर फर्जी कागजात तैयार कर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज है और अन्य आपराधिक इतिहास की जांच जारी है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक में लगे 32 सीसीटीवी कैमरे

गाजियाबाद। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस टीम ने अपराध और अपराधियों की रोकथाम के लिए जन सहयोग से क्षेत्र की बाजारों और महत्वपूर्ण स्थानों पर 32 सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। यह कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निदेशानुसार की गई। स्थापित कैमरों की फुटेज को थाना कार्यालय में लगे डीवीआर से जोड़ा गया है, ताकि बाजारों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर चल रही गतिविधियों की निगरानी सीधे थाना से की जा सके। इस पहल पर क्षेत्र के नागरिकों ने पुलिस का सहयोग किया और इसे सराहनीय बताया। स्थानीय लोगों ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की वजह से सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है और इससे आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

16 नवंबर से विवाह मुहूर्त आरंभ, 13 दिसंबर तक चलेंगे

गाजियाबाद। चार माह से चतुर्मास चल रहा था। दो नवंबर को देवोत्थान एकादशी थी इसके बाद शुरू हो जाते हैं। पंडित शिव कुमार शर्मा ने बताया कि 16 नवंबर को 01:38 बजे से सूर्य वृश्चिक राशि में संचरण करेंगे। इसी के साथ चार महीने से चल रहा वैवाहिक आदि शुभ मुहूर्त का गतिरोध भी समाप्त हो जाएगा। 16 नवंबर से विवाह मुहूर्त विधिवत आरंभ होंगे जो 13 दिसंबर तक चलेंगे। उन्होंने कहा कि नवंबर माह में 18, 22, 23, 24, 25 ,26, 27 ,29, 30 नवंबर को विवाह के शुभ मुहूर्त हैं। वहीं दिसंबर में केवल 4, 10 और 11 दिसंबर को विवाह के लिए शुभ मुहूर्त हैं। इस एक महीने के दौरान शहर में लगभग नौ हजार शादियां होंगी। इसके बाद 45 दिन तक विवाह के मुहूर्त नहीं हैं क्योंकि 14 दिसंबर को शुक्र अस्त हो जाएंगे। 47 दिन के बाद 30 जनवरी 2026 को उदय होंगे। इसी बीच 15 दिसंबर से 13 जनवरी 2026 तक सूर्य धनु की संक्रांति में संचरण करेंगे। धनु की संक्रांति में ही पौष मास होता है। इस अवधि में वैवाहिक मुहूर्त, गृह प्रवेश आदि मुहूर्त नहीं होते। इसके बाद फरवरी और मार्च में विवाह के लिए शुभ मुहूर्त हैं।

निगम में बाहरी लोगों के धरना-प्रदर्शन पर रोक

गाजियाबाद। नगर निगम परिसर में बाहरी लोगों के धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है। निगम पार्षद और मीडिया कर्मियों को प्रवेशपत्र जारी करेगा। परिसर में बाहरी लोग वाहन भी नहीं खड़ा कर सकेंगे। ऐसे वाहनों को जब्त किया जाएगा। नगर आयुक्त ने निगम अधिकारियों को नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। निगम परिसर में पिछले कुछ दिनों में बाहरी लोगों ने धरना-प्रदर्शन किया था। निगम में कई ऐसे संगठन हैं, जिनका नेतृत्व बाहरी लोग कर रहे हैं। अब निगम परिसर में बाहरी लोग धरना-प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने इस पर रोक लगा दी है।

कार से टक्कर मारी, दो भाइयों को पीटा

नोएडा। फेज-2 क्षेत्र स्थित ककराला गांव निवासी व्यक्ति ने गांव के कुछ लोगों पर सेक्टर-80 में थार से उनके दो भाइयों को टक्कर मारने और विरोध करने पर पीटने का आरोप लगाया है। पीड़ित पक्ष ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इमरान ने पुलिस को बताया कि वह परिवार संग ककराला गांव में रहते हैं। वह अपने भाई खान मोहम्मद और आदिल के साथ कबाड़ का काम करते हैं। उनका गांव के कुछ लोगों से आपसी विवाद चल रहा है। आरोप है कि रविवार रात खान मोहम्मद और आदिल बाइक से गोदाम पर जा रहे थे। सेक्टर-80 में थार कार सवार सलमान ने पहले उनके भाइयों की बाइक में टक्कर मारी। इसका विरोध करने पर सलमान ने अपने भाई समशेर और अन्य को बुलाया। आरोपियों ने दोनों भाइयों को लाठी-डंडों से पीटा। हमले में खान मोहम्मद गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। जानकारी होने पर इमरान मौके पर पहुंचे। अपने दोनों भाइयों का उपचार कराया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से बाइक टैक्सी चालक की मौत

नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र में एसआरएस अस्पताल के निकट सोमवार शाम कार ने बाइक टैक्सी में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठी युवती घायल हो गई। मृतक के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के शाहीन बाग निवासी शान मोहम्मद ने पुलिस को बताया कि उसके पिता उस्मान खान सोमवार को रैपिडो बाइक से ग्रेटर नोएडा के एम ब्लॉक से सेक्टर-16बी स्थित पंचशील सोसाइटी जा रहे थे। बाइक की पिछली सीट पर पंचशील ग्रीन सोसाइटी निवासी निहारिका श्रीवास्तव बैठी थीं। जैसे ही वह फेज-3 थाना क्षेत्र स्थित एसआरएम अस्पताल के पास पहुंचे तो एक कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए कैलाश अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उस्मान खान को मृत घोषित कर दिया।

कमरे से मोबाइल, लैपटॉप व पर्स चोरी

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर अल्फा-1 स्थित मकान से लैपटॉप, मोबाइल और पर्स चोरी हो गया। सीसीटीवी कैमरे में बदमाश घर से बाहर निकलता दिखाई दिया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी का मुताबिक सेक्टर अल्फा-1 में कपिल कुमार किराये के मकान में रहते हैं। वह सोमवार को कमरे में सोए थे इस बीच किसी ने मेज पर रखा लैपटॉप, मोबाइल और पर्स चोरी कर लिया। पर्स में आठ हजार रुपये थे। पीड़ित की नींद खुली तो देखा कि मेज पर रखा सामान गायब था। पीड़ित ने घर में लगे सीसीटीवी की फुटेज देखी तो एक बदमाश घर से सामान ले जाता दिखाई दिया।

दिल्ली कार विस्फोटः नोएडा-गाजियाबाद में हाई अलर्ट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली के लाल किले के पास सोमवार शाम हुए भीषण कार विस्फोट ने पूरे देश को दहला दिया। धमाके में 12 की मौत और 27 से अधिक के घायल होने की खबर है। घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे उत्तर प्रदेश में सुरक्षा समीक्षा का आदेश दिया है। खास तौर पर गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ, सहारनपुर और बुलंदशहर जैसे जिलों में अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। धमाके के बाद यूपी-दिल्ली सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घटना के बाद पड़ोसी जनपद गाजियाबाद में सुरक्षा एजेंसियां पूरी रात अलर्ट मोड पर रहीं।

दिल्ली से सटे गाजियाबाद के बॉर्डर थाना क्षेत्र में सोमवार रात से ही सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। गाजियाबाद पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड़ और पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने सोमवार देर रात तक खुद फील्ड में रहकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। वहीं, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात आलोक प्रियदर्शी ने यूपी गेट, कौशांबी, खोड़ा, इंदिरापुरम और अन्य संवेदनशील स्थानों पर गश्त की और पुलिस बल को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। पुलिस ने दिल्ली बॉर्डर, लोनी, ट्रांस हिंडन, हापुड़ रोड, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मॉल, सिनेमाघरों और मेट्रो स्टेशनों पर एक साथ चेकिंग अभियान शुरू किया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि घटना की रात से ही जिले के तीनों जोन, सिटी, ट्रांस हिंडन और ग्रामीण में 2000 से अधिक पुलिसकर्मी चेकिंग में जुटे हैं। जिले में सभी 26 थाने अलर्ट पर रखे गए हैं। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते को भी लगाया गया है।

पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल, पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन निमिष पाटील और पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी समेत सभी एसीपी और थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रहे हैं। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत पुलिस को दें और अफवाहों से बचें।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था एवं यातायात आलोक प्रियदर्शी और पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन जोन निमिष पाटिल ने फील्ड में उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने गाजियाबाद रेलवे स्टेशन, कौशांबी मेट्रो स्टेशन, आनंद विहार बॉर्डर बस स्टैंड और शिप्रा मॉल पर पुलिस बल, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड के साथ मिलकर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की।

- गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ, सहारनपुर और बुलंदशहर जैसे जिलों में अतिरिक्त फोर्स तैनात

> निमिष पाटिल ने बताया कि गाजियाबाद में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, लेकिन पुलिस ने साफ किया है कि आने वाले कुछ दिनों तक सुरक्षा व्यवस्था और जांच अभियान जारी रहेगा। अधीनस्थ पुलिस बल को निर्देश दिए कि वे पूरी सतर्कता के साथ सघन चेकिंग अभियान जारी रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करें।

ब्लास्ट के बाद बॉर्डर सील,जांच हुई तेज, रातभर पेट्रोलिंग

नोएडा। दिल्ली में हुए ब्लास्ट के बाद गौतमबुद्धनगर पुलिस पूर्ण सतर्कता मोड पर आ गई है। सभी बॉर्डर एरिया पर सख्त निगरानी के बीच अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। देर रात तक नोएडा के विभिन्न जोन में पुलिस टीमों ने सड़कों पर लगातार गश्त की और सुरक्षा स्थिति का निरीक्षण किया। मेट्रो स्टेशनों, मॉल्स और सार्वजनिक स्थलों पर भी पुलिस जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। दिल्ली से नोएडा में प्रवेश करने वाले वाहनों की गहन चेकिंग जारी है और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। बताया जा रहा है कि बीते शनिवार को एटीएस टीम ने टेरर फंडिंग और धार्मिक पुस्तकें छापने के नाम पर आतंकी गतिविधि करने के आरोप में एक व्यक्ति को ग्रेटर नोएडा से गिरफ्तार किया था। अब उसके संबंध में भी जांच दोबारा तेज कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को संभावित कड़ी के रूप में देख रही हैं। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में जिले के हर सर्किल में उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा जारी है। डीसीपी नोएडा यमुना और एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ल ने देर रात सेक्टर-18, सेक्टर-20 और अट्टा मार्केट समेत भीड़भाड़ वाले इलाके में फुट पेट्रोलिंग कर सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। इस दौरान संदिग्ध वाहनों को रोककर तलाशी ली गई और पुलिस कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए।

पीसीआर और पीआरवी वाहनों को लगातार गश्त जारी रखने का आदेश दिया गया है। उधर, डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान और एडीसीपी सुधीर कुमार के पर्यवेक्षण में एसीपी-4 सार्थक सैंगर ने जेवर टोल प्लाजा, एयरपोर्ट क्षेत्र, झुप्पा चौकी और आसपास के इलाकों में सुरक्षा का जायजा लिया। टीम ने रातभर फुट पेट्रोलिंग की और आने-जाने वाले वाहनों की जांच की। पुलिस अधिकारियों ने थाना प्रभारी को संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए। सेंट्रल नोएडा में, डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी और एडीसीपी शैव्या गोयल के निर्देश पर एसीपी-3 बी.एस. वीर कुमार ने थाना सूरजपुर और सेक्टर-142 क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। उन्होंने भीड़भाड़ वाले स्थानों में मौजूद पुलिसकर्मियों को संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच और ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के आदेश दिए।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में थाना लोनी पुलिस ने 2 अभियुक्तों नईम और रिजवान को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लोनी क्षेत्र के हल्का चोकी बंथला इंडेन गैस प्लांट के पास की गई।

जानकारी के अनुसार 28 अक्टूबर को वादी द्वारा तहरीर दी थी कि अभियुक्त मुज्जफर उर्फ मुजफर और उसके साथी नाबालिग लड़की को बहला-फुसला कर ले गए और उसके साथ गलत काम किया। तहरीर मिलने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 1 नवंबर को मुज्जफर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान के आधार पर अन्य अभियुक्तों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत धारा 16/17 की बढ़ोत्तरी की गई। पुलिस टीम ने लगातार छानबीन के बाद मुखबिर की सूचना पर नईम पुत्र अब्दुल सलाम (24 वर्ष) और रिजवान पुत्र नौशाद (22 वर्ष) को पकड़ लिया।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पुलिस से बचते फिर रहे थे और मुज्जफर ने नाबालिग के साथ गलत काम किया था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। अभियुक्तों के खिलाफ थाना लोनी पर पहले से एक अभियोग पंजीकृत है और उनके अन्य आपराधिक इतिहास की जांच जारी है।

पुलिस मुठभेड़ः ट्रांसफार्मर चोरी के पांच आरोपी गिरफ्तार, असलहे और मोटरसाइकिल बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना निवाड़ी पुलिस ने 10/11 नवंबर की रात ग्राम खिन्दौड़ा से बिजली ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हुआ है जबकि उसके चार साथी कॉम्बिंग के दौरान दबोच लिए गए। पुलिस ने मौके से चोरी का सामान, अवैध असलहे, चाकू और मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस टीम खिन्दौड़ा पुल पर चेकिंग कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खिन्दौड़ा से ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले कुछ आरोपी बम्बा पुल से धौलड़ी रोड स्थित बाग में छिपे हुए हैं और उनके पास हथियार भी हैं। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने जब बाग की घेराबंदी की तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान पप्पू पुत्र विष्णु रावत, निवासी ग्राम बिशनपुर, जिला कटक (उड़ीसा) के रूप में हुई है, जो फिलहाल सिहानी, नंदग्राम में रह रहा था।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर कॉम्बिंग की, जिसमें चार अन्य आरोपी आशु पुत्र इस्लामुद्दीन, हसीन पुत्र असलम, बलराज पुत्र मदनपाल जाट, जसवीर पुत्र अजब सिंह जाट गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में चोरी का सामान और हथियार बरामद किए जिनमें करीब 9 किलो कॉपर की तार, एक बंडल एल्युमिनियम तार (विद्युत लाइन), चोरी के उपकरण, एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस, दो तमंचे 315 बोर, तीन जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और तीन अवैध चाकू शामिल हैं।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह के सभी सदस्य शातिर अपराधी हैं। पप्पू के खिलाफ थाना इंदरापुरम में लूट का एक मुकदमा दर्ज है। वहीं आशु के खिलाफ मुजफ्फरनगर व शामली में चोरी, विद्युत अधिनियम और आयुध अधिनियम के तीन मुकदमे दर्ज हैं।

क्यूबिकल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
रजि. कार्यालय-456, अग्रवाल मेट्रो हाइट, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतम पुरा, दिल्ली-110034
सीआईएन L65993DL1990PLC040101, वेबसाइट: www.cubical90.com ई-मेल: cubfinser@yahoo.com

30 सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विवरण का सारांश

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति 30.09.2025 (अलेखा-परीक्षित)	तिमाही समाप्ति 30.09.2024 (अलेखा-परीक्षित)	वर्ष समाप्ति 31.03.2025 (लेखा-परीक्षित)
1.	परिचालन से कुल आय	42.56	146.02	241.99
2.	कर पूर्व अवधि के लिए लाभ/(हानि)	6.77	33.7	67.82
3.	कर पश्चात् अवधि के लिए शुद्ध लाभ/हानि	3.47	26.3	37.54
4.	इक्विटी शेयर पूंजी	1303.4	1303.4	1303.40
5.	पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर रिजर्व	-	-	206.44
6.	प्रति शेयर आय (ईपीएस) (प्रत्येक रु. 2/-)			
	मूलभूत	0.01	0.04	0.06
	डायल्यूटिड	0.01	0.04	0.06

टिप्पणी:- उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर त्रैमासिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.cubical90.com पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते क्यूबिकल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
अश्वनी कुमार गुप्ता
प्रबंध निदेशक,
डीआईएन-00348616

दिनांक: 11.11.2025
स्थान: दिल्ली

दुहाई में 10 बीघा अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर, सड़क-नाली-बाउंड्रीवाल ध्वस्त

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई और तेज कर दी है। दुहाई क्षेत्र में करीब 10 बीघा अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में, जीडीए के वीसी नंद किशोर कलाल के सख्त निदेशों पर की गई, जिसमें प्लॉटों की बाउंड्रीवाल, सड़कें, नालियां और एक अस्थायी ऑफिस पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। यह कॉलोनी अवैध रूप से विकसित की जा रही थी और प्लॉट काटकर बेचने की तैयारी थी। जीडीए टीम ने सभी अवैध निमार्णों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ध्वस्तीकरण के दौरान स्थानीय विकासकर्ता और उनके सहयोगियों ने विरोध जताया और बुलडोजर के सामने आने की कोशिश की, लेकिन पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात था, जिससे किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सका। जीडीए ने पिछले कुछ महीनों में मधुबन बापूधाम, राजनगर एक्सटेंशन, क्रॉसिंग रिपब्लिक और दुहाई जैसे क्षेत्रों में भी दर्जनों अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया है।

डाक सेवा 2.0 की दी जानकारी

गाजियाबाद। नवयुग मार्केट स्थित मुख्य प्रधान डाकघर में मंगलवार को डाक सेवा 2.0 को लेकर लोगों को इसके बारे में अवगत कराया गया। पोस्ट मास्टर ने बताया कि इसके जरिए लोग अपने पार्सल, स्पीड पोस्ट की ट्रैकिंग आदि की जानकारी दी।

पीएनबी फाइनेंस एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कॉर्पोरेट पहचान सं. L65929DL1947PLC001240
रजि. कार्यालयः प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
फोनः 7303495375, ई-मेल- pnbfinanceindustries@gmail.com, वेबसाइट-www.pnbfinanceandindustries.com

सितम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही और छिमाही हेतु अलेखापरीक्षित समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश
(प्रति शेयर डेटा को छोड़कर लाख रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2025 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्ति जून 30, 2025 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2024 (अलेखापरीक्षित)	छिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2025 (अलेखापरीक्षित)	छिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2024 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्ति मार्च 31, 2025 (लेखापरीक्षित)
1	परिचालनों से कुल आय	758.23	616.14	551.56	1,374.37	952.73	1,051.50
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मद)	706.26	582.67	515.08	1,288.93	885.99	883.96
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	706.26	582.67	515.08	1,288.93	885.99	883.96
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	533.40	498.44	385.49	1,031.84	717.90	715.81
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	24,655.07	4,992.06	57,579.86	29,647.13	60,493.73	66,562.37
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य 10 रु. प्रति शेयर)	320.00	320.00	320.00	320.00	320.00	320.00
7	अन्य इक्विटी (वर्ष के अंत तक)						3,29,168.07
8	प्रत्येक 10 रुपये का प्रति शेयर आय						
	1. मूलभूत (रु. में)	16.67	15.58	12.04	32.25	22.43	22.37
	2. तरलीकृत (रु. में)	16.67	15.58	12.04	32.25	22.43	22.37

टिप्पणियां:
1. उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई है और नवम्बर 11, 2025 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है।
2. उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल किए गए त्रैमासिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सारांश है। कंपनी के उपरोक्त वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और इसे 11 नवम्बर, 2025 को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को भी भेजा गया है।
3. तिमाही और अर्ध वर्ष समाप्ति हेतु सितम्बर 30, 2025 को अलेखापरीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों की प्रमुख संख्या नीचे दी गई है। (प्रति शेयर डेटा को छोड़कर लाख रुपये में)

विवरण	तिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2025 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्ति जून 30, 2025 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2024 (अलेखापरीक्षित)	छिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2025 (अलेखापरीक्षित)	छिमाही समाप्ति सितम्बर 30, 2024 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्ति मार्च 31, 2025 (लेखापरीक्षित)
परिचालनों से कुल आय	735.34	605.82	535.52	1,341.16	932.52	1,012.00
कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	683.40	572.50	499.15	1,255.90	866.02	847.97
कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	513.19	490.78	373.52	1,003.97	702.87	688.88
अवधि हेतु कुल व्यापक आय	12,568.35	4,494.55	32,245.98	17,062.90	36,157.17	39,194.13

4. संबंधित तिमाही के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनः वर्गीकृत किया गया है, जहां भी आवश्यक हो वर्तमान तिमाही वर्गीकरण/प्रस्तुति की पुष्टि करें।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
कृते पीएनबी फाइनेंस एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
राकेश शर्मा
निदेशक
डीआईएन: 07065199

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 नवम्बर, 2025

प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर सीडीओ ने की समीक्षा बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, गाजियाबाद विभाग द्वारा जनपद में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले को आवंटित योजनाओं और प्रशिक्षण प्रदाताओं के लक्ष्यों के अनुसार उपलब्धियों की समीक्षा की गई। बैठक में प्रशिक्षण कार्य की समीक्षा के साथ ही प्रशिक्षण की गुणवत्ता, टी०ओ०टी० प्लेसमेंट, प्रोजेक्ट प्रवीण अंतर्गत राजकीय विद्यालयों में प्रशिक्षण के दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षण प्रदाताओं को समय पर लक्ष्यों को पूरा करने और जीरो पावर्टी के तहत अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रशिक्षण प्रदाता जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नो एंड इंफोसोल्यूशन प्रा. लिमिटेड, जीकेआर इंफ्राकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सिनर्जी टेलीमैटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, जीआईटीआई गाजियाबाद, सॉफ्टसोल्व 24७७ प्राइवेट लिमिटेड, सक्सेना इलेक्ट्रॉनिक्स, शांति देवी पुंडीर शिक्षा प्रसार समिति, चौधरी पवन सिंह शिक्षा समिति और मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला समन्वयक के.डी. मिश्र, एमआईएस मैनेजर अरूण कुमार पांडेय, सन्दीप कुमार और डाटा ऑपरेटर राहुल कुमार भी बैठक में मौजूद रहे।

पंचायत में बुलाकर चाचा-भतीजे के साथ मारपीट

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के मेहंदीपुर गांव में जमीन के विवाद को लेकर पंचायत में बुलाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने एक राय होकर परिवार के लोगों को बुरी तरह पीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जेवर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित पक्ष के मुद्दी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया। मुद्दी ने पुलिस को बताया कि एक जमीन को लेकर उनका पड़ोसियों से विवाद चल रहा है।

असहनीय प्रदूषण

दिल्ली में सांस लेना दूभर

इससे बाहरी लोगों को झटका लग सकता है, लेकिन दिल्लीवासियों के लिए यह एक वार्षिक पुनरावृत्ति है। हवा धुंध से घनी है, और इसमें सांस लेना एक दैनिक पीड़ा है। जिसे कई देशों में चिकित्सा आपातकाल घोषित किया जाएगा, वह दिल्ली में 'नया सामान्य' बन गया है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 600 को पार करने के साथ, एक स्तर जिसे गंभीर के रूप में वर्गीकृत किया गया है , शहर एक गैस चैंबर में बदल गया है जहां हर सांस जहर पीने जैसा महसूस होता है। धुंध, दोषारोपण और चुप्पी का वार्षिक चक्र वापस आ गया है

लेकिन इस साल कुछ अलग है. दिल्लीवासियों ने अब और नहीं लेने का फैसला किया है। बदलाव के लिए वे बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. वे अब मूक दर्शक नहीं हैं। सप्ताहांत में, सैकड़ों लोग इंडिया गेट पर एकत्र हुए और सत्ता में मौजूद लोगों से तत्काल कार्रवाई और जवाबदेही की मांग की। संबंधित नागरिकों के नेतृत्व में और एक आप नेता द्वारा शामिल किया गया विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक दिखावा का प्रदर्शन नहीं था बल्कि हताशा की अभिव्यक्ति थी। निवासियों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, मास्क पहनकर खांस रहे थे और गुस्से और पीड़ा के मिश्रण के साथ बात कर रहे थे।

उनका संदेश सरल लेकिन शक्तिशाली था: संकट को नकारना बंद करो और कार्य करना शुरू करो। जैसा कि एक प्रदर्शनकारी ने संक्षेप में कहा, ₹चाहे सरकार किसी की भी हो, आम लोग मर रहे हैं। यह भावना दिल्ली की त्रासदी के सार को दर्शाती है, एक राजनीतिक दोषारोपण का खेल जिसने खतरनाक जड़ता को जन्म दिया है। एक दशक से अधिक समय से, दिल्ली का प्रदूषण संकट साल-दर-साल बदतर होता जा रहा है - धुंध से भरा आसमान, आपातकालीन बैठकें, और पानी का छिड़काव, सम-विषम यातायात योजना, या क्लाउड सीडिंग जैसे असफल प्रयोग। दिल्ली को स्थायी समाधान की जरूरत है, दिखावटी समाधान की नहीं।

मूल कारण, अनियंत्रित निर्माण धूल, वाहन उत्सर्जन, पराली जलाना, और खराब अपशिष्ट प्रबंधन - बड़े पैमाने पर अनदेखे हैं। इस बीच, डेटा हेरफेर और इनकार केवल नागरिकों और राज्य के बीच अविश्वास को गहरा करता है। इसकी तुलना वैश्विक उदाहरणों से करें। बीजिंग, जो कभी अपने प्रदूषण के लिए बदनाम था, ने औद्योगिक स्थानांतरण, सख्त वाहन-उत्सर्जन मानदंडों और बड़े पैमाने पर सार्वजनिक परिवहन सुधार को मिलाकर एक व्यापक स्वच्छ-वायु नीति लागू की। पांच वर्षों के भीतर, इसका पीएम2.5 स्तर लगभग 50 प्रतिशत गिर गया। लंदन में, अल्ट्रा-लो एमिशन जोन (यूएलईजेड) की शुरूआत और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन से वायु गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

यहां तक कि लॉस एंजिल्स, जो कभी स्मॉग का पर्याय था, स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और नागरिक जवाबदेही में निरंतर निवेश के माध्यम से सफल हुआ। दिल्ली को ऐसी ही राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है- घड़ियाली आंसुओं की नहीं। इसके लिए एक एकीकृत क्षेत्रीय रणनीति की आवश्यकता है जो दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश को एक ही स्वच्छ वायु मिशन के तहत एक साथ लाए। एक दीर्घकालिक योजना में पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए शहरी नियोजन, हरित आवरण बहाली, नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन और कृषि सुधार पर ध्यान देना चाहिए।

प्रौद्योगिकी मदद कर सकती है, लेकिन पारदर्शिता और प्रवर्तन आवश्यक है। नागरिक भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन न केवल राजनेताओं के लिए बल्कि नागरिकों के लिए भी एक चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए। स्वच्छ हवा कोई विशेषाधिकार नहीं है, यह एक मौलिक अधिकार है, और दिल्ली को यह अवश्य मिलना चाहिए।

भारत की चेतना का शाश्वत उद्घोष

वंदे मातरम् भारत की आत्मा का अनन्त स्वर है। जब यह गीत गूँजता है, तो केवल शब्द नहीं गूँजते; भारत की नदियाँ गूँजती हैं, भारत के पर्वत गूँजते हैं, भारत की हवाएँ गूँजती हैं, भारत की मिट्टी गूँजती है। यह गीत हमारे भीतर वह स्मृति जगाता है कि हम उस भूमि के पुत्र हैं जिसे वेदों ने जननी कहा।

डॉ. प्रभांशु ओझा
सहायक प्रोफेसर,
हंसराज कालेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय

पूरा भारत राष्ट्रगीत के 150 वर्षों की यात्रा का स्मरण कर रहा है, जिसने न केवल देश के स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा में सुप्त पड़ी हुई शक्ति को पुनः जगाया। हम किसी साधारण गीत की चर्चा नहीं कर रहे; हम एक ऐसे मंत्र, एक ऐसे स्तोत्र, एक ऐसे सांस्कृतिक-दार्शनिक प्रकाश-स्तंभ के बारे में बात कर रहे हैं, जिसका नाम है—वंदे मातरम्। यह गीत न केवल हमारे राष्ट्र का हृदय है, बल्कि भारतीय विचार-परंपरा का एक संपूर्ण ग्रंथ है, जिसे शब्दों में नहीं, बल्कि चेतना में पढ़ा जाता है। वंदे मातरम् का आरंभ दो शब्दों से होता है—परंतु यह गीत दो शब्दों तक सीमित नहीं। यह भारत के प्रकृति-दर्शन, शक्तिवाद, उपनिषदिक अद्वैत, तांत्रिक ऊर्जा, भक्तिकाल की माधुर्यता, आधुनिक राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक एकता—सभी को एक ही गीत में समाहित करता है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इसे केवल साहित्यिक सज्जा के लिए नहीं लिखा; उन्होंने भारतीय आत्मा को पुकारा, उसे उसका असली रूप दिखाया, उसे जगाया, उसे स्वयं के प्रति जागरूक किया।

जब 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारत अंग्रेजी शासन की राजनीतिक कठोरता और सांस्कृतिक तिरस्कार का सामना कर रहा था, तब भारतीय समाज अपनी ही पहचान से विमुख हो रहा था। पश्चिमी सत्ता न केवल शरीर पर शासन कर रही थी, बल्कि मन पर आक्रमण कर रही थी। वेदों को मिथक बताया गया, उपनिषदों को दुष्प्रचार कहा गया, पुराणों को अंधविश्वास घोषित किया गया, और भारतीय मनोविज्ञान को पिछड़ेपन का प्रमाण बताया गया। ऐसे समय में एक गीत, एक आवाज़, एक पुकार—भारत को उसकी जड़, उसकी आत्मा और उसकी पहचान से पुनः जोड़ने के लिए आवश्यक थी। यह पुकार वंदे मातरम् के रूप में आई।

आनंदमठ में यह गीत केवल उपन्यास का हिस्सा नहीं है; वह उपन्यास का हृदय है। उसके बिना आनंदमठ अधूरा है, जैसे भारत बिना मातृभूमि के भाव के अधूरा होता। वंदे मातरम् तीन स्तरों पर भारतीय चेतना को सम्बोधित करता है—सांस्कृतिक, दार्शनिक और राजनीतिक। सांस्कृतिक रूप में यह गीत मातृभूमि को देवी का स्वरूप देता है—लेकिन यह देवी किसी संप्रदाय की नहीं, बल्कि स्मृति, करुणा, सृजन, ऊर्जा और नैतिकता की देवी है। दार्शनिक रूप में वंदे मातरम् कहता है कि भूमि मात्र भूगोल नहीं है; वह चेतना है, ब्रह्म का भू-स्वरूप है, वह वह शक्ति है जिससे मानव का अस्तित्व पोषित होता है। और राजनीतिक रूप में, यह गीत स्वाधीनता को केवल अधिकार नहीं, बल्कि धर्म बताता है—क्योंकि धर्म वही है जो सत्य, न्याय और कर्तव्य की रक्षा करे।

जब गीत की पहली पंक्ति गूँजती है—'सुजलाम सुफलाम मलयज-शीतलाम..'—तो भारतभूमि का एक जीवंत, शस्य-श्यामल, सुगंधित और पूर्ण जीवन-ऊर्जा से भरा हुआ चित्र उभरता है। यह वह भारत है जो नदियों की धारा में बहता है, जो खेतों की हरियाली में मुस्कराता है, जो हवा की शीतलता में नृत्य करता है। यह गीत हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक नक्शा नहीं होता, वह उसकी प्रकृति, उसकी नदियों, उसके पर्वतों, उसके पेड़ों, उसकी मिट्टी, उसकी हवा और उसकी फसलों से बनता है। वंदे मातरम् का यह प्रकृति-दर्शन आधुनिक पर्यावरण शास्त्र से कहीं अधिक व्यापक है; यह प्रकृति को माता के रूप में देखता है, और माता के रूप में देखी गई प्रकृति के साथ उत्पन्न होने वाला भाव केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि भक्ति का होता है। गीत की अगली पंक्तियाँ इस प्रकृति को शक्ति में रूपांतरित करती हैं—'त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणा।' यहाँ मातृभूमि दुर्गा है—युद्ध की देवी नहीं, बल्कि साहस की देवी, नैतिक संकल्प की देवी, अन्याय के प्रतिरोध की देवी, भूमि की रक्षा की देवी। यह दुर्गा किसी मंदिर की देवी नहीं, यह विचार की देवी है, चेतना की देवी है। और जब वंदे मातरम् मातृभूमि को दुर्गा कहता है, तब वह भारत को एक निराक्रिय राष्ट्र नहीं, बल्कि एक जाग्रत, सतर्क, सशक्त और संकल्पवान राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करता है। और जब गीत कहता है—'त्वं हि कमला कमलदल-विहारिणी'—तब मातृभूमि लक्ष्मी का रूप धारण करती है—समृद्धि की देवी, सौंदर्य की देवी, जीवन की सुगंध की देवी। इस गीत में शक्ति और समृद्धि, कठोरता और कोमलता, धैर्य और पराक्रम—दोनों एक साथ हैं। यही कारण है कि वंदे मातरम् केवल राष्ट्रवाद नहीं, समग्र भारतीय संस्कृति की जीवंत प्रस्तुति है।

गीत का दूसरा भाग और भी अधिक भावनात्मक और दार्शनिक है। यहाँ कवि केवल भूमि का वर्णन नहीं करता, बल्कि उसमें अपने मन को समर्पित करता है—'विन्ध्य-हिमाचल-यमुनागंगायाः उच्छल-जलधि-तरंगिण्याः।' इस वर्णन में भूगोल ही नहीं, भाव भी है—भारत के प्रत्येक पर्वत, प्रत्येक नदी, प्रत्येक पवन, प्रत्येक धारा में मातृभाव बहता है। यही कारण है कि वंदे मातरम् हमें केवल एक क्षेत्र से नहीं जोड़ता; वह हमें पूरे भारत से जोड़ता है—कश्मीर से कन्याकुमारी तक, गुजरात से अरुणाचल तक, हिमालय से हिंद महासागर तक।

और आज जब हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के उस कथन को स्मरण करते हैं—कि 'वंदे मातरम् का एक-एक शब्द मां को समर्पित है, और मां कभी सांप्रदायिक नहीं हो सकती'—तो यह सत्य हमें भीतर तक छूता है। मातृत्व किसी धर्म से बंधा नहीं होता; वह मनुष्यता का शाश्वत मूल है। मातृभूमि किसी एक जाति, समुदाय या संप्रदाय की नहीं हो सकती। जब भूमि को माता कहा गया, तब भारत ने अपनी राष्ट्रीय पहचान को संकीर्णता से ऊपर उठाकर सार्वभौमिक प्रेम के रूप में स्थापित किया। वंदे मातरम् की आध्यात्मिक गहराई को समझने के लिए हमें उसे मनोविज्ञान, सौंदर्यशास्त्र और दार्शनिक प्रतीकवाद के माध्यम से भी पढ़ना होगा। भारतीय संस्कृति में 'माता' एक मूल-आद्य-प्रतीक है। युंग के मनोविज्ञान में इसे 'आर्केटाइप' कहा गया है—एक ऐसा गहरा प्रतीक जिसे हर मनुष्य अपने अवचेतन में धारण करता है। माता सुरक्षा का रूप है, करुणा का रूप है, पोषण का रूप है, जीवन का आधार है। जब राष्ट्र को माता कहा जाता है, तब राष्ट्र के प्रति संबंध राजनीतिक नहीं रहता—भावात्मक, आध्यात्मिक और पारिवारिक हो जाता है। यही वंदे मातरम् की सबसे बड़ी शक्ति है—वह राष्ट्र को राज्य नहीं, बल्कि माता बनाता है।

स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् केवल गीत नहीं था; वह मनोबल था, वह प्रतिरोध था, वह सामूहिक चेतना का उठ खड़ा होना था। सड़कों पर लाठियाँ चल रही थीं, जेलों के फाटक बंद हो रहे थे, लेकिन आंदोलनकारी बिना भय के गाते थे—वंदे मातरम्। यह गीत उनके मन में निर्भयता का संचार करता था, क्योंकि मातृभूमि के प्रति समर्पण का भाव मनुष्य को मृत्यु से भी ऊपर उठा देता है। यह वह भाव था जिसमें बलिदान भी भक्ति बन गया था। वंदे मातरम् की साहित्यिक संरचना उसकी दार्शनिक गहराई के समान ही अद्भुत है। संस्कृत के शब्द, बांग्ला की ध्वनियाँ, छंद की लय, और प्रतीकों की सुव्यवस्थित संरचना—ये सभी मिलकर इस गीत को केवल कविता नहीं रहने देतीं; यह मंत्र बन जाता है। 'सुजलाम सुफलाम'—इन ध्वनियों में पृथ्वी की नमी है, फसलों की सुगंध है, नदी की ध्वनि है। 'मलयज-शीतलाम'—इस ध्वनि में पर्वत की हवा का स्पर्श है। 'विन्ध्य-हिमाचल'—इसमें भूगोल की विराटता है। 'दशप्रहरणा'—इसमें शक्ति की दीप्ति है। 'कमलदल-विहारिणी'—इसमें कोमलता की शीतलता है। इस प्रकार वंदे मातरम् शब्दों का नहीं, ध्वनियों का भी दर्शन है।

आज जब हम आधुनिक भारत में इस गीत की प्रासंगिकता की चर्चा करते हैं, तो हमें यह देखना होता है कि यह गीत किस भावना को पुनर्स्थापित करता है। यह हमें बताता है कि राष्ट्र केवल सरकार नहीं, राष्ट्र केवल संस्थान नहीं, राष्ट्र केवल संविधान नहीं—इन सबसे ऊपर राष्ट्र चेतना है, राष्ट्र भावना है, राष्ट्र सर्वात्मा है। यह चेतना तभी जीवित रहती है जब उस भूमि के प्रति भक्ति का भाव जीवित रहे। वंदे मातरम् वही भक्ति है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सही कहा कि यह गीत सांप्रदायिक नहीं हो सकता, क्योंकि माता सांप्रदायिक नहीं होती। मातृभूमि का अर्थ ही समावेशिता है। जिसकी गोद में हम सब समान रूप से पलते हैं, जिसका अन्न सबको समान शक्ति देता है, जिसकी हवा सबको समान जीवन देती है, वह माता किसी प्रकार की विभाजन रेखा को स्वीकार ही नहीं करती। वंदे मातरम् इसी अखंडता का गीत है।

डीयू कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह द्वारा इस गीत पर वर्षभर कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। यह संस्कृति, शिक्षा और युवा चेतना तीनों को जोड़ने वाला सेतु है। यह नई पीढ़ी को बताएगा कि वंदे मातरम् केवल स्वतंत्रता आंदोलन का गीत नहीं, बल्कि सभ्यता का गीत है, संस्कृति का गीत है, चेतना का गीत है। यह गीत इतिहास में बंद नहीं है; यह वर्तमान का प्राण है और भविष्य का मार्गदर्शन है। वंदे मातरम् हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र के प्रति समर्पण केवल शब्दों में नहीं होता—वह कर्म में होता है, कर्तव्य में होता है, श्रम में होता है, त्याग में होता है। 'मदर इंडिया' का भाव कोई राजनीतिक वाक्य नहीं; यह सांस्कृतिक सत्य है कि भूमि हमारी जननी है। उसके प्रति हमारा प्रेम ही हमारा राष्ट्रधर्म है। और यही राष्ट्रधर्म व्यक्ति को बड़ा बनाता है, समाज को सुदृढ़ बनाता है और देश को समृद्ध बनाता है।

वंदे मातरम् भारत की आत्मा का अनन्त स्वर है। जब यह गीत गूँजता है, तो केवल शब्द नहीं गूँजते; भारत की नदियाँ गूँजती हैं, भारत के पर्वत गूँजते हैं, भारत की हवाएँ गूँजती हैं, भारत की मिट्टी गूँजती है। यह गीत हमारे भीतर वह स्मृति जगाता है कि हम उस भूमि के पुत्र हैं जिसे वेदों ने जननी कहा, जिसे उपनिषदों ने ब्रह्म का रूप कहा, जिसे महाकाव्यों ने धर्म का आधार कहा और जिसे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने लहू से पवित्र किया।

वंदे मातरम् कहने का अर्थ केवल मातृभूमि को प्रणाम करना नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानना है। अपने धर्म को पहचानना है। अपनी संस्कृति को पहचानना है। अपने राष्ट्र-कर्तव्य को पहचानना है। जब तक भारत रहेगा, जब तक यहाँ एक भी नागरिक इस भूमि के प्रति प्रेम रखता रहेगा, तब तक वंदे मातरम् केवल गीत नहीं रहेगा—वह भारत की चेतना का शाश्वत उद्घोष रहेगा। वंदे मातरम्।

आधुनिक शिक्षा में नालंदा की विरासत

नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला जैसे प्रसिद्ध केंद्र एशिया भर के विद्वानों के लिए चुंबक बन गए, जिन्होंने एक समग्र शैक्षिक मॉडल का प्रतीक बनाया जिसने अनुशासन, नैतिक विकास और बौद्धिक जांच पर जोर दिया।

बीके झा
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत में मठवासी शिक्षा की जड़ें प्राचीन धार्मिक और दार्शनिक परंपराओं से जुड़ी हैं, खासकर बौद्ध धर्म के भीतर। 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व से, बौद्ध मठ, या विहार, शिक्षा के संरचित केंद्र के रूप में उभरे। प्रारंभ में ध्यान और बुद्ध की शिक्षाओं के अध्ययन के लिए मौसमी अवकाश, वे धर्मग्रंथों, नैतिकता, तर्क और दर्शन में व्यवस्थित शिक्षा प्रदान करने वाले स्थायी संस्थानों में विकसित हुए।

नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला जैसे प्रसिद्ध केंद्र एशिया भर के विद्वानों के लिए चुंबक बन गए, जिन्होंने एक समग्र शैक्षिक मॉडल का प्रतीक बनाया जिसने अनुशासन, नैतिक विकास और बौद्धिक जांच पर जोर दिया। इस विरासत ने बौद्ध दर्शन की रक्षा की और आजीवन, मूल्य-आधारित शिक्षा के शुरूआती मॉडल स्थापित किए जो आज भी आधुनिक शिक्षाशास्त्र के लिए प्रासंगिक हैं।

नालंदा इस प्रणाली की सबसे परिष्कृत अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। जबकि पहले के मठ बड़े पैमाने पर आध्यात्मिक विकास पर ध्यान केंद्रित करते थे, नालंदा महाविहार (5वीं-12वीं शताब्दी सीई) आवासीय सुविधाओं और एक संरचित पाठ्यक्रम के साथ एक विशाल, संगठित विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ। इसने बौद्ध दर्शन को धर्मनिरपेक्ष ज्ञान के साथ एकीकृत किया - व्याकरण, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित और कला की शिक्षा दी। इसके बहु-विषयक और समावेशी दृष्टिकोण ने बहस, व्याख्यान और टिप्पणियों को प्रोत्साहित किया, जिससे चीन, कोरिया, तिब्बत और दक्षिण पूर्व एशिया के छात्र आकर्षित हुए। एक आध्यात्मिक केंद्र से अधिक, नालंदा ने आस्था और तर्क के मिलन को मूर्त रूप दिया, शिक्षा को सांप्रदायिक शिक्षा के बजाय सार्वभौमिक ज्ञान की खोज के रूप में देखा।

इस भावना में, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) ने भारतीय हिमालयी नालंदा बौद्ध परंपरा परिषद (आईएचसीएनबीटी) के साथ साझेदारी में, पूरे भारत में मठवासी शिक्षा को आधुनिक बनाने और औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिए एक अग्रणी पहल शुरू की है। परंपरागत रूप से भोटी में संचालित यह शिक्षा बौद्ध ज्ञान और भारतीय साहित्यिक विरासत का एक समृद्ध भंडार संरक्षित करती है। मेघदूत, काव्यदर्शन, अमरकोश और रामायण जैसे संस्कृत क्लासिक्स के साथ-साथ नागार्जुन, वसुबंधु और धर्मकीर्ति जैसे विद्वानों के काम इसकी बौद्धिक गहराई की गवाही देते हैं।

प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों को कवर करते हुए, कार्यक्रम पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शैक्षिक ढांचे के साथ जोड़ता है। एनआईओएस में निदेशक (शिक्षाविद) राजीव कुमार सिंह इसे ₹प्राचीन ज्ञान और आधुनिक अवसर के बीच एक पुल₹ कहते हैं, इस बात पर जोर देते हुए कि लक्ष्य बौद्ध धर्म को धर्मनिरपेक्ष बनाना नहीं है, बल्कि शिक्षार्थियों को सशक्त बनाना है और यह सुनिश्चित करना है कि उनके ज्ञान को आधुनिक समाज में सार्थक रूप से संलग्न करते हुए समान सम्मान मिले।

आईएचसीएनबीटी, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और उत्तरी बंगाल में बौद्ध समुदायों का प्रतिनिधित्व करता है, इस प्रयास को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके महासचिव मलिंग गोम्बू के लिए, यह पहल शैक्षिक और देशभक्ति दोनों है - मठ संस्थानों की भारतीय पहचान को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना कि मठ भारतीय सभ्यता में निहित शिक्षा के जीवंत केंद्र बने रहें।

आज, हिमालय भर में लगभग 132 मठों को एनआईओएस द्वारा मान्यता प्राप्त है, जिसमें लगभग 10,000 शिक्षार्थियों का नामांकन हुआ है। राष्ट्रीय ढांचे में मठवासी शिक्षा का यह ऐतिहासिक एकीकरण केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं है - यह एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण है। बोध दर्शन पहल सदियों पुरानी हिमालयी शिक्षा को प्रतिष्ठित करती है, बौद्ध विचार के आध्यात्मिक और बौद्धिक उद्गम स्थल के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि करती है।

आप की बात

सितारों के सितारे गर्दिश में

हालांकि सबकुछ इंसान के हाथ में नहीं होता है. वो सिर्फ बीमारी की दवा कर/करा सकता है, फिर चाहे वो राजा हो या रंक। उम्र और बीमारी पर उसका वश नहीं होता. जन्म/मृत्यु प्रकृति के नियम हैं. यूं की मानवों व प्राकृतिक जीवों की सामान्य/असामान्य जन्म/मृत्यु होती चली आ रही है और जब तक प्रकृति है उसमें निरंतरता बनी ही रहेगी। लेकिन कभी-कभी सोचने में आ जाता है जब कुछ लगातार बुरा/भला होने लगता है। अब देखिये न इन दिनों कुछ सिने सितारों के सितारे गर्दिश में ही नजर आ रहे हैं। पहले लम्बे समय से बीमार नायिका/गायिका सुलक्षणा पंडित का निधन हो गया। ईश्वर उन सभी को शीघ्र स्वस्थ करे जो बीमारी की वजह से अस्पताल में भर्ती हुए हैं। अपने जमाने के जाने-माने और उम्रदार अभिनेता प्रेम चौपड़ा और धर्मेंद्र मुंबई की विभिन्न अस्पतालों में भर्ती है और इलाज करवा रहे हैं. जिनके प्रशंसक उनके शीघ्र स्वास्थ लाभ के लिए दुआएं मांग रहे हैं। इस दौरान बड़े ही दुःख की बात है कि बिना प्रमाणिकीय खबर के सोशल मीडिया में उतावले यूजर्स कुछ भी मैटर्स डाल देते हैं और सामान्य लोग ही नहीं बल्कि प्रतिष्ठित लोग भी उस खबर को सही मानकर श्रद्धांजलि तक दे देते हैं और बाद में डिलीट भी करते हैं. जैसा कि इलाज करवा रहे धर्मेंद्र के निधन की खबर लोगों ने बिना प्रमाण के प्रसारित कर दी और लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि तक दे दी।

– **शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

विवाह पंजीयन अनिवार्यता

देवउठनी एकादशी के साथ ही देशभर में विवाहों का शुभ समय प्रारंभ हो गया है। इसी अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार ने विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन के लिए सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं। योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की यह पहल न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और कानूनी रूप से भी अत्यंत सराहनीय कदम है। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक विवाह को विधिवत पंजीकृत कर दंपत्तियों को भविष्य में किसी भी प्रकार की कानूनी जटिलताओं से मुक्त रखना है। मध्य प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम 2008 के अनुसार, राज्य में भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि, परंपरा या रूढ़ि के अंतर्गत संपन्न विवाह का पंजीकरण किया जा सकता है। लेकिन अभी तक कई विवाह बिना पंजीयन के रह जाते हैं, जिससे विशेषकर महिलाओं को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पति की मृत्यु, संपत्ति के स्वत्व, बीमा या अन्य कानूनी अधिकारों के मामलों में विवाह प्रमाणपत्र का अभाव गंभीर अड़चन बन जाता है। अतः इस पंजीयन प्रक्रिया से महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। राज्य सरकार ने इस दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री निकाह योजना और अन्य सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में विवाह स्थल पर ही विवाह प्रमाणपत्र देने का प्रावधान किया गया है।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

वंदे मातरम् अनिवार्य हो

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने यहां के सभी विद्यालयों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य कर दिया है,इसे हम आज के सन्दर्भ में एक प्रशंसनीय कदम हि कहेंगे। कारण वंदेमातरम वह गायन है जिसने हमारे देश को अंग्रेजों की दास्तां से मुक्ति दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी एवं ये तब की पीढ़ी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का प्रमुख हथियार था ,देश को आजादी दिलाने के लिए । आज वर्तमान में इस 21 वी सदी में हमारी नई युवा पीढ़ी इस देश भक्ति के गान को बिल्कुल हि भुलती जा रही है। अतः इस गान को एक बार फिर जन जन तक पहुचाने के लिए एवं हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी को इस गाने की अहमियत समझाने के लिए हमारी केंद्र सरकार को इसके गायन को पूरे देश के विद्यालयों में अनिवार्य कर देना चाहिए। इससे हर नागरिक के मन में अपनी मात्रभूमि के प्रति अगाध श्रद्धा और सम्मान का भाव जागृत हो सकेगा। कारण कुछ लोगो के लिए आज भी भारत की एकता और अखंडता से बढ़कर उनका मत और मजहब हो जाता है एवं उनकी व्यक्तिगत निष्ठा महत्व पूर्ण हो जाती है जबकि वन्देमातरम के विरोध का तो कोई औचित्य हि नहीं है, कारण यह तो मात्र अपनी मात्रभूमि के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा प्रकट करने का एक साधन मात्र है। अतः देश भर के स्कूलों में इसका गायन अनिवार्य किये जाने से हमारी समस्त युवा पीढ़ी इस देश के प्रति, इस मात्र भूमि के प्रति सम्मान सीखेगी।

– **मनमोहन राजावत राज**, शाजापुर

दोषियों को कड़ी सजा मिले

लगभग चौदह साल अमन चेन के बाद राजधानी दिल्ली एक बार फिर भय और दहशत के साए में आ गई। एक भीषण विस्फोट ने कई निर्दोष लोगों की जान ले ली और पूरे शहर में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। प्रारंभिक जांच से अभी स्पष्ट नही हो पाया है कि यह हादसा है या बल्कि एक सुनियोजित आतंकी साजिश । देश के विभिन्न हिस्सों से पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों से बरामद हथियार, विस्फोटक सामग्री और डिजिटल साक्ष्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि किसी बड़े हमले की योजना बनाई गई थी। सौभाग्य से सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता और खुफिया विभाग की सतर्कता के कारण एक बड़ी त्रासदी टल गई। दिल्ली पुलिस, एनआईए और अन्य जांच एजेंसियां मिलकर इस घटना की तह तक पहुंचने में जुटी हैं।इस हमले को देश की एकता और शांति को भंग करने की साजिश और लोगों में भय पैदा करने का हिस्सा था। जनता में भय स्वाभाविक है परंतु देश का भरोसा अपनी सुरक्षा एजेंसियों पर कायम है। उम्मीद की जाती है कि शीघ्र ही इस कायरतापूर्ण घटना के पीछे छिपे हर चेहरे को बेनकाब कर, दोषियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा ताकि राजधानी में लोग अपने को असुरक्षित महसूस न करे।

– **अमृतलाल मारू 'रवि'**, इन्दौर

पाठकगण अपने विचार responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भेज सकते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनता मिलन कार्यक्रम में सुनीं जन समस्याएं

जन समस्याओं का समयबद्ध व संतोषजनक निस्तारण करना सरकार का लक्ष्य : सीएम

- राज्य रजत जयंती वर्ष उत्सव के बाद सीएम धामी ने तेज किया जनसंवाद
- जनता से प्राप्त शिकायतों एवं मांगों पर त्वरित हो निस्तारण, अधिकारियों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सीएम कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से प्राप्त शिकायतों एवं मांगों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के साथ ही नियमित फीडबैक भी लिया जाए। उन्होंने कहा कि इस अवसर को हमें प्रशासन को जनता के और करीब ले जाने के रूप में इस्तेमाल करना होगा।

सरकार का लक्ष्य जन समस्याओं का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण करना है। इसके लिए प्रत्येक विभाग को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करते हुए जन अपेक्षाओं के अनुरूप सक्रिय और संवेदनशील व्यवहार अपनाना होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए और शिकायत निवारण की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी व तकनीकी माध्यमों से सुलभ बनाया जाए।

राज्य के हर नागरिक को विकास योजनाओं का मिले लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की रजत जयंती वर्ष जनभागीदारी और संवाद का अवसर है। इस दौरान जनता से प्राप्त सुझावों और मांगों को नीति निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि राज्य के हर नागरिक को विकास योजनाओं का सीधा लाभ जल्द-से-जल्द मिले। मुख्यमंत्री ने जनता से भी राज्यहित में रचनात्मक सुझाव देने और जनसेवा के प्रयासों में सहभागी बनने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रत्येक नीति और निर्णय का मूल उद्देश्य जनता का हित और प्रदेश का समग्र विकास है।

सुखोई विमान की देहरादून एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

देहरादून। सुखोई विमान की देहरादून एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। उड़ान के दौरान विमान के एक इंजन से तेल का रिसाव शुरू हो गया था, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ से यह कदम उठाया। देहरादून के जौलीग्रांट हवाई अड्डे पर सोमवार को भारतीय वायुसेना के एक सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान को तकनीकी खराबी के कारण आपातकालीन लैंडिंग की।

इस फाइटर जेट ने सुबह बरेली से उड़ान भरी थी। बताया जा रहा है कि उड़ान के दौरान विमान के एक इंजन से तेल का रिसाव शुरू हो गया था, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ से यह कदम उठाया। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद इस विमान को टर्मिनल से कुछ दूर वीआईपी गेस्ट हाउस के सामने सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया गया है। बरेली से इंजीनियरों की टीम देहरादून एयरपोर्ट पहुंच गई है, जिसके बाद विमान की तकनीकी खामी दूर करने के लिए काम शुरू कर दिया गया है।

दिल्ली में हुए विस्फोट पर सांसद त्रिवेन्द्र ने जताया दुःख

- दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए सुनिश्चित : रावत

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

नई दिल्ली में लाल किले के निकट कार में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विस्फोट की घटना अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। इस हृदयविदारक हादसे की जानकारी मिलते ही हरिद्वार लोकसभा सांसद एवं उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने गहरा शोक व्यक्त किया।

सांसद रावत ने कहा कि लाल किले के करीब हुए विस्फोट की खबर अत्यंत विचलित करने वाली है। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए भी प्रार्थना की। सांसद रावत ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं गृहमंत्री अमित शाह जी इस घटना की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां घटनास्थल पर मौजूद हैं तथा मामले की गहन जांच की जा रही है, ताकि दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

त्रिस्तरीय पंचायतों में उपचुनाव के लिए जारी हुई अधिसूचना

20 नवंबर को होगा मतदान, 22 को होगी मतगणना

- अधिकारियों को चुनाव तैयारी के संबंध में दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

राज्य में हरिद्वार जिले को छोड़कर त्रिस्तरीय पंचायतों में सभी खाली पदों पर 20 नवंबर को उप चुनाव होंगे। इस सम्बन्ध में राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा 11 नवंबर मंगलवार को अधिसूचना जारी की गई है। राज्य में ग्राम पंचायतों के 33114 पद खाली हैं। इन पदों पर उप चुनाव के बाद 4843 ग्राम पंचायतों का गठन होगा।

निर्वाचन आयोग के अनुसार सदस्य ग्राम पंचायत, ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत प्रत्याशियों के नामांकन पत्र 11 से 13 नवंबर तक संबंधित विकासखंड मुख्यालय एवं जिला पंचायत सदस्यों के नामांकन पत्र जिला मुख्यालय से मिलेंगे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने बताया कि 13 और 14 नवंबर को नामांकन पत्र जमा होंगे। ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य के नामांकन पत्र ब्लॉक मुख्यालय और जिला पंचायत सदस्य के नामांकन पत्र जिला मुख्यालय में जमा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायतों में खाली पदों पर मतदान 20 नवंबर को सुबह आठ बजे से शाम 5 बजे तक मतदान किया जाएगा। वहीं 22 नवंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने मुख्य विकास अधिकारियों और जिला पंचायत राज अधिकारियों की वर्चुअल माध्यम से हुई बैठक में चुनाव तैयारी के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा, चुनाव नामांकन के संबंध में लोगो को जानकारी दी जाए। वहीं, पोलिंग पार्टियों के संबंध में समय रहते सभी तैयारियां कर ली जाए।

कितने का मिलेगा नामांकन पत्र

सदस्य ग्राम पंचायत पद पर सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए नामांकन पत्रों का मूल्य 150 रुपए साथ ही पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति और महिलाओं के लिए 75 रुपये रखा गया है। इसी तरह, प्रधान ग्राम पंचायत पद पर सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार के लिए नामांकन पत्रों का मूल्य 300 रुपए साथ ही पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति और महिला ग्राम प्रधान उम्मीदवारों के 150 रुपए रखा गया है।

प्रत्याशियों की खर्च सीमा

सदस्य ग्राम पंचायत का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए अधिकतम दस हजार रुपये की खर्च सीमा निर्धारित की गई है। इसी तरह, प्रधान ग्राम पंचायत और सदस्य क्षेत्र पंचायत पदों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के लिए अधिकतम खर्च सीमा 75-75 हजार रुपये तय किया गया है।

लापता दो वर्षीय मासूम का शव तालाब से बरामद, परिजनों में कोहराम

काशीपुर। जिला ऊधम सिंह नगर के काशीपुर में कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम बवारखेड़ा में लापता हुई दो वर्षीय बच्ची का शव मंगलवार को तालाब से बरामद हुआ। शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्राम बवारखेड़ा निवासी अशफाक की दो वर्षीय पुत्री लाईबा 9 नवंबर की दोपहर करीब तीन बजे घर से अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस, फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीमों को तलाश में लगाया गया। वहीं मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे सीओ दीपक सिंह के नेतृत्व में डॉग स्क्वायड टीम ने बच्ची का शव घर से करीब 30 से 40 मीटर दूर स्थित तालाब से बरामद किया।

खड़े पिकअप से टकराई तेज रफ्तार बाइक, हादसे में दो नाबालिकों की मौत

- तेज रफ्तार होने के कारण टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई

पायनियर समाचार सेवा। चमोली

एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो नाबालिकों की मौत हो गई। जबकि दो युवक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि उनकी तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े एक पिकअप में जा घुसी। तेज रफ्तार होने के कारण टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई।

वहीं चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को रेस्क्यू कर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बाइक पर सवार दो अन्य युवकों का उपचार अस्पताल में जारी है।

पुलिस के अनुसार सोमवार रात करीब 10 बजे 4 दोस्त ब्रह्मसैन गांव से बाइक संख्या यूके 07 बीटी 8076 से रामलीला देखने गोपेश्वर जा रहे थे। इस दौरान बस अड्डा ब्रह्मसैन के पास पहुंचे तो ज्यादा स्पीड होने से उनकी बाइक खड़ी पिकअप में जा घुसी। जिसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत रेस्क्यू कर देर रात 11 बजे के आस-पास चारों को जिला अस्पताल गोपेश्वर पहुंचाया। चमोली थाना पुलिस एसआई नरेश ने बताया कि उन्हें हादसे की जानकारी जिला अस्पताल से मिली थी। इसके बाद वह अपनी टीम के साथ मौके पर गए और जांच शुरू की। बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान ब्रह्मसैन निवासी 11 वर्षीय उज्जवल और 14 वर्षीय समीर की मौत हो गई।

ब्रह्मसैन निवासी सागर और अमन का इलाज जिला अस्पताल में जारी है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं मृतकों के शवों को मॉर्चरी में रखा गया है। नाबालिकों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर दी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की चार जिलों की समीक्षा

- बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों को लेकर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने मंगलवार को सचिवालय में वीडियो कॉफ्रेंस में माध्यम से देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों, बीएलए की नियुक्ति एवं निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निदेर्शों पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों को एसआईआर की तैयारियों के दृष्टिगत 2003 की वोटर लिस्ट में शामिल मतदाताओं का वर्तमान मतदाता सूची में शत प्रतिशत मिलान हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो मतदाता वर्तमान में दूसरे स्थानों पर शिफ्ट हो गए हैं उनसे बीएलओ व्यग्तिगत रुप से संपर्क कर उनकी निर्धारित कैटेगरी में मैपिंग करें। इस पूरी तैयारी का उद्देश्य यह है कि मतदाताओं को एसआईआर के समय किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो।

लाखों की चरस के साथ 2 तस्कर हुए गिरफ्तार

- एसओजी व काठगोदाम पुलिस की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

'ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन-2025' के अन्तर्गत एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. के कड़े निर्देश पर एसओजी एवं काठगोदाम थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि एसओजी एवं काठगोदाम पुलिस की संयुक्त टीम ने चैकिंग के दौरान दो नशा तस्करों को दबोच है। पुलिस ने काठगोदाम थाना क्षेत्र में कालटैक्स नहर कवरिंग रोड के पास राजू सर्विस सैन्टर के करीब से तस्कर सोनू साहू पुत्र रमेश चन्द्र साहू निवासी साहू धर्मशाला इन्द्रानगर बनभूलपुरा और कैलाश चन्द्र पुत्र राजू राम निवासी पिनरा छोटा कैलाश भीमताल को 1 किलो 133 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस द्वारा दोनों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। साथ ही एसएसपी द्वारा पुलिस टीम को 1500 नगद धनराशि से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

अतिक्रमण हटाने के दौरान मिला नशे का जखीरा

रुद्रपुर। नगर निगम की टीम शहर में लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रही है। इसी बीच सूचना मिली कि अटरिया रोड स्थित ट्रांजिट कैंप मोड के पास एक खोखा अवैध रूप से सड़क किनारे पड़ा हुआ है। इस पर नगर निगम की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची तो टीम ने सामान्य प्रक्रिया के तहत खोखे को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की। लेकिन थोड़ी ही देर बाद जब यह अभियान तेज हुआ तो पता चला कि वहां आस-पास की झुग्गी झोपड़ियां में और खोखो में नशे का जखीरा रखा हुआ है। निगम कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने उसे खंगाला तो उसमें तीन बोरों में रखी अवैध शराब और एक बोरी में गांजा बरामद हुआ।

अवैध शराब और एक बोरी में गांजा हुआ बरामद

मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना

बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए दूसरा दल रवाना

पायनियर समाचार सेवा। नैनीताल

दीन दयाल उपाध्याय मातृ-पितृ तीर्थाटन योजना के अन्तर्गत जनपद नैनीताल से 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो को बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए दूसरा दल चार दिवसीय यात्रा में भेजा गया। जिसमे 33 श्रद्धालु (18 महिलाएं एवं 15 पुरूषों) यात्रा में सम्मलित है। यात्रा को पर्यटक आवास गृह सूखाताल से हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया गया। यात्रा नैनीताल से प्रारम्भ होकर रानीखेत-कर्णप्रयाग- जोशीमठ-बद्रीनाथ होकर वापस नैनीताल लौटेगी। इस दौरान पर्यटन विकास के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी चंदन सिंह बिष्ट, भूपेंद्र क्वीरा मौजूद रहे।

दिल्ली में ब्लास्ट के बाद जनपद नैनीताल में रेड अलर्ट

पुलिस ने चप्पे-चप्पे पर चलाया सघन चेकिंग अभियान

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

बीते दिन दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट की गंभीर घटना के दृष्टिगत पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड महोदय के निर्देश एवं आईजी कुमाऊं के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल श्री डॉ० मंजूनाथ टीसी द्वारा संपूर्ण जनपद में रेड अलर्ट घोषित कर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

एसपी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल के नेतृत्व में सीओ हल्द्वानी नितिन लोहनी व सभी क्षेत्राधिकारी सहित अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जिनमें पुलिस, फायर यूनिट, अभिसूचना तंत्र, बीडीएस स्क्वाड, बम डिस्पोजल टीम व पुलिस फोर्स शामिल हैं। सभी टीमें अपने अपने थाना क्षेत्रों में विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखकर सघन चेकिंग अभियान चला रही हैं।

संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत दें: आईजी

हल्द्वानी। बीते दिन दिल्ली में हुए बम धमाके के मद्देनजर कुमाऊं मंडल में भी सुरक्षा को लेकर हाई रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) के निर्देश पर कुमाऊं आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने सभी छह जिलों में तत्काल प्रभाव से सुरक्षा बढ़ाने के आदेश दिए हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से, कुमाऊं के सभी सीमावर्ती बॉर्डर, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग को तीव्र किया गया है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस थाने या कंट्रोल रूम को दें। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने कहा हम संभावित खतरों से निपटने के लिए पूरी तरह से सतर्क हैं। जनता का सहयोग हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। किसी भी असामान्य गतिविधि की सूचना तुरंत दें। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस का यह सुरक्षा अभियान आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है। पुलिस प्रशासन ने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है और अनुरोध किया है कि वे घबराएं नहीं।

वाहन चलाते समय गाड़ी से बाहर चापड़ का प्रदर्शन कर रहा व्यक्ति गिरफ्तार

हाथ में चापड़ लेकर वाहन चलाने का वीडियो हुआ था वायरल

- वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर एसएसपी ने तत्काल कार्रवाई के दिए थे निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

हाथो में चापड़ लेकर वाहन चलाना युवक को भारी पड़ा। वाहन चलाते समय गाड़ी से बाहर चापड़ का प्रदर्शन कर रहे व्यक्ति को दून पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो, जिसमें एक कार चालक कार से बाहर अपने हाथ में चापड़ (बड़ा चाकू) लेकर वाहन चलाते हुए दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी देहरादून द्वारा तत्काल वाहन चालक की तलाश कर उसके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, जिस पर प्रभारी निरीक्षक कैंट के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए वीडियो में दिख रहे वाहन के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए वाहन चालक को हिरासत में लिया गया।

थार वाहन को किया गया सीज

पुलिस ने बताया कि तलाशी में युवक के कब्जे से वीडियो में दिख रहे अवैध चापड़ को पुलिस द्वारा बरामद किया गया। जिस पर अभियुक्त के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत करते हुए गिरफ्तार किया गया तथा थार वाहन को सीज किया गया। गिरफ्तार युवक अक्षांश सकलानी बाल शिक्षा निकेतन कोलागढ़ का निवासी बताया जा रहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 12 नवंबर 2025

विस्फोट के बाद शामली में हाई अलर्ट

पायनियर समाचार सेवा। शामली

■ एसपी ने देर रात अंतर्राज्यीय बार्डर और मुख्य मार्गों व चेक पोस्टों का किया निरीक्षण

दिल्ली में लाल किले के निकट हुए विस्फोट के बाद राजधानी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में हाईअलर्ट जारी हो गया है। इसी के तहत एसपी एनपी सिंह के नेतृत्व में देर रात शामली में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए चेकिंग अभियान भी चलाया गया। एसपी ने पुलिसकर्मियों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम करीब सात बजे दिल्ली के लालकिला के निकट कार में हुए भीषण विस्फोट से 12 लोगों की मौत हो गयी जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं जिनमें कई की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। दिल्ली में विस्फोट के बाद उत्तर प्रदेश शासन भी अलर्ट मोड पर आ गया। पूरे यूपी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। शामली जनपद में भी अलर्ट जारी होने के बाद एसपी एनपी सिंह ने शामली की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। एसपी ने अंतर्राज्यीय बार्डर, मुख्य मार्गों, चेक पोस्टों व संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को हर आने जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग करने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। एसपी एनपी सिंह ने बताया कि जनपद की सीमाओं को सील कर सघन चेकिंग अभियान शुरू किया गया है।

दिल्ली धमाके के बाद चलाया सघन चेकिंग अभियान

सहारनपुर। दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद पूरे प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियाँ अलर्ट हो गई हैं वहीं सहारनपुर पुलिस भी सतर्क मोड में आ गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना व चौकी क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। एसएसपी आशीष तिवारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से जनपद के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित सभी भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर लगातार चेकिंग व गश्त की जा रही है। जनपदीय बॉर्डरों पर स्थापित बैरियरों पर भी सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

शरारती तत्वों ने स्कूल में पत्थर फेंककर तोड़ी एलईडी टीवी

कैराना। दभेड़ी खुर्द स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार सुबह शरारती तत्वों ने पत्थर फेंककर विद्यालय की एलईडी टीवी तोड़ दी। घटना में टीवी का पैनल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे स्कूल में बच्चों के लिए की गई शिक्षण व्यवस्था (टीएलएम सिस्टम) बाधित हो गई है। विद्यालय के अध्यापक ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। प्राथमिक विद्यालय दभेड़ी खुर्द के प्रभारी अध्यापक दीपांशु तोमर ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8:40 बजे जब विद्यालय खोला गया तो पाया गया कि स्कूल की खिड़की के पास रखी एलईडी टीवी को पत्थर मारकर तोड़ा गया है। किसी अज्ञात शरारती तत्व ने यह हरकत की है, जिससे विद्यालय की शिक्षण सामग्री को भारी नुकसान पहुंचा है।अध्यापक ने बताया कि एलईडी टीवी खराब हो जाने से बच्चों को पढ़ाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने पुलिस से घटना की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

दिल्ली बम धमाके के बाद मुजफ्फरनगर में त्रिस्तरीय सुरक्षा योजना लागू

■ बार्डर से लेकर शहर और देहात तक नियमित होगी चेकिंग
■ संदिग्धों की निगरानी और सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश जारी

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

दिल्ली में हाल ही में हुए बम धमाके के बाद जिले में सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है और त्रिस्तरीय सुरक्षा योजना लागू कर दी गई है। एसएसपी संजय वर्मा ने खुफिया तंत्र को सक्रिय करते हुए निर्देश दिए हैं कि पूर्व में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पाए गए लोगों का सत्यापन किया जाए और उनकी नियमित निगरानी की जाए।

इस योजना के तहत शहर और देहात के सभी संवेदनशील इलाकों, बार्डर और सार्वजनिक स्थानों पर चैकिंग शुरू कर दी गई है। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में जीआरपी की मदद से सुरक्षा बढ़ाई गई है, वहीं रोडवेज बस स्टैंड और अन्य व्यस्त स्थानों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। सभी पार्किंग स्थलों और संदिग्ध वाहनों की भी नियमित निगरानी की जा रही है।

एसएसपी संजय वर्मा ने कहा कि पुलिस कर्मचारियों को चैकिंग के दौरान सभी नागरिकों, विशेषकर बुजुर्ग और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षा प्रक्रिया में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। एसएसपी ने यह भी बताया कि खुफिया विभाग की इकाइयों के साथ समन्वय बैठकें की जा रही हैं, ताकि सूचना तंत्र को और मजबूत किया जा सके। इसके तहत संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सूची तैयार की जा रही है और उनके बारे में नियमित जानकारी जुटाई जा रही है।

एक नजर

महिला मंडल ने शुक्रताल में की लोगों की सेवा

देवबंद। समाजसेवी संगठन मानव कल्याण मंच महिला मंडल ने नर सेवा नारायण के तहत शुक्रताल धाम स्थित अपना घर आश्रम में शारीरिक व मानसिक रूप से असहाय लोगों को भोजन खिलाया। मंच के संस्थापक अरुण अग्रवाल ने कहा कि अक्षम व्यक्तियों की सेवा करने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा प्रतिभा जैन ने कहा कि जरूरतमंद व निर्धन व्यक्ति कि सहायता करने से समाज व देश मजबूत बनता है। महासचिव ममता वर्मा ने कहा कि मंच का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े असहाय व जरूरतमंद तक मदद पहुंचाना है। अपना घर आश्रम के संचालक अजय मित्तल ने बताया कि आश्रम में करीब 450 लोग रह रहे हैं। ये असहाय जीवन जीने वाले वंचित, शक्तिहीन, अक्षम व लाचार लोग हैं जिन्हें आश्रम में प्रभु जी कहा जाता है। बताया कि ऐसे लोगों को अपना घर सक्षम बनाने की मुहिम में लगा हुआ है।

नाबालिग का अपरहण करने वाला गिरफ्तार

बेहट। कोतवाली में दर्ज अपहरण मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त तथा नाबालिक अपहृता को मिशन शक्ति फेस 5.0 के तहत सकुशल बरामद कर लिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रडौल की एक व्यक्ति ने कोतवाली में तहरीयर देकर बताया कि एक व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर अपहरण कर लिया है। मिशन शक्ति की टीम अपहरणकर्ता कि तलाश कर रही थी। इसी के सम्बंध में मुखबिर के द्वारा सूचना मिली कि अपहरण करता ग्राम रैंडल के अंदर मौजूद है। पुलिस ने तत्काल इस सूचना पर कार्रवाई की और ग्राम रैंडल से सचिन पुत्र वीरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहरण,पॉस्को अन्य धाराओं में अभियुक्त के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। वांछित से अपहरण की गई नाबालिग लड़की को भी सकुशल बरामद कर लिया। बिटकॉइन जैसी स्कीम का झांसा देकर 24 लाख से अधिक की ठगी,कैराना के कई लोग बने शिकार

पानीपत के गिरोह पर ठगी और धमकी के आरोप, पीड़ित ने की मुकदमा दर्ज कराने की मांग

कैराना। निवेश पर मोटा मुनाफा देने का लालच देकर एक गिरोह ने कैराना क्षेत्र के कई लोगों से करीब 24 लाख 54 हजार रुपये की ठगी कर ली। जब पीड़ितों ने पैसे वापस मांगे तो आरोपी धमकाने लगे। पुलिस से कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। ग्राम भूरा निवासी साबिर पुत्र मेहन्दा ने न्यायालय सीजेएम शामली एट कैराना में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि प्रवीण कुमार कटारिया पुत्र जगदीशचंद कटारिया निवासी महावीर कालोनी, पानीपत और डा. समीर उर्फ समेदीन पुत्र इसरार निवासी गवालड़ा थाना इसराना, पानीपत (हाल निवासी जगदीश नगर, कुटानी रोड पानीपत) दो अज्ञात व्यक्तियों के साथ उसके घर आए थे। उन्होंने खुद को निट्रो फोरेक्स लिमिटेड कंपनी का मालिक और मैनेजर बताते हुए कहा कि यह कंपनी बिटकॉइन की तरह काम करती है, जिसमें निवेश करने पर हर माह 5 प्रतिशत डिविडेंड और 24 माह बाद निवेश की गई राशि का पांच गुना रिटर्न मिलेगा। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसे झूठे दस्तावेज और लुभावनी स्कीम दिखाकर झांसे में लिया और उसके घर से 3,25,000 रुपये नकद ले लिए।

प्रथम शिक्षा मंत्री की मनाई गई जयंती

नागल। गांव कोटा स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षा शास्त्र विभाग अध्यक्षा डॉ कल्पना राव ने बताया कि आजाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर यह दिवस हर वर्ष शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण एवं योगदान को श्रद्धांजलि देने हेतु मनाया जाता है। भारत रत्न मौलाना आजाद ने स्त्री शिक्षा,बुनियादी शिक्षा, व्यवसायिक एवं तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया था उनका मानना था कि शिक्षा हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है तथा शिक्षित व्यक्ति ही देश की प्रगति में अपना सहयोग दे सकता है ।इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु शिक्षण संस्थानों में इस दिवस को हर्ष उल्लास पूर्वक मनाया जाता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर पूनम यादव ने छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने समाज एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रोफेसर यामिनी पांडे,डॉक्टर वर्तिका ढिल्लन, डॉ संतोष चौधरी, रजत कुमार, प्रीति, इस्तखार अली, आशा, सलोनी, प्रियांशी आंचल, पूनम, काजल , साक्षी एवं बहुत सारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

सीडीओ की अध्यक्षता में संपन्न हुई रोजगार मिशन आयोग की बैठक

■ आईटीआई एवं स्किल वर्करों को अधिक से अधिक संख्या में पोर्टल पर पंजीकृत करने का अधिकारियों को दिया निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर

मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन आयोग की जिला कार्यकारी समिति की बैठक आहूत की गयी। उत्तर प्रदेश में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों एवं श्रमिकों को देश विदेश में रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा गैर सरकारी क्षेत्र में अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराये जाने के अवसर सृजित करने एवं इसमें सतत अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन किया गया है। सीडीओ ने बताया कि मिशन में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला कार्यकारी समिति का गठन किया गया है। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि आई.टी.आई. एवं स्किल वर्करो एवं अन्तिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकृत किया जाये। उन्होने कहा कि जनपद में स्थित निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानो का भी पंजीकरण पोर्टल पर नियोजक के रूप में किया जाना आवश्यक है। ताकि नियोजक की मांग के अनुरूप एकीकृत पोर्टल पर बेरोजगार अभ्यर्थी उपलब्ध हो सके। बैठक में पीडीडीआरडीए प्रणय कृष्ण, डी.सी इन्द्रपाल सिंह, उप श्रमायुक्त श्रीमती वंदना गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक अरविन्द पाठक, डिप्टी सीएमओ डा.एस.पी गंगवार, जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता, प्रभारी सहायक निदेशक सेवायोजन अनिल कुमार गौतम, आईआईए से कौशल शर्मा, शिवम गोयल, गौरव चौपडा आदि उपस्थित रहे।

खबर का बीडीओ ने लिया संज्ञान, मौके पर पहुंचकर की पड़ताल

नागल। कस्बे की कैलाश विहार कॉलोनी की समस्या को लेकर अखबार में छपी खबर का संज्ञान लेते हुए बीडीओ असलम परवेज ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर कॉलोनी वासियों की समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। इसी दौरान भाकियू रक्षक की जिला उपाध्यक्ष सीमा देवी ने मोहल्लेवासी महिलाओं के साथ समस्या संबंधी अन्य ज्ञापन सौंपते हुए समाधान करने की मांग की।

नितिन का अंतिम संस्कार

नागल। बहन के लीवर देने के बावजूद गांव भलस्वा ईसापुर निवासी नितिन राणा की मौत के बाद गमगीन माहौल में गांव के श्मशान घाट में उसके छोटे भाई अंकित राणा ने मुखाग्नि दी। बहन वैशाली ने अपने भाई बहन के रिश्ते का फर्ज पूरा करते हुए अपनी जान की बाजी लगाकर लीवर का अधिकांश भाग भाई नितिन को डोनेट कर दिया था।

बुढ़ाना छात्र आत्मदाह प्रकरण: आरोपी पीटीआई गिरफ्तार

■ अन्य आरोपियों की तलाश जारी
■ उज्जवल राणा की मौत के बाद उपजे आक्रोश को देख पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

बुढ़ाना के डीएवी कॉलेज छात्र उज्जवल राणा के आत्मदाह प्रकरण में पुलिस ने आरोपी पीटीआई संजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी देहात आदित्य बंसल के नेतृत्व में अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश जारी है।

उज्जवल राणा ने शनिवार को फीस के विवाद और प्रताड़ना से तंग आकर आत्मदाह का प्रयास किया था। 24 घंटे तक मौत से लड़ने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। सोमवार को लोगों ने उज्जवल के शव को रखकर कई घंटे तक प्रदर्शन किया था। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर प्रदर्शनकारियों ने धरना स्थगित किया था। पुलिस ने भागदौड़ के बाद मंगलवार को पीटीआई संजीव को गिरफ्तार कर तीसरे पहर कड़ी सुरक्षा में कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। एसएसपी संजय वर्मा ने कहा कि अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीएलओ ड्यूटी से बचने पहुंचे शिक्षक को फटकार

■ एसडीएम बोलीं, जिम्मेदारी नहीं निभा सकते तो नौकरी छोड़ दो

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

प्रदेश भर में चल रहे एसआईआर (सर्वे ऑफ इलेक्शन रजिस्टर) अभियान के तहत मंगलवार को खतौली तहसील में एक दिलचस्प लेकिन सख्त प्रशासनिक वाकया देखने को मिला। कुछ सरकारी शिक्षक बीएलओ ड्यूटी से बचने के उद्देश्य से सीधे एसडीएम निकिता शर्मा के दफ्तर जा पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, जनसुनवाई के दौरान एक-एक कर चार शिक्षक पहुंचे और सभी ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए ड्यूटी से मुक्त किए जाने की मांग की। पहले तीन की बातों को एसडीएम ने धैर्यपूर्वक सुना, लेकिन जब चौथे शिक्षक ने भी वही तर्क दोहराया तो एसडीएम निकिता शर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा अगर काम करने की इच्छा नहीं है तो इस्तीफा दे दीजिए। जब स्कूल में पढ़ाने की जिम्मेदारी निभा सकते हैं, तो चुनावी कार्य की ड्यूटी से क्यों भाग रहे हैं? एसडीएम के यह शब्द सुनते ही सभी शिक्षक बिना कुछ कहे कार्यालय से बाहर निकल गए। एसडीएम निकिता शर्मा के मुताबिक, चुनावी कार्यों से बचने की प्रवृत्ति को गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा। इस संबंध में पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं कि सभी बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों के लिए चुनावी ड्यूटी अनिवार्य है। सरकारी सेवा में रहते हुए जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना अस्वीकार्य है।

भागवत कथा में उमड़ी भारी भीड़

बेहट। कस्बे के मोहल्ला महाजनान स्थित प्राचीन शिव मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मोहल्ला महाजनान मे कथा का शुभारंभ विधि-विधान से हुआ। भागवताचार्य पंडित अजय किरण महाराज ने कथा मे प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में श्रीमद्भागवत के आदर्शों को अपनाना चाहिए। भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं,बल्कि यह जीवन जीने की कला को सिखाने वाला धर्मग्रंथ है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। कथा में मुख्य रूप से शामिल होने वशिष्ठ गुप्ता,आशु गर्ग,टीपू सिंघल,मोनू शर्मा,लिटिल सिंघल,अमित गर्ग,नीता गर्ग,विपुल गर्ग,अंशुल गर्ग सहित बड़ी संख्या लोग शामिल हुए।

भ्रूण लिंग परीक्षण करने वालों पर लगेगा एनएसए

■ मुजफ्फरनगर में भ्रूण लिंग परीक्षण पर सख्ती, जिलाधिकारी ने दिए कार्रवाई के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन में आयोजित पीसीपीएनडीटी जिला सलाहकार समिति की बैठक में जिले में भ्रूण लिंग परीक्षण और अल्ट्रासाउंड संचालन पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पंजीकृत चिकित्सक के अलावा किसी भी व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउंड संचालन या भ्रूण लिंग जांच पाए जाने पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया कि जिले में पंजीकृत संस्थानों का नियमित निरीक्षण बढ़ाया जाए और सुनिश्चित किया जाए कि केवल पंजीकृत चिकित्सक ही अल्ट्रासाउंड कार्य संचालित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी संस्थान पर भ्रूण लिंग परीक्षण की शिकायत मिलने पर संचालक और संबंधित चिकित्सक के खिलाफ तत्काल एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील तेवतिया ने बैठक में बताया कि पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 का जनपद में सख्ती से पालन किया जा रहा है। अब तक 7 संस्थानों की अल्ट्रासाउंड मशीनों को सील किया जा चुका है और 4 संस्थानों के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बैठक के संचालन के दौरान नोडल अधिकारी डा. विपिन कुमार ने बताया कि कुल 8 संस्थानों के नवीनीकरण और 5 नए पंजीकरण के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 2 संस्थानों का पुनः निरीक्षण किया जाएगा।

भविष्य में सभी निरीक्षण कार्यवाही तहसीलवार उप जिलाधिकारी के साथ मिलकर की जाएगी। बैठक में पीसीपीएनडीटी के तहत पंजीकृत चिकित्सकगण और संस्थान संचालक भी उपस्थित थे। अन्य उपस्थित सदस्यों में डा. आभा आत्रेय, डा. विनीत कौशिक, डा. अनुज राजवंशी, राजीव शर्मा, नर सिंह, बीना शर्मा, राजीव कुमार, पाकेश कुमार, रवि धीमान शामिल रहे।

अखण्डानन्द आश्रम के समीप आयोजित रन फॉर हेल्थ में दौड़े सैकड़ों युवा

बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

खतौली के श्री अखण्डानन्द आश्रम के समीप आयोजित रन फॉर हेल्थ कार्यक्रम में सैकड़ों युवाओं ने जोश के साथ भाग लिया। इस दौड़ का शुभारंभ गंग नहर पुल से हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ संदेश देना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा ही देश का भविष्य है। नशे की लत उसके शरीर और मन दोनों को कमजोर कर रही है। हमें एकजुट होकर समाज में नशा मुक्ति की मुहिम चलानी होगी। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही देशव्यापी नशा मुक्ति अभियान की शुरूआत की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी रचित मेहता ने की, जबकि संचालन प्रशांत पंडित (संयोजक व जिला सह-संयोजक) ने किया। मंच पर प्रांत संयोजक गौरव भटनागर, समभाग संगठन मंत्री अनूप, विभाग मंत्री अजय, विभाग संयोजक पीयूष राणा, विहिप जिलाध्यक्ष वीरेंद्र, प्रांत बलोपासना केंद्र प्रमुख हरीश, जिला संयोजक रवि चौधरी व नगर अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिल्ली ब्लास्ट पर नीरज का बयान

खतौली। खतौली में आयोजित इसी कार्यक्रम के दौरान बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने दिल्ली में हुए हालिया धमाके को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह घटनाएं देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं और इनकी जड़ तक पहुँचकर कठोर कार्रवाई जरूरी है। दौनेरिया ने अपने संबोधन में कहा कि इस घटना के पीछे संगठित साजिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

दिल्ली विस्फोट में झिंझाना के नौमान की भी मौत

■ कैराना का अमन गंभीर रूप से घायल
■ कॉस्मेटिक का सामान लेने गए थे दोनों भाई

पायनियर समाचार सेवा। शामली

देश की राजधानी दिल्ली में लालकिले के निकट सोमवार की शाम हुए भीषण कार विस्फोट में शामली जनपद के दो युवकों की दर्दनाक कहानी सामने आई है। हादसे में झिंझाना निवासी नौमान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कैराना के मोहल्ला बेगमपुरा निवासी अमन गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल अमन को दिल्ली के लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। झिंझाना निवासी नौमान झिंझाना में कॉस्मेटिक के सामान की दुकान करता था और उसका चेचेरा भाई अमन निवासी मौहल्ला बेगमपुर कैराना में कॉस्मेटिक की दुकान पर काम सीख रहा है। सोमवार को झिंझाना कस्बे की साप्ताहिक बंदी के कारण दोनों दिल्ली में कॉस्मेटिक का सामान खरीदने गए थे। बताया गया कि जब दोनों लालकिले के पास कार पार्क करने के बाद सड़क पार कर रहे थे, तभी अचानक वहां खड़ी एक कार में भीषण धमाका हो गया। धमाके की चपेट में आने से नौमान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अमन गंभीर रूप से झुलस गया।

बकायेदारों के लिए 'बिजली बिल राहत योजना' की घोषणा

- ओटीएस पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत और मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट
- मासिक किस्तों में भुगतान की भी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 'बिजली बिल राहत योजना 2025' लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत नेवरपेड और लॉन्ग अनपेड उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी।

यह बात प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने संगम सभागार में प्रेस वार्ता कर बताया। इस दौरान उनके साथ अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण, चेयरमैन आशीष गोयल एवं एमडी पंकज कुमार भी मौजूद रहे। विद्युत बिल राहत योजना 2025 के अंतर्गत बकाया धनराशि को एक मुश्त जमा करने पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत एवं मूलधन में 25 प्रतिशत तक छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। ऊर्जा मंत्री ने इस योजना को जनता के लिए 'सरकार का उपहार और जनसहभागिता से जुड़ी अभूतपूर्व पहल' बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी उपभोक्ता बिजली बिल के बोझ तले दबा न रहे और साथ ही राज्य की बिजली वितरण व्यवस्था आर्थिक रूप से सुदृढ़ बने। इस योजना से एक ओर जहां सरकारी खजाने में भारी राजस्व की वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत यदि कोई उपभोक्ता अपना बिजली बिल एकमुश्त जमा करता है, तो उसे सरचार्ज में 100 प्रतिशत के साथ-साथ बकाए के मूलधन में 25 प्रतिशत छूट मिलेगी। यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। प्रथम चरण (1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक) पंजीकरण कराने पर 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण (1 जनवरी से 31 जनवरी तक) में 20 प्रतिशत तथा तृतीय चरण (1 फरवरी से 28 फरवरी तक) पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

घरेलू और वाणिज्यिक दोनों वर्गों को लाभ

यह योजना घरेलू उपभोक्ताओं (2 किलोवाट तक) और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं (1 किलोवाट तक) दोनों के लिए लागू होगी। इतना ही नहीं, बिजली चोरी से संबंधित प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि पर भी छूट देने का प्रावधान किया गया है। इससे उन उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी जो अनजाने में तकनीकी अथवा मीटर संबंधी त्रुटियों के कारण विवादों में फंसे हुए थे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार ने गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी दी है। इससे वे उपभोक्ता, जो एकमुश्त भुगतान करने में असमर्थ हैं, वे भी योजना का लाभ उठाकर अपने बकाया बिलों का निस्तारण कर सकते हैं। यह कदम प्रदेश के लाखों छोटे उपभोक्ताओं को आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने वाला होगा।

ओवर बिलिंग व अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के लिए भी राहत

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि योजना के दौरान विभाग ओवर बिलिंग और अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का भी संशोधन करेगा, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय भार न पड़े और उन्हें सही व पारदर्शी बिलिंग का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि यह केवल एक छूट योजना नहीं, बल्कि उपभोक्ता के विश्वास और पारदर्शिता को पुनः स्थापित करने की मुहिम है। ऐसे उपभोक्ताओं को बिल की धनराशि जमा करने हेतु एक मासिक औसत धनराशि निधारित की गई है। बिलिंग सिस्टम द्वारा इन उपभोक्ताओं के विद्युत बिल, नारमेटिव धनराशि के आधार पर संसोधित किए जायेंगे।

प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धताः शाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में मंगलवार को विधानसभा स्थित नवीन भवन में उर्वरक समीक्षा बैठक की गई। बैठक में मंत्री ने बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान समय में 12.68 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.87 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4.11 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 2.74 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 0.85 लाख मीट्रिक टन एमओपी उर्वरक कृषकों के क्रय के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निरंतर भारत सरकार के संपर्क में रहकर उर्वरकों की आपूर्ति को सुचारू बनाए हुए है और किसानों को किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि 1 नवम्बर से 10 नवम्बर के बीच प्रदेश में 1.82 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.93 लाख मीट्रिक टन डीएपी एवं 1.19 लाख मीट्रिक टन एनपीके की बिक्री दर्ज की गई है। केवल सहकारी समितियों के माध्यम से 49,513 मीट्रिक टन यूरिया, 94,423 मीट्रिक टन डीएपी एवं 38,317 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक किसानों द्वारा क्रय किया गया है। रबी 2025-26 अभियान के अंतर्गत अब तक 99.88 लाख किसान पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाकर 4.17 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.63 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 3.26 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 1.26 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 0.65 लाख मीट्रिक टन एमओपी उर्वरक का क्रय कर चुके हैं। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 18,370 मीट्रिक टन यूरिया, 20,406 मीट्रिक टन डीएपी एवं 15,240 मीट्रिक टन एनपीके की खपत किसानों द्वारा की जा रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए हो नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमः आनंदीबेन

- राज्यपाल ने सिद्धार्थनगर के 200 तथा सन्तकबीरनगर के 300 आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए प्री-स्कूल एवं मेडिकल किट का किया वितरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए ताकि वे बच्चों को योग, व्यायाम एवं अन्य बुनियादी शिक्षा प्रभावी ढंग से सिखा सकें। राज्यपाल ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार हो और बच्चों को बैठकर भोजन करने की आदत डाली जाए। उन्होंने ने 9 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाने पर विशेष बल दिया, जिससे सर्वाइकल कैंसर से बचाव हो सके। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन 6 माह के अंतराल पर दो बार लगाई जाती है।

राज्यपाल मंगलवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु के गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में आंगनबाड़ी केन्द्रों को सशक्त बनाने के लिए सिद्धार्थनगर के 200 तथा सन्तकबीरनगर के 300 आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए प्री-स्कूल एवं मेडिकल किट का वितरण कर रही थी। राज्यपाल ने पोषण अभियान के अन्तर्गत 10 पोषण पोटली, 100 आयुष्मान कार्ड, स्वामित्व योजनान्तर्गत 300 घरौनी, प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री आवास योजना के 100 लाभार्थियों को चाबी, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजनान्तर्गत 120 ऋण स्वीकृति पत्र, 100 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्वीकृति पत्र, पीएम सूर्यघर के 100 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, जीरो पावर्टी योजनान्तर्गत 50 अन्त्योदय नवीन राशन कार्ड, सीएम युवा उद्यमी अभियान के अन्तर्गत 100 डमी चेक, सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी रहे बच्चों को पुरस्कार एवं अन्य कार्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाण पत्र तथा श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के 100 लाभार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों ने मनमोहक गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनकी राज्यपाल ने सराहना की। राज्यपाल ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि प्रस्तुतियां प्रेरणादायक हैं और यह उनके भीतर की प्रतिभा का परिचायक है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत को टीबी मुक्त बनाने का अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत उत्तर प्रदेश के 4 लाख से अधिक टीबी मरीज अब स्वस्थ हो चुके हैं। इसी के अंतर्गत पोषण पोटली का वितरण किया जा रहा है। राज्यपाल जी ने यह भी बताया कि थर्ड जेंडर समुदाय के लिए केंद्र सरकार द्वारा विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे उन्हें रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि जनपद के 3140 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 3.76 लाख बच्चे पंजीकृत हैं। सक्षम आंगनबाड़ी योजना के अंतर्गत केन्द्रों को आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया गया है। उन्होंने बताया कि आज विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं टी.बी. मरीजों को पोषण पोटलियां वितरित की जा रही हैं।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में सर्वाधिक पंजीकरण से यूपी देश में प्रथम स्थान पर

- युवाओं की क्षमता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा : खरे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिए कि जिला एवं मंडल स्तर पर स्किल ट्रायल्स की रूपरेखा, चयन प्रक्रिया, मूल्यांकन मानक, प्रतिभागियों को सतत मार्गदर्शन एवं प्रेरणा देने के उपाय जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता, निष्पक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता एवं गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि उत्तर प्रदेश के अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकें। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे के प्रभावी नेतृत्व, दूरदर्शी दृष्टिकोण एवं सतत मार्गदर्शन में इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के लिए सर्वाधिक पंजीकरण प्राप्त कर उत्तर प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। इस उल्लेखनीय सफलता के क्रम में कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में मिशन स्तरीय गठित समिति की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य युवाओं के पंजीकरण उपरांत उनके प्रशिक्षण, समीक्षा एवं मार्गदर्शन को सुनिश्चित करते हुए उन्हें प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कराने की रणनीति को और अधिक सुदृढ़ करना था। बैठक के दौरान मिशन निदेशक पुलकित खरे ने इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के सफल संचालन के लिए विस्तृत कार्ययोजना एवं प्रभावी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित प्रतिभागियों के साथ मजबूत समन्वय स्थापित किया जाए तथा युवाओं की क्षमता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों, विषय विशेषज्ञों एवं औद्योगिक संस्थानों के सहयोग का अधिकतम उपयोग किया जाए।

टाटा पावर ने लांच किया अत्याधुनिक ए होम ऑटोमेशन सॉल्यूशन्स

लखनऊ। भारत की लीडिंग इंटीग्रेटेड ऊर्जा कंपनियों में से एक, टाटा पावर ने लखनऊ में अपने अत्याधुनिक ऐ होम ऑटोमेशन सॉल्यूशन्स लॉन्च किए हैं। यह पहल तकनीक और स्थिरता के माध्यम से दैनिक जीवन को और अधिक सुविधाजनक और स्मार्ट बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। शहर में स्थापित ऐ होम एक्सपीरियंस सेंटर के उदघाटन के साथ, अब लखनऊ के निवासी स्मार्ट होम इनोवेशन का अनुभव कर सकते हैं जो सरलता, सुविधा और ऊर्जा दक्षता को एक साथ लाते हैं। यहां उपभोक्ता अगली पीढ़ी के होम ऑटोमेशन समाधान का प्रत्यक्ष अनुभव ले सकते हैं। स्मार्ट सॉकेट्स, टच-पैनल स्विचेज, रेट्रोफिटेबल कन्वर्टर्स, मोशन सेंसर आदि जैसी उन्नत तकनीकों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई।

विधानमंडलों के बीच संवाद लोकतंत्र की शक्ति का प्रतीक

- हरियाणा विधानसभा की लोक उपक्रम समिति का उत्तर प्रदेश अध्ययन दौरा विधानसभा अध्यक्ष से की शिष्टाचार भेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हरियाणा विधानसभा की लोक उपक्रम समिति के सदस्यों ने मंगलवार यूपी विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की।

महाना ने समिति का हार्दिक स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया और कहा कि विधानमंडलों के बीच अध्ययन व संवाद लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का प्रतीक हैं। इस प्रकार के दौरे न केवल आपसी अनुभवों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि सुशासन और पारदर्शिता के क्षेत्र में बेहतर नीतियों के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

महाना ने कहा कि यूपी विधानसभा ने भी सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा विधानसभा की समिति का यह अध्ययन दौरा दोनों राज्यों की समितियों के बीच सहयोग और संवाद को और सुदृढ़ करेगा। हरियाणा विधानसभा की लोक उपक्रम समिति के सभापति राम कुमार गौतम के नेतृत्व में आए इस दल में प्रमुख रूप से गीता भुक्कल और बलवान सिंह दौलतपुरिया सदस्य के रूप में मुख्य रूप से शामिल हैं। समिति ने मंगलवार उत्तर प्रदेश विधानसभा की समकक्ष समिति के साथ सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यप्रणाली एवं सुशासन से संबंधित विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति के सभापति मेजर सुनील दत्त द्विवेदी भी उपस्थित रहे। इसके उपरांत समिति ने उत्तर प्रदेश विधानसभा भवन का भ्रमण किया।

समिति का दल चार दिवसीय दौरे पर उत्तर प्रदेश आया हुआ है और अपने प्रवास के दौरान अयोध्या एवं वाराणसी का भी भ्रमण करेगा। उल्लेखनीय है कि विधानसभा की यह समिति राज्य के सभी सार्वजनिक उपक्रमों एवं निगमों की आय-व्यय, वित्तीय लेखा-विवरण, संतुलन पत्र तथा लाभ-हानि विवरण की जांच करती है। समिति यह सुनिश्चित करती है कि संबंधित उपक्रमों का प्रबंधन ठोस व्यावसायिक सिद्धांतों और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के अनुरूप हो।

राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार 1,46,204 किमी, यूपी में भी तीव्र विकास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क ने 2013-14 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 2025 तक 1,46,204 किलोमीटर का विशाल रूप ले लिया है। इस अप्रत्याशित विस्तार से देश के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिली है और आर्थिक गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खास तौर पर उत्तर प्रदेश में भी राजमार्ग विकास की गति तेज हुई है, जिससे पूरे प्रदेश के दूरदराज इलाकों तक संपर्क बेहतर हुआ है और विकास की नई राह खुली है। अकेले 2024-25 में लगभग 54,917 किलोमीटर राजमार्गों के निर्माण पर काम हुआ है, जो देश के अवसंरचना क्षेत्र की मजबूती को प्रमाणित करता है। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के मध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और ग्रामीण से लेकर शहरी इलाकों तक सामाजिक-आर्थिक प्रगति में वृद्धि हुई है। यूपी में भी राजमार्गों के विस्तार से कृषि, उद्योग और वाणिज्य के क्षेत्र में सुधार के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है।

सरकार के प्रधानमंत्री गतिशक्ति और भारतमाला परियोजना जैसे कार्यक्रमों ने यूपी समेत पूरे देश में यातायात सुगमता और रोड कनेक्टिविटी को नए आयाम दिए हैं। टोल संग्रह प्रणाली में भी डिजिटल क्रांति आई है, जिससे यात्रियों के लिए सुविधा और समय की बचत हुई है। अगस्त 2025 में लॉन्च किए गए फास्ट टैग वार्षिक पास ने 25 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं को आकर्षित किया है। इस पास के जरिए एक साल या 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के लिए एकमुश्त चार्ज देकर यात्रा की जा सकती है। यह सुविधा करीब 1,150 टोल प्लाजा पर उपलब्ध है, जो गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए है और इसे राजमार्ग यात्रा ऐप या ठलअक वेबसाइट से आसानी से सक्रिय किया जा सकता है। इससे टोल वसूली और यात्रा प्रक्रिया सहज और तेज हो गई है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा और यात्रा अनुभव दोनों में सुधार ला रही है। इस डिजिटलकरण में राजमार्ग यात्रा एप की भूमिका भी उल्लेखनीय है। यह ऐप यात्रियों को राष्ट्रीय राजमार्गों की पूरी जानकारी, टोल प्लाजा के विवरण, सड़क सुरक्षा अपडेट और रास्ते की लाइव ट्रैफिक स्थिति प्रदान करता है।

इस ऐप के माध्यम से ड्राइवरों को यात्रा के दौरान आवश्यक सूचनाएं समय से मिलती हैं, जिससे यात्रा अधिक सुरक्षित और सरल हो जाती है। राजमार्ग यात्रा एप टोल कलेक्शन के साथ डिजिटल भुगतान सुविधा भी उपलब्ध कराता है, जो डिजिटल इंडिया मिशन के तहत सड़कों पर डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देता है। यह ऐप आम जनता के लिए नेविगेशन और सड़क यात्रा को सुगम बनाने के उद्देश्य से जारी किया गया है और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रमोट किया जा रहा है। इस प्रकार, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास ने न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है, बल्कि डिजिटल नवाचारों के जरिए यातायात को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में यह बदलाव आर्थिक समृद्धि और सामाजिक विकास के लिए आधार तैयार कर रहा है, जिससे भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर और भी विश्वस्तरीय बन रहा है।

रालोद की नवगठित नगरीय निकाय की बैठक का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री जयंत चौधरी जी के निर्देश पर गठित रालोद नगरीय निकाय (अर्बन बॉडी) की पहली बैठक आज मंगलवार को लखनऊ के प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक में सर्वप्रथम दिल्ली के लालकिले के निकट हुए धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई एवं इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा की गई।तदोपरांत बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय सचिव श्री अनुपम मिश्रा ने नवगठित निकाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जानकारी देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि नगरीय निकाय के गठन का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में पार्टी के संगठन का विस्तार करना एवं नगर निकायों के चुनावों में पार्टी की भागीदारी सुनिश्चित करना है।

श्री मिश्र ने आगे बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा इस नवीन निकाय को सौंपा गया लक्ष्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण है।राष्ट्रीय सचिव ने आगे बताया कि सभ्यता के विकसित होने के साथ शहरीकरण की प्रक्रिया तेज हुई है। उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक जनसंख्या के साथ ही सर्वाधिक नगरीय स्थानीय निकायों वाला प्रदेश है वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 17 नगर निगम 200 नगर पालिका परिषद 545 नगर पंचायत 762 नगरीय स्थानीय निकाय हैं!

भाजपा एसआईआर के माध्यम से साजिश करने पर तुली हैः अखिलेश

- सपा के विधायक, विधानसभा एवं विधान परिषद सदस्यों के साथ हुई बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को सपा मुख्यालय में सपा के विधायकों, विधान सभा एवं विधान परिषद के सदस्यगणों की बैठक हुई। इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा एसआईआर के माध्यम से साजिश करने पर तुली है। उसकी मंशा पात्र मतदाताओं विशेषकर सपा के समर्थकों को मतदान से येन-केन-प्रकारेण वंचित करना है। इसलिए उन्होंने सभी से नए मतदाता बनाने के काम को गंभीरता से लेने और इसमें पूरी तरह से जुटने का आवाह्न किया।

श्री यादव ने कहा कि पूरी सावधानी से लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी सपा की है। जनता के बीच समाजवादी सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने के साथ अपनी भाषा और व्यवहार से लोगों के बीच जीत का माहौल भी बनाना है। 2027 का विधानसभा चुनाव से लोकतंत्र के साथ संविधान को भी बचाना हैं क्योंकि तभी आरक्षण बचेगा और पिछड़ो, दलितों, अल्पसंख्यको को उनका हक और सम्मान हासिल होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने यूपी को जंगलराज बना दिया है। कानून का राज नहीं रह गया है। महंगाई की मार से सभी परेशान है। जीएसटी से व्यापार चौपट हो गया है। महिलाएं बच्चियां रोज अपमानित हो रही है। शिक्षा-स्वास्थ्य चौपट है।

नई सोच और प्रगतिशील इरादों के साथ युवा भारत को आगे लाना हैः सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विजन इंडिया की पहली बैठक 16 नवंबर को ताज बंगलौर में होगी

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को विजन इंडिया का प्रारूप रखते हुए कहा कि देश में विभाजनकारी और पुरातनपंथी ताकतों से निबटने के लिए नई सोच और प्रगतिशील इरादों के साथ युवा भारत को आगे लाना है। उन्हांने कहा कि नई पीढ़ी के सोच में सहिष्णुता प्रेम और सम्मान है। वह दयालु और प्रगतिपंथी है। विजन इंडिया, स्टार्टअप समिट की पहली बैठक 16 नवंबर 2025 को ताज बंगलोर, बेगलुरू, कर्नाटक में होगी। इसके मुख्य समन्वयक राजीव राय सांसद होंगे और मुख्य संयोजक पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्र होंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि भारत एक ऐसा देश बन गया है जहां लोगों को हर कदम पर मुश्किलों और संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए, हमने एक रास्ता सोचा है विजन इंडिया, जो हमें एक सकारात्मक, यथार्थवादी, प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाएगा। विजन इंडियाः प्लान, डेवलप और एसेंट एक ऐसी मुहिम है जो इनोवेशन, कोलैबोरेशन और प्रोग्रेस का प्रतीक है। विजन इंडिया के तहत देशभर में आयोजित होने वाले सम्मेलनों और सेमिनारों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य भारत के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना को प्लान करना, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवसरों और संभावनाओं की पहचान करना। अखिलेश यादव ने कहा कि डेवलप, संवाद, साझेदारी और समाधान-आधारित तरीकों को बढ़ावा देना, जिससे हम डेवलप होकर जल्द ही विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो सकें। एसेंट, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का लाभ उठाते हुए एसेंट करना और अपने देश को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाना। हम सभी को अपने विजन इंडिया, प्लान, डेवलप और एसेंट मिशन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते जिसमें देश के अलग-अलग शहरों में भारत की विविध क्षेत्रों की प्रतिभाएं एक साथ आएंगी। इसकी शुरूआत बंगलूरू से हो रही है। हमारा उद्देश्य है सामाजिक-मानसिक सशक्तीकरण, संतुलित संवृद्धि और वास्तविक समावेशी विकास को बढ़ावा देना। हम सामाजिक न्याय के राज को स्थापित करने के लिए वचनबद्ध हैं, जिसमें समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बरकरार रखा जाएगा। न्याय, स्वतंत्रता, समानता, भाईचारे और गरिमा जैसे मूल्यों को सुरक्षित करना चाहते हैं, जिससे सभी को समान अवसर मिलें और वे आगे बढ़ सकें।

दिल्ली विस्फोट के बाद लखीमपुर में हाई एलर्ट

भारत-नेपाल सीमा पर हो रही कड़ी चौकसी, डॉग स्क्वायड टीम तैनात

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर,खीरी

दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद उत्तर प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गई हैं। लखीमपुर खीरी के इंडो-नेपाल बॉर्डर पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। गोरीफांटा सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, जहां सीमा पार से आने-जाने वाले हर व्यक्ति और वाहन की सघन तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा के लिए डॉग स्क्वायड टीम, बम डिटेक्शन यूनिट, पुलिस, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और खुफिया विभाग के अधिकारी लगातार गश्त कर रहे हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि

किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली विस्फोट के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने भी सभी जिलों की पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने के आदेश जारी किए हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड में रहकर निरीक्षण और पेट्रोलिंग करने को कहा गया है। साथ ही, भीड़भाड़ वाले बाजारों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के आदेश दिए गए हैं। वाहनों, मॉल, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए हैं। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस), बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड को तत्पर रहने को कहा गया है।

इसके अतिरिक्त, सीसीटीवी और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को हाई अलर्ट पर रखा गया है और उत्तर प्रदेश पुलिस पूरी सतर्कता के साथ सक्रिय है।

तौकीर रज़ा की हिरासत 25 नवंबर तक बढ़ी

बरेली। फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में निरुद्ध आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। अदालत ने 14 दिन की अतिरिक्त न्यायिक हिरासत मंजूर करते हुए अगली पेशी की तारीख 25 नवंबर तय की है।मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में मौलाना तौकीर रजा सहित 46 अन्य आरोपियों को पेश किया गया। अदालत ने सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए अगली सुनवाई के लिए 25 नवंबर की तारीख मुकर्रर कर दी। गौरतलब है कि 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बरेली में कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया गया था। बरेली पुलिस ने हालात नियंत्रित करते हुए भीड़ को खदेड़ा था।

शाहजहांपुर की जनता अब पोर्टल के माध्यम से सीधे एसपी से जुड़ेगी

❖ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी का बड़ा कदम

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

जिला शाहजहांपुर की पुलिस अब पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली और तकनीकी रूप से सशक्त होने जा रही है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने अपराध नियंत्रण की दिशा में एक अनोखी पहल की है, जिसके तहत अब जिले की हर छोटी से छोटी घटना पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। एसपी राजेश द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि कई

बार छोटी घटनाएं ही आगे चलकर बड़ी वारदातों का रूप ले लेती हैं। इन्हें समय रहते रोकने के लिए पुलिस का रियल-टाइम एक्शन और जनता से सीधा संवाद बेहद आवश्यक है। इसी सोच के साथ वो जनपद में पोर्टल की शुरूआत करने जा रहे हैं।

इस पोर्टल के माध्यम से जनपदवासी अब सीधे पुलिस अधीक्षक से जुड़ सकेंगे। कोई भी व्यक्ति अपने क्षेत्र के असामाजिक या शरारती तत्वों, संदिग्ध गतिविधियों या छोटी घटनाओं की जानकारी सीधे एसपी को दे सकेगा। जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की टीम तत्काल एक्शन में आएगी।

एसपी द्विवेदी का कहना है कि पुलिस तभी प्रभावी होती है जब जनता उसका सहयोग करे। यह पोर्टल जनता और पुलिस के बीच विश्वास का डिजिटल पुल बनेगा, जिससे अपराधियों पर नकेल कसना और भी आसान होगा।‍ यह पहल न केवल अपराध नियंत्रण में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि जनता के बीच सुरक्षा और भरोसे की भावना को भी और मजबूत करेगी।

ई रिक्शा से टकराई भाजपा विधायक की गाड़ी, जुर्माना मांगने पर हंगामा

❖ टक्कर होने पर ईरिक्शा चालक पर आगबबूला हुए विधायक और उनका चालक

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

भाजपा विधायक की कार के ई रिक्शा से टकराने से बेक शीशा टूटने पर विधायक के द्वारा जुर्माना मांगने पर हंगामा हो गया। मामला बिगड़ते देख चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला। मामला सोमवार रात खुटार के तिकुनिया चौराहा का है। यहां पर लखीमपुर खीरी जनपद के मैलानी कस्बे में रहने वाला छत्रपाल अपना ई रिक्शा लेकर खड़ा था। तभी तेज रफ्तार से आई भाजपा विधायक बाबूराम पासवान की स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर ई रिक्शा से टकरा गई। गाड़ी चला रहे चालक ने जब तक गाड़ी को कंट्रोल करने का प्रयास किया। तब तक गाड़ी ई रिक्शा से टकरा कर कुछ दूर तक चली गई। जिससे गाड़ी का इंडिकेटर टूट गया, जिस पर गाड़ी में सवार विधायक जी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया और वह और उनका चालक ई रिक्शा चालक पर टूट पड़े और उसके साथ अभद्र व्यवहार करने लगे।

विधायक और उनके चालक का रौद्र रूप देख आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को सहा नहीं गया, तो वह मौके पर पहुंच गए और उन्होंने विधायक से गरीब ई रिक्शा चालक को छोड़ने का अनुनय विनय किया। लेकिन विधायक जी गाड़ी में हुए नुकसान के बदले 4000 रुपए का जुर्माना मांगने लगे। इसी बीच आसपास के कुछ अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने विधायक जी के द्वारा ई रिक्शा चालक के साथ किया जा रहे अमानवीय व्यवहार की निंदा करते हुए उसे माफ करने को कहा। लेकिन विधायक अपनी जिद पर अड़े रहे। इसके बाद लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया और दुकानदारों ने चंदा एकत्र कर हरजाने के रूप में पैसा देने की हामी भर दी। इसी बीच विधायक का चालक गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला।

हर घर स्वदेशी के संकल्प के साथ संपन्न हुआ आत्मनिर्भर भारत प्रोफेशनल मीट

पायनियर संवाददाता। बरेली

लक्ष्य इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट फामेर्सी एवं नर्सिंग कॉलेज, पुवाया रोड शाहजहांपुर में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत प्रोफेशनल मीट सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बरेली कैंट विधायक एवं प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पहुंचे एमएलसी सुधीर गुप्ता, जिला अध्यक्ष के.सी. मिश्रा एवं विनायक अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ व दुशाला भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत व सम्मान किया।अपने संबोधन में मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल ने कहा कि हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी के मंत्र को आत्मसात कर देश को सशक्त एवं विकसित बनाने में प्रत्येक नागरिक को अपनी विशेष भूमिका निभानी चाहिए।

राकेश चौधरी बने वरिष्ठ अधिवक्ता

बसखारी, अंबेडकर नगर। जिले के विकास खण्ड बसखारी के मूल निवासी ग्राम अरुसा आजमपुर के रहने वाले राकेश कुमार चौधरी जो कि प्रदेश के एक प्रसिद्ध अधिवक्ता हैं चौधारी को उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया है। पूर्व में श्री चौधरी उत्तर प्रदेश सरकार के अपर महाधिवक्ता भी रहे एवं उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे जिले में इन तीनों पदों पर पूर्व में कोई भी अन्य अधिवक्ता नहीं पहुंच पाया था।

छात्राओं ने नाट्य मंचन से दिखाई बेटियों की शक्ति

पायनियर संवाददाता। अंबेडकरनगर

शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालयों में लैंगिक समानता विषय पर छात्राओं द्वारा नाट्य मंचन किया गया। इस दौरान छात्राओं ने समाज में महिलाओं की समान भागीदारी और सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम में जनपद के लगभग सभी विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रमुख रूप से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कुर्की बाजार, राजकीय बालिका हाई स्कूल बडेपुर, राजकीय बालिका हाई स्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा, राजकीय बालिका हाई स्कूल बसिया, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भीटी, जनता इंटर कॉलेज उतरेथू, रामलाल रामफेर इंटर कॉलेज सेवागंज, रामलाल परमात्मा प्रसाद इंटर कॉलेज पतौना तथा राजकीय हाई स्कूल पहितीपुर की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

छात्राओं ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और पढ़े बेटियां, बढ़े बेटियां जैसे नारों के माध्यम से बेटियों के महत्व, शिक्षा और करियर निर्माण पर जोर दिया। नाट्य मंचन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि अवसर मिलने पर बेटियां किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

विद्यालयों के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों ने छात्राओं को आत्मनिर्भरता और शिक्षा के महत्व पर बल दिया तथा समान अवसर और बेहतर पठन-पाठन की सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन सेवा, 102 गर्भवती महिला एंबुलेंस सेवा, 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा, 1930 साइबर हेल्पलाइन और 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा भावना और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

करियर काउंसलिंग सेमिनार का हुआ आयोजन

मिशन शक्ति के तहत बीएनकेबी पीजी कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता। अकबरपुर, अंबेडकरनगर

महिलाओं और छात्राओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-05 के तहत बीएनकेबी पीजी कॉलेज, अकबरपुर में एक करियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को विभिन्न करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा के अवसरों एवं रोजगार की दिशा में उचित मार्गदर्शन प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. शुचिता पांडेय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में करियर की सही योजना सफलता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने छात्राओं से अपनी रुचि, योग्यता और आत्मविश्वास के आधार पर करियर चुनने तथा समाज में सशक्त भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष विनय कुमार ने प्रशासनिक सेवाओं, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप्स और स्वरोजगार जैसे विभिन्न करियर विकल्पों पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अग्रणी हैं बस आवश्यकता है सही दिशा और अवसर की पहचान की। कार्यक्रम का संचालन मिशन शक्ति की संयोजक सुमित्रा पटेल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर हरिकेश यादव ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्रो. श्वेता रस्तोगी, डॉ. रवि कुमार, डॉ. शिप्रा सिंह सहित अन्य शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं। मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित यह करियर काउंसलिंग सेमिनार छात्राओं के आत्मविकास, करियर मार्गदर्शन एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ।

आतंकी ब्लास्ट के बाद हिंदू संगठनों ने फूंका पाकिस्तान का पुतला

पायनियर संवाददाता। शाहजहांपुर

दिल्ली हमले की निंदा करते हुए हिंदू युवा वाहिनी ने ज्ञापन सौंपकर दोषियों को फांसी देने की मांग की। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हुए भीषण आतंकी विस्फोट को लेकर पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है।

इस हमले में अनेक निर्दोष नागरिकों की मौत ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद घटना की कड़ी निंदा करते हुए हिंदू युवा वाहिनी ने शाहजहांपुर में मंगलवार को पाकिस्तान का पुतला फूंका और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए। हिंदू संगठनों ने एक ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से दोषियों के खिलाफ फांसी की मांग की है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि दिल्ली जैसा सुरक्षित इलाका भी आतंकियों के निशाने पर आना अत्यंत चिंता का विषय है। ज्ञापन में मांग की गई है कि इस पूरे प्रकरण की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी से कराई जाए और आतंकवादी वारदात में शामिल सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा दी जाए। हिंदू युवा वाहिनी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से कहा कि इस हमले को केवल एक अपराध के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र पर हमला मानते हुए दोषियों पर राष्ट्रद्रोह की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए।

अवैध शराब पीने से कई लोगों की हुई है मौत, पीड़ित ने कार्रवाई की लगाई गुहार

पायनियर संवाददाता। बरेली

थाना बहेड़ी क्षेत्र के ग्राम भुड़िया कॉलोनी निवासी सुशील राय पुत्र चन्द्रकांत राय ने अवैध शराब की बिक्री के विरोध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर अवैध शराब बेचने वाले पर कार्रवाई की मांग की है।

सुशील कुमार पुत्र चंद्रकांत राय का आरोप है कि अवैध शराब के सेवन से कई लोगों की मौत हो चुकी है। सुशील राय ने एसएसपी को शिकायती प्रार्थना-पत्र देकर आरोप लगाया गया है कि ढाबा संचालिका ब्यूटी मलिक, पत्नी स्वर्गीय राकेश, उत्तराखंड के नानकमत्ता से अवैध शराब मंगाकर पिलाने व बेचने का कारोबार करती है। इस काले धंधे में शोभिम माझी , मिंटू हलघर, उत्तमराय और पुन्नो राय भी सहयोगी बताए गए हैं।

कहा कि क्षेत्रीय पुलिस की मौन सहमति के चलते अवैध शराब बेखौफ बिक रही है। बताया गया कि इसी जहरीली शराब के सेवन से पहले अंग्रेज प्रधान, गौतम सरकार, सुशील राय के भतीजे विधुर राय तथा बीती रात रूपेश सिकदर की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अभी तक शराब माफियाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़ित ने बताया कि वह नेत्रहीन हैं और कई बार चौकी व थाने में शिकायत देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर पुलिस और कितनी मौतों का इंतजार कर रही है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों से मामले की गंभीरता को देखते हुए अवैध शराब कारोबार पर तत्काल कार्रवाई तथा दोषियों पर सख्त दंडात्मक कार्यवाही की मांग की है।

ट्रैफिक नियमों को लेकर किया जागरूक

बरेली। इस्लामिया इंटर कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय मानव सेवा कल्याण ट्रस्ट द्वारा छात्र-छात्राओं को जागरूक करने हेतु अभियान चलाया गया ,इसके तहत ट्रस्ट के टीम विद्यालय में जाकर वहां के छात्र एवं छात्राओं को जागरूक करने का काम किया गया ,जिसमें टीम के साथ मोटिवेशनल स्पीकर प्रवीण कुमार, डॉ आर के सक्सेना , ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अनुराग शर्मा , अधिवक्ता सोमेंद्र यादव,पत्रकार डॉक्टर शहाबुद्दीन सय्यद ,ट्रैफिक पुलिसकर्मी जै सत्यवीर सिंह आदि सम्मिलित रहे।जिसमें बच्चों को बेसिक कानून की जानकारी दी , नशे से होने वाले नुकसान समझाया , सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान, छात्र जीवन में क्या क्या करने से जीवन में समस्याएं होती हैं।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में खीरी 16वें स्थान पर

पूर्व की तुलना में छह पायदान की छलांग, मगर विकास में 37वें स्थान पर

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर,खीरी

सीएम डैशबोर्ड पर अक्टूबर महीने की रैंकिंग में खीरी जिला 16वें स्थान पर आया है। विकास में यह 37वें और राजस्व में 8वें स्थान पर है। पहले की तुलना में खीरी ने 6 पायदान की छलांग लगाई है। बरेली तीसरे, शाहजहांपुर पांचवें स्थान पर रहा। सीडीओ ने योजनाओं की प्रगति पर ध्यान देने की बात कही।

सीएम डैशबोर्ड पर जिलों के विकास, राजस्व व ला एंड आर्डर की अक्तूबर महीने की रैंकिंग सोमवार को जारी हो गई। खीरी जिला प्रदेश में 16वें स्थान पर आया है। विकास में जिला 37वें स्थान पर रहा है वहीं राजस्व में प्रदेश में 8वें स्थान पर आया है। इसी तरह से ला एंड आर्डर में जिला 46वें स्थान पर आया है। बेसिक शिक्षा विभाग का निपुण और एनआरएलएम का सीआईएसएफ के डी श्रेणी में आने से रैंकिंग पर असर पड़ा है। वहीं कई विभागों की योजनाएं सी ग्रेड में आई हैं। सीएम डैशबोर्ड की सितम्बर महीने की रैंकिंग में खीरी जिला प्रदेश में 22वें स्थान पर रहा था जबकि अक्तूबर महीने में छह पायदान की छलांग लगाते हुए 16वें स्थान पर आया है।

विकास में सितम्बर में जिला जहां 50वें स्थान पर था वहीं अक्तूबर महीने की रैंकिंग में इसमें भी सुधार करते हुए 37वें स्थान हासिल किया है। इसके अलावा रेवन्यू में 10वां स्थान सितम्बर में था जबकि अक्तूबर में 8वें स्थान पर आया है। जिलों में चल रही सरकारी योजनाओं की मानीटरिंग सीएम डैशबोर्ड से होती है। डैशबोर्ड पर सभी जिला अपने विभाग की योजनाओं की प्रगति अपडेट करते हैं।

इसी के आधार पर रैंकिंग जारी की जाती है। डेशबोर्ड की रैंकिंग में इस बार प्री-मैट्रिक पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति को भी शामिल कर लिया गया है। छात्रवृत्ति देने में जिला सी ग्रेड में रहा है। इसके अलावा फैमिली आईडी, जलनिगम की नमामिगंगे ग्रामीण जलापूर्ति, आईसीडीएस के पोषण अभियान को बी ग्रेड मिली है। सीडीओ अभिषेक कुमार का कहना है कि जिन योजनाओं की प्रगति कम रही है उन योजनाओं पर फोकस किया जाएगा जिससे नवम्बर महीने की रैंकिंग में सुधार हो सके।

बरेली तीसरे, शाहजहांपुर रहा पांचवें स्थान पर -सीएम डैशबोर्ड पर जारी हुई अक्तूबर महीने की रैंकिंग में बरेली मंडल के जिलों में बरेली जहां मंडल में पहले स्थान पर रहा है वहीं प्रदेश में बरेली को तीसरा स्थान मिला है। पहले स्थान पर श्रावस्ती, दूसरे स्थान पर ललितपुर रहा है। इसके अलावा शाहजहांपुर जिला प्रदेश में पांचवें स्थान पर आया है। बदायूं को प्रदेश में 8वां स्थान मिला है जबकि पीलीभीत जिला 18वें स्थान पर आया है।

बसपा की बूथ स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन

बैठक में मिशन 2027 को लेकर बनाई गई रणनीति

पायनियर संवाददाता, किछौछा अंबेडकरनगर

आलापुर विधानसभा क्षेत्र के गोवर्धनपुर सेक्टर स्थित बूथ संख्या 21 पर बहुजन समाज पार्टी की बूथ स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरज सिंह जाटव मुख्य प्रभारी अयोध्या/कानपुर मंडल तथा विशिष्ट अतिथि मा. रामनयन निर्दोष मुख्य प्रभारी रहे। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुनील कुमार सावंत ने की, जबकि संचालन आलापुर विधानसभा अध्यक्ष बलराम निषाद ने किया। बैठक में सेक्टर अध्यक्ष राजकुमार गौतम, सेक्टर सचिव हरिश्चंद्र गौतम, पुरुषोत्तम, बूथ उपाध्यक्ष नीरज मौर्य, संगठन सचिव विनय कुमार, भीम चंद्र और राम सुरेश मौर्य सहित कई कार्यकताओं ने संगठन को बूथ स्तर पर सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष छेदीराम मौर्य, पिछड़ा वर्ग एवं भाईचारा कमेटी विधानसभा संयोजक जयप्रकाश मौर्य, रामचंद्र वर्मा, गुड्डू चौबे, विजेंद्र मिश्रा, अंकित वर्मा, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में आगामी जिला पंचायत चुनाव और मिशन 2027 की रणनीति पर चर्चा हुई। कार्यकताओं ने बहन कुमारी मायावती के पूर्व कार्यकालों को याद करते हुए उन्हें पाँचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि सूरज सिंह जाटव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा ऐ मेरे बहुजन समाज के लोगों, अगर सामने के चुनाव में आपके बीच प्रत्याशी न भी आए, तो जहाँ आपका नीला झंडा और हाथी निशान पहुँच जाए, समझ लेना कि मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब आ गए हैं। अपने बहुमूल्य मत को बसपा के उम्मीदवार को ही देना है।‍ बैठक में सभी कार्यकताओं ने एक स्वर में संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प दोहराया।

मतदेय स्थलों की सूची प्रकाशित

अंबेडकरनगर। 11 नवंबर जिलाधिकारी ,जिला निर्वाचन अधिकारी अम्बेडकरनगर ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी,निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदेय स्थलों का सम्भाजन करके इस जनपद में समाविष्ट 277-कटेहरी, 278-टाण्डा, 279-आलापुर अ०जा०, 280-जलालपुर तथा 281-अकबरपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले मतदेय स्थलों की सूची तैयार कर ली गई है, जिसका आलेख्य प्रकाशन 10.11.2025 को कर दिया गया है। 10.11.2025 को प्रकाशित की गई मतदेय स्थलों की प्रस्तावित सूची निःशुल्क निरीक्षण हेतु संबंधित तहसील कार्यालय एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध रहेगी।

सिम्युलेटर पर बालिकाओं ने थामी स्टीयरिंग, सीखीं ड्राइविंग की बारीकियां

पायनियर संवाददाता। लखीमपुर

मिशन शक्ति के तहत ड्राइविंग माय ड्रीम कार्यक्रम के तहत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में जनपद की बालिकाओं ने ड्राइविंग सिम्युलेटर पर कार चलाना सीखा। सिम्युलेटर पर रफ्तार पकड़ते हुए बालिकाओं ने न सिर्फ स्टीयरिंग थामी बल्कि ट्रैफिक सिग्नल, क्लच, ब्रेक, गियर और सड़क सुरक्षा के अहम नियमों को भी बारीकी से समझा। बालिकाओं ने कहा कि यह उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था। पहली बार स्टीयरिंग थामकर लगा कि अब हम भी खुद अपनी मंजिल तक पहुंच सकती हैं।

ड्राइव माय ड्रीम कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बालिकाओं को सड़क सुरक्षा का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग केवल चलाने की कला नहीं, जीवन की जिम्मेदारी है। सफर चाहे छोटा हो या लंबा, शुरूआत हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट से करें। नियमों का पालन ही असली स्मार्टनेस है। डीएम ने बेटियों को प्रेरित किया सुरक्षित चलो, आगे बढ़ो, और दूसरों के लिए मिसाल बनो। कार्यक्रम में छात्राओं आस्था वर्मा और मंतशा बानो ने डीएम के समक्ष अपने विचार रखकर सबका दिल जीत लिया। कहा कि यह पहल हमारे जैसे बेटियों के लिए नई दिशा है। अब हम सिर्फ सपने नहीं देखेंगे, उन्हें खुद ड्राइव करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 24 से

जयपुर। पांचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) का आयोजन 24 नवम्बर से पांच दिसंबर तक राजस्थान में होगा।अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान में इन खेलों का आयोजन पहली बार हो रहा है। ये खेल राज्य के सात शहरों अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा एवं जोधपुर में होंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य सरकार इन खेलों के सफल आयोजन की तैयारियां सुनिश्चित कर रही है। सभी संभागों में इस संबंध में जिला प्रशासनों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर दिया गया है। साथ ही, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद में भी इस संबंध में समितियों का गठन कर खेलों के भव्य आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

आईपीएल नीलामी अबू धाबी में

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र की नीलामी दिसंबर के मध्य में अबू धाबी में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। दुबई (2023) और जेद्दा (2024) के बाद यह लगातार तीसरी बार होगा जब नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी। नीलामी का आयोजन 15 या 16 दिसंबर को होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा, अबू धाबी को नीलामी स्थल के रूप में चुना गया है। पिछले साल सऊदी अरब में हुई मेगा नीलामी के बाद यह एक छोटी नीलामी होगी।

ऐश्वर्या ने जीता रजत पदक

काहिरा। ओलंपियन ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर ने मंगलवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वॉलीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। ऐश्वर्या ने 466.9 अंक हासिल किए और चीन के युकुन लियू (467.1) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस स्पर्धा का कांस्य पदक फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे (454.8) ने जीता। फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय नीरज कुमार 432.6 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले 24 वर्षीय ऐश्वर्या ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वॉलीफाई करने हेतु विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। ऐश्वर्या ने क्वॉलीफिकेशन में 597 (40 एक्स) का स्कोर बनाकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की उनके हमवतन नीरज भी 592 अंकों के साथ फाइनल में पहुंच गए।

पाक क्रिकेटर नसीम शाह के पैतृक घर के बाहर गोलीबारी

लाहौर। खैबर पख्तूनख्वा के लोअर दीर जिले में पाकिस्तानी तेज गेंदबाज नसीम शाह के पैतृक घर के गेट पर अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की लेकिन इस गेंदबाज ने श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय के लिए टीम के साथ रहने का फैसला किया क्योंकि इस घटना में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। नसीम के करीबी एक सूत्र ने घटना की पुष्टि की है जिसकी जांच की जा रही है। श्रीलंका के खिलाफ मैच मंगलवार को रावलपिंडी में खेला जा रहा है। सूत्र ने कहा,नसीम और उनके परिवार के अधिकांश सदस्य अब इस्लामाबाद में रहते हैं लेकिन लोअर दीर में उनके कुछ करीबी रिश्तेदार हैं जो उनके पैतृक घर पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि नसीम ने अपने परिवार से बात करने के बाद आश्वासन दिया कि घटना की जांच की जा रही है और उन्हें अपने क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराया

नईदिल्ली। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में मंगलवार को यहां श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मॉडर्न स्कूल मैदान में इस विश्व कप का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत दिव्यांगजनों के लिए समर्थनम ट्रस्ट की दिल्ली शाखा के छात्रों द्वारा सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत राष्ट्रगान के साथ हुई। ठाकुर ने इस मौके पर कहा,मैं सभी टीमों को विश्व कप के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें हम आपको टेलीविजन पर देखेंगे।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट से पहले गिल ने ईडन गार्डन्स में किया अभ्यास

जायसवाल और सुदर्शन ने भी जमकर बहाया पसीना, पहला टेस्ट 14 से

मंगलवार को ईडन गार्डन्स में अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर से बात करते जसप्रीत बुमराह।

एजेंसी। कोलकाता

भारतीय कप्तान शुभमन गिल इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि सीमित ओवरों के प्रारूपों से लाल गेंद वाले क्रिकेट में बदलाव में समय लगता है और इसलिए उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व अपनी तकनीक को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार को यहां नेट्स पर करीब डेढ़ घंटा बिताया। दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है क्योंकि पिछले महीने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उसने पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ कराई थी।

गिल ने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अर्धशतक और नाबाद शतक लगाया था, लेकिन इसके बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में वह रन बनाने के लिए जूझते रहे। वह ऑस्ट्रेलिया में वनडे और टी-20 मैचों की आठ पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए और उनका उच्चतम स्कोर 46 रन रहा। लेकिन टेस्ट टीम की कमान संभालने के बाद वह प्रतिबद्ध दिखे और उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए अभ्यास सत्र में कड़ी मेहनत की।

नेट अभ्यास से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच सीतांशु कोटक को उनके साथ लंबी बातचीत करते हुए देखा गया, जिसमें संभवतः उनके खेलने के तरीके पर चर्चा की गई। गिल बाद में स्लिप में फील्डिंग के अभ्यास के लिए अपने साथियों के साथ शामिल हुए और फिर यशस्वी जायसवाल के साथ नेट पर अभ्यास करने के लिए चले गए। स्पिन से शुरुआत करते हुए उन्होंने रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर का सामना किया। तेज गेंदबाजी की नेट पर गिल ने पहले जसप्रीत बुमराह का कुछ ओवरों तक सामना किया। इसके बाद उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी और कुछ स्थानीय क्लब गेंदबाजों का सामना भी किया। इसके बाद सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने उनके लिए ऊंचाई से थ्रोडाउन करने के लिए साइडआर्म का इस्तेमाल किया,जिससे गिल को अतिरिक्त उछाल और तेज रफ्तार वाली गेंदों पर अभ्यास करने का मौका मिला। गिल नेट पर एक घंटे से अधिक समय बिताने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल की निगरानी में 30 मिनट तक थ्रोडाउन पर अभ्यास करने के लिए पिच पर चले गए। गेंदबाजी कोच ने यहां पर उनके लिए करीब से खुद गेंदबाजी की।

रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के लिए 67 और 156 रन की पारी खेलने वाले जायसवाल ने भी लंबे समय तक विकेट पर मोर्केल और थ्रोडाउन का सामना किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज़ सहज लय में दिख रहा था तथा आत्मविश्वास के साथ ड्राइव और पुल कर रहा था। नेट पर महत्वपूर्ण समय बिताने वाले एक अन्य बल्लेबाज तमिलनाडु के युवा साई सुदर्शन थे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की ओर से दो अनधिकृत टेस्ट मैचों में केवल 84 रन बनाए थे।टीम प्रबंधन उन्हें तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में तैयार कर रहा है लेकिन वह अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं।

पहले टेस्ट से पूर्व नेट पर अभ्यास करते भारतीय कप्तान शुभमन गिल

मंगलवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले स्टेडियम का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी।

दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम मंगलवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट मैच से पहले एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान फुटबॉल खेलते हुए।

यह टेस्ट श्रृंखला डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए अहम है: सिराज

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पूरा विश्वास है कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ के शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में दमदार प्रदर्शन करेंगे। भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में अभी तीसरे स्थान पर है। उसने इस चक्र के शुरू में घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को दो टेस्ट मैच में हराने से पहले इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-2 से श्रृंखला बराबर की थी। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका ने अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब का बचाव करने के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 1-1 से ड्रॉ के साथ की। सिराज ने जियोस्टार पर कहा,यह श्रृंखला नए डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका गत चैंपियन है। भले ही उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली, लेकिन हम अपनी अच्छी फॉर्म से आश्वस्त हैं। हमने सकारात्मक माहौल तैयार किया है। हमने इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल की। सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और वह 23 विकेट लेकर श्रृंखला में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे। उन्होंने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और दो मैचों में 10 विकेट लिए। उन्होंने कहा,मैं अच्छी लय के साथ गेंदबाजी कर रहा हूं और इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा हूं। मज़बूत टीमों का सामना करने से उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलती है जिनमें सुधार की जरूरत है और मैं इस चुनौती के लिए वास्तव में काफी उत्साहित हूं।

सीएम योगी आज करेंगे जूनियर हॉकी विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरई की मेजबानी में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप की ट्रॉफी का बुधवार को यहा अपने आवास पर अनावरण करेंगे। जूनियर हॉकी विश्वकप की यह ट्रॉफी अपने प्रमोशनल टूर के तहत देश के अलग-अलग शहरों में घूमते हुए बुधवार को यहां पहुंच रही है और लखनऊ में रुकने के बाद यह उदयपुर जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास में आयोजित एक खास समारोह में इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी का अनावरण करेंगे। ट्रॉफी देशभर के विभिन्न शहरों से होते हुए 12 नवंबर को लखनऊ पहुंचेगी। यहां से ट्रॉफी का अगला पड़ाव उदयपुर होगा। इस मौके पर खेलमंत्री गिरीश चंद्र यादव, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, डायरेक्टर जनरल हॉकी इंडिया आरके श्रीवास्तव, खेल सचिव सुहास एलवाई, खेल निदेशक डॉ. आरपी सिंह और उत्तर प्रदेश हॉकी के महासचिव रजनीश मिश्रा भी मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री आवास पर ट्रॉफी अनावरण कार्यक्रम के बाद ट्रॉफी को केडी सिंह बाबू स्टेडियम लाया जाएगा। स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ी और प्रशंसक इस ट्रॉफी को देख सकेंगे और इसके साथ सेल्फी ले सकेंगे। बताते चलें कि चेन्नई और मदुरई में 15 दिनों तक चलने वाले जूनियर हॉकी के महाकुंभ में विजेता टीम को यह चमचमाती हुई ट्रॉफी दी जाएगी। वर्ष 2016 में जूनियर हॉकी विश्वकप लखनऊ में आयोजित किया गया। कुर्सी रोड स्थित गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर इस आयोजन के मुकाबले खेले गए थे। यहां फाइनल में भारत हॉकी टीम के रणबांकुरों धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम को परास्त कर विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया था। यूपी हॉकी के अध्यक्ष डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि लखनऊ में जूनियर विश्वकप ट्रॉफी के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मुख्यमंत्री आवास के बाद ट्रॉफी केडी सिंह बाबू स्टेडियम आएगी, जहां शहर के खिलाड़ी इसका दीदार करेंगे।

राज्य स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट 17 नवंबर से

लखनऊ। केडी सिंह बाबू मेमोरियल सोसायटी के तत्वावधान में 17वां पद्मश्री पं. जमान लाल शर्मा स्मृति जूनियर (अंडर-14) राज्य स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन 17 नवम्बर से 21 नवम्बर तक चन्द्रभान गुप्त खेल मैदान (नेशनल कॉलेज ग्राउंड), लखनऊ में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में राज्य की कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। करमपुर, लखीमपुर, प्रयागराज, बी.एच.यू. वाराणसी, मेरठ, सीतापुर, रामपुर, गाजीपुर, लखनऊ, कौशाम्बी, बाराबंकी, झांसी, कानपुर, आजमगढ़, भदोही और विवेक एकेडमी वाराणसी। टूर्नामेंट नॉकआउट प्रणाली पर खेला जाएगा।लखनऊ टीम के चयन हेतु ट्रायल्स 12 नवम्बर 2025 को दोपहर 2:00 बजे से चन्द्रभान गुप्त खेल मैदान (नेशनल कॉलेज ग्राउंड) पर आयोजित किए जाएंगे।इच्छुक खिलाड़ी जिनकी आयु 14 वर्ष से कम है, वे ट्रायल में भाग लेने के लिए श्री कुलदीप मोरिया, हॉकी कोच, के. डी. सिंह बाबू सोसायटी से संपर्क कर सकते हैं।

जल्द शुरू हो आईएसएल का नया सत्र

फुटबॉल खिलाड़ियों का आईएसएल शुरू करने का आग्रह, कहा हताशा और गुस्सा व्याकुलता में बदल गए हैं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान जारी कर प्रशासकों से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का नया सत्र जल्दी से जल्दी शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि उनका गुस्सा और हताशा अब व्याकुलता में बदल गई है।

यह अपील ऐसे समय में की गई है जब अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि 16 अक्टूबर को आईएसएल के वाणिज्यिक अधिकारों के लिए अनुरोध (आरएफपी) के बाद उसे कोई बोली नहीं मिली है। इस आरएफपी में लीग के वाणिज्यिक और मीडिया अधिकारों के लिए 15 साल के अनुबंध के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं। स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, अभी हम जहां हैं, वहां से देरी करना अच्छा नहीं होगा। कोच, प्रशंसक, स्टाफ के सदस्य और खिलाड़ियों के लिए सब कुछ ठहर गया है। हमने बहुत मेहनत की है। हमने बहुत त्याग किया है और हम अपने सत्र को यूं ही खत्म नहीं होना देना चाहते हैं। उन्होंने कहा,पूरा भारतीय फुटबॉल तंत्र अनिश्चितता में डूबा हुआ है। सपने थम गए हैं। भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। हर दिन हम इंतजार करते हैं। हम व्याकुल हैं। हमें तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है। गोलकीपर गुरप्रीत वालिया जैसे राष्ट्रीय टीम के कई फुटबॉलरों ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए एक संदेश साझा किया। खिलाड़ियों ने बयान में कहा,हम इंडियन सुपर लीग में खेलने वाले पेशेवर फुटबॉलर मिलकर यह अपील करते हैं कि हम इंडियन सुपर लीग का सत्र शुरू करने के लिए एकजुट हैं। सीधे शब्दों में कहें तो हम खेलना चाहते हैं । बयान में कहा गया है, हमारे गुस्से, हताशा और परेशानी की जगह अब व्याकुलता ने ले ली है। हम उस खेल को खेलने के लिए बेताब हैं जिसे हम प्यार करते हैं। हम अपने परिवार और प्रशंसकों के लिए खेलने को लेकर बेताब हैं जो हमारे लिए सब कुछ में खेल प्रशासकों से आग्रह किया गया कि वे मौजूदा संकट से निपटने का रास्ता निकालें। इसके कारण मोहन बागान जैसे शीर्ष क्लबों को अपना अभ्यास सत्र रोकना पड़ा है। इसमें कहा गया,यह देश में हमारे खेल को संचालित करने वाले सभी लोगों से एक अपील है कि वे फुटबॉल सत्र को शुरू करने के लिए जो भी संभव हो वह करें। भारत को प्रतिस्पर्धी फुटबॉल की आज पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरत है। खिलाड़ियों ने बयान में कहा,जहां तक हमारा सवाल है तो हम प्रतिबद्ध हैं, पेशेवर हैं और जैसे ही हमें बताया जाएगा हम तुरंत खेलने के लिए तैयार हैं।

रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, 65 साल में पहली बार दिल्ली को दी मात

एजेंसी। नईदिल्ली

दिल्ली क्रिकेट को नयी शर्मिंदगी से दोचार होना पड़ा जब सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल के शानदार शतक की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने मंगलवार को यहां उसे सात विकेट से शिकस्त देकर उसके खिलाफ रणजी ट्रॉफी में 65 साल में पहली जीत दर्ज की। दिल्ली क्रिकेट की गिरती साख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टीम तीन घरेलू मैचों में सिर्फ चार अंक हासिल कर सकी। टीम कुल सात अंकों के साथ ग्रुप डी में आठ टीमों के बीच छठे स्थान पर है और उसे नॉकआउट के लिए क्वालीफाई के लिए चमत्कार की जरूरत होगी। सात बार की रणजी चैंपियन दिल्ली की टीम के इस तरह के पतन के कई कारण है जिसमें संदिग्ध चयन, खराब रणनीतियां, चतुर कप्तानी के अभाव के अलावा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में गुटबाजी और अंदरूनी कलह प्रमुख है। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर की टीमों ने 1960 से अब तक 43 बार एक दूसरे का आमना सामना किया है और इनमें से 37 मैचों में दिल्ली ने जीत दर्ज की है जबकि जम्मू कश्मीर की यह पहली जीत है।

> **1960** से अब तक 43 बार दिल्ली और जम्मू-कश्मीर का आमना-सामना हुआ है और इनमें से 37 मैचों में दिल्ली ने जीत दर्ज की है जबकि जम्मू कश्मीर की यह पहली जीत है।

जीत के लिए 179 रन का पीछा कर रही जम्मू कश्मीर को मैच के आखिरी दिन 124 रन की जरूरत थी। सलामी बल्लेबाज इकबाल ने 147 गेंद में नाबाद 133 रन बनाकर जम्मू कश्मीर को आसान जीत दिला दी। जम्मू कश्मीर ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में 55 रन पर दो विकेट से आगे से की। इकबाल ने रात्रि प्रहरी वंशज शर्मा (60 गेंद में आठ रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत से दूर कर दिया। बीते दिन जिस पिच पर बल्लेबाजों को परेशानी का सामना करना पड़ा था वहां इकबाल ने जिम्मेदारी उठाते हुए मनन भारद्वाज और ऋतिक शौकिन जैसे दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी की। इन स्पिनरों को पिच से कोई खास मदद नहीं मिली। इकबाल ने शतकीय पारी के दौरान एक हाथ से स्लॉग स्वीप पर मन मुताबिक बाउंड्री लगाये। जम्मू कश्मीर के कप्तान 40 साल के दिग्गज पारस डोगरा ने भी इस मैच की पहली पारी में शतक लगाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। अपने 22वें प्रथम श्रेणी सत्र में वह रणजी ट्रॉफी में रनों के मामले में मुंबई के दिग्गज वसीम जाफर के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गये। डोगरा ने इस सत्र में मुंबई और दिल्ली दोनों के खिलाफ शतक बनाए। दिल्ली के पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के बावजूद एक गुट के दबाव में शरणदीप को मुख्य कोच बनाए रखा गया। कप्तान आयुष बदोनी ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया लेकिन डीपीएल में शीर्ष स्कोरर अर्पित राणा अच्छी तेज गेंदबाजी का डटकर सामना नहीं कर पाये। प्रियांश आर्य जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज को पहले दो मैचों में बेंच पर बैठाया गया और फिर चौथे नंबर पर खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस हार के बाद डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली के सख्त रुख अपनाने की उम्मीद है।

हैदराबाद ने राजस्थान के खिलाफ ड्रॉ खेला: वहीं एक अन्य ग्रुप मैच में हैदराबाद ने राजस्थान के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में पहली पारी की बढत के आधार पर तीन अंक हासिल कर लिये। हैदराबाद के पहली पारी के 364 रन के जवाब में राजस्थान ने 269 रन बनाये थे। हैदराबाद ने दूसरी पारी नौ विकेट पर 244 रन पर घोषित करके राजस्थान को 340 रन का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में उसने तीन विकेट पर 207 रन बना लिये थे। राजस्थान को मैच से एक ही अंक मिला। हिमाचल प्रदेश को एक पारी और 120 रन से हराकर मुंबई 17 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया। जम्मू कश्मीर 14 अंक लेकर दूसरे,नगालैंड को पारी व 265 रन से हराकर उत्तर प्रदेश तीसरे व पुडुच्चेरी को दस विकेट से हराकर छत्तीसगढ चौथे स्थान पर है।

विदर्भ ने ओडिशा को 100 रन से हराया

नागपुर। बाएं हाथ के स्पिनर पार्थ रेखाडे के पांच विकेट की बदौलत विदर्भ ने मंगलवार को यहां ओडिशा को 100 रन से हराकर रणजी ट्रॉफी के ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।जीत के लिए 345 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्वस्तिक सामल (65) और गौरव चौधरी (47) के बीच पहले विकेट की 100 रन की साझेदारी के बावजूद ओडिशा की टीम 84 ओवर में 244 रन पर सिमट गई। विदर्भ अब 19 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है जबकि ओडिशा केवल एक अंक के साथ नीचे से दूसरे स्थान पर है। चौथे और अंतिम दिन बिना किसी नुकसान के 44 रन से आगे खेलते हुए सामल और चौधरी ने 56 रन और जोड़े। रेखाडे (80 रन पर पांच विकेट) ने 24वें ओवर में चौधरी को पगबाधा करके टीम को पहली सफलता दिलाई।इसके तुरंत बाद सामल भी रेखाडे का शिकार हुए। संदीप पटनायक 105 गेंद में 27 रन की जुझारू पारी खेलने के बाद 38वें ओवर में प्रफुल्ल हिंगे का शिकार बने। कप्तान सुभ्रांशु सेनापति (28) और गोविंदा पोद्दार (46) ने पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन अच्छी शुरुआत को भुना नहीं पाए और ओडिशा नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा। हिंगे (41 रन पर तीन विकेट) ने रेखाडे का अच्छा साथ देते हुए तीन विकेट चटकाए। वडोदरा में सलामी बल्लेबाज शिखर मोहन के नाबाद 102 रन की बदौलत झारखंड ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 226 रन बनाए और फिर बड़ौदा के साथ ड्रॉ पर सहमति जताई। पहली पारी में बढ़त के आधार पर झारखंड को तीन अंक मिले और टीम 18 अंक के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। बड़ौदा को एक अंक मिला और टीम नौ अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। कप्तान डेनिश दास और सीनियर बल्लेबाज शिवशंकर रॉय के शतकों की मदद से असम ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच के चौथे और आखिरी दिन मंगलवार को त्रिपुरा से ड्रॉ खेला ।

डोसा-इडली बैटर फटाफट तैयार करने की पान वाली ट्रिक

ब्रेकफास्ट में डोसा या इडली खाना ज्यादातर लोगों को पसंद आता है। लेकिन इसे खाने का स्वाद तभी आता है जब डोसा या इडली का बैटर अच्छी तरह से फर्मेंट हो। नेचुरल तरीके से फर्मेंट ये बैटर गट हेल्थ के लिए भी अच्छा होता है। गर्मी में तो डोसा के बैटर में आसानी से चार से पांच घंटे में फर्मेंटेशन हो जाता है। लेकिन सर्दियों में बैटर जल्दी से फूलता नहीं है और डोसा बनाना हो या इडली मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ये कुछ नेचुरल तरीके से फर्मेंट करने के टिप्स आपके काम आ सकते हैं।

पान के पत्ते से करें फर्मेंट: डोसा या इडली को साउथ इंडिया में फर्मेंट करने के लिए पान के पत्ते का इस्तेमाल ट्रेडिशन तरीके से फर्मेंट करने के लिए किया जाता है। बस बैटर को पीसकर उसके ऊपर पान के एक पत्ते को रखें और उसके ऊपर एक घी का दीया जलाकर रख दें और ऊपर से ढंक दें। फिर कुछ देर बाद दीये को बुझा दें। दो से तीन घंटे में ही ये बैटर नेचुरल तरीके से फर्मेंट हो जाएगा और इसके स्वाद में खट्टापन नहीं होगा।

यीस्ट से करें फर्मेंट: फूड ब्लॉगर शिल्पी बताती हैं कि डोसे-इडली के बैटर को ठंडे मौसम में इंस्टेंट तरीके से फर्मेंट करने के लिए ड्राई यीस्ट का इस्तेमाल करें। यीस्ट को गुनगुने पानी में डालकर एक्टिवेट कर लें और फिर बड़े बर्तन में डालकर दाल पीसकर डाल दें और फिर चावल डाल दें। रातभर में ये डोसा बैटर आराम से फर्मेंट हो जाएगा और टेस्ट बढ़िया आएगा।

कुकर में करें फर्मेंट: सर्दियों में डोसा-इडली का बैटर अगर अच्छे से फर्मेंट नहीं होता है तो कुकर में एक से दो गिलास गर्म पानी डालकर उसके ऊपर डोसा के बैटर का बर्तन रखकर ढक्कन बंद कर दें। फिर 6-8 घंटे के लिए छोड़ दें। डोसा बैटर अच्छे से फर्मेंट हो जाएगा।

नमक डालकर रखें: सर्दियों में इडली बैटर फर्मेंट करने के लिए बैटर को अच्छी तरह से फेंटे और उसमे नमक डालकर तब रातभर के लिए कंबल में लपेट कर रखें। ऐसा करने से भी बैटर फर्मेंट होगा और उसका टेस्ट अच्छा आएगा।

ईनो मिलाए: डोसा-इडली का बैटर अगर इंस्टेंट तरीके से बनाना है तो उसमे ईनो मिला दें। ध्यान रहे कि कि इसकी मात्रा कम ही रखें जिससे कि टेस्ट ना खराब हो। ये फटाफट बैटर को स्पंजी बना देता है। लेकिन ध्यान रहे कि इससे बैटर फर्मेंट नहीं होता और इसमे गुड बैक्टीरिया नहीं पनपते।

साबूदाने से बनाएं ऐसी बिरयानी जिसे खाकर नॉन-वेज लवर्स भी कहेंगे वाह

अक्सर कई लोगों का लंच में कुछ नया और हेल्दी खाने का मन करता है, लेकिन समझ नहीं आता कि वेज डिश में कुछ अलग कैसे बनाया जाए। ऐसा अक्सर होता है कि लोग अपनी रेसिपी के बारे में बहुत सोचते हैं और फिर वही पुरानी खिचड़ी, दाल या चावल ही बना लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर में मौजूद नॉर्मल सी सामग्री से एक ऐसी डिश बनाई जा सकती है, जो न सिर्फ टेस्ट से भरपूर होती है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहतरीन होती है। ये डिश साबूदाना बिरयानी है। यह एक ऐसी डिश है जो हर किसी को पसंद आएगी, चाहे वह वेज लवर हो या नॉनवेज लर्व। आपने साबूदाना को आमतौर पर वड़ा, खिचड़ी या व्रत के दौरान ही देखा होगा, लेकिन क्या आपने कभी इसस बनी टेस्टी और हेल्दी बिरयानी नहीं खाई होगी। यह डिश न सिर्फ टेस्टी है, बल्कि इसे बनाना भी बेहद आसान है और सबसे खास बात, इसे सिर्फ 20 से 25 मिनट में तैयार किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं कि नॉन-वेज लवर्स की भी फेवरेट वेज स्पेशल साबूदाना बिरयानी घर में कैसे तैयार करें।

साबूदाना बिरयानी घर में कैसे तैयार करें:-

- घर में साबूदाना बिरयानी बनाने के लिए सबसे पहले साबूदाना को अच्छे से धो लें और फिर 3-4 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें। जब साबूदाना अच्छे से फूल जाएं, तो इन्हें छलनी में डालकर पानी अलग निकाल लें।
- अब एक कढ़ाई में घी या तेल गरम करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो उसमें जीरा, हरी मिर्च, करी पत्ता और मूंगफली डालकर अच्छे से भूनें। मूंगफली का हल्का सा सुनहरा होने तक भूनें ताकि उसका टेस्ट अच्छा आए।
- इसके बाद उबले हुए आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कढ़ाई में डालें और उन्हें हल्का सा भून लें। आलू को ज्यादा पकाना नहीं है, बस हल्का सा टॉस कर लें ताकि वो मसाले के साथ अच्छे से मिल जाएं।
- अब इसमें भिगोकर रखा हुआ साबूदाना डालें। साबूदाना डालने के बाद उसमें सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिला लें। इस मिक्सचर को मीडियम आंच पर 3-4 मिनट तक पकाएं, ताकि साबूदाना अच्छे से पक जाए और उसका टेस्ट सब मसालों के साथ मिल जाए।
- अब गैस बंद करने से पहले इसमें नींबू का रस और हरा धनिया डालें। आप चाहें तो टेस्ट बढ़ाने के लिए इलायची पाउडर भी डाल सकते हैं। सब चीजों को अच्छे से मिला लें।
- अब आपकी साबूदाना बिरयानी तैयार है, इसे गरमागरम दही या रायता के साथ परोसें।

सन ड्राइड टोमैटो अचार रेसिपी

भारतीय भोजन में अचार का अपना अलग ही स्थान है, यह हर थाली का स्वाद बढ़ाने वाला अहम हिस्सा होता है। पारंपरिक आम और नींबू के अचार के बीच, सन ड्राइड टोमैटो अचार यानी सूखे टमाटरों से बना अचार एक नया और स्वादिष्ट ट्विस्ट लाता है। धूप में सूखे रसदार टमाटरों को जब सरसों के तेल और मसालों के साथ मिलाया जाता है तो उसका स्वाद खट्टा-मीठा और तीखा- तीनों का अद्भुत मिश्रण बन जाता है।

आवश्यक सामग्री: 10-12 पके हुए टमाटर, 1 बड़ा चम्मच सरसों के दाने, 1 छोटा चम्मच मेथी दाने, 1 बड़ा चम्मच लाल मिर्च पाउडर (स्वादानुसार), ½ छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, स्वादानुसार नमक, ½ कप सरसों का तेल (गरम करके ठंडा किया हुआ), 1 नींबू का रस

विधि:-

टमाटर सुखाना: टमाटरों को आधा काट लें और 2-3 दिनों तक धूप में सूखने दें, जब तक वे हल्के सूखे और चमड़े जैसे ना हो जाएं।

मसाले तैयार करें: मेथी और सरसों के दानों को हल्का भूनकर दरदरा पीस लें।

सभी सामग्री मिलाएं: सूखे टमाटरों में तैयार मसाले, लाल मिर्च, हल्दी और नमक डालें।

तेल और नींबू मिलाएं: सरसों का तेल और नींबू रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं ताकि सभी टमाटर अच्छी तरह कोट हो जाएं।

धूप में रखें: मिश्रण को कांच की साफ बोतल में भरें और 1-2 दिन तक धूप में रखें।

परोसने के लिए तैयार: यह अचार किसी भी भारतीय भोजन के साथ शानदार लगता है।

मक्के की रोटी के बिना अधूरा है सरसों के साग का मजा

देश-दुनिया में पंजाबी खानपान का बोलबाला है। मौसम के अनुसार पंजाबी रसोई के स्वाद और खुशबू में भी बदलाव आने लगता है। सर्दियों का मौसम शुरू होने को है, ऐसे में बाजार में हर जगह सरसों का साग नजर आने लगा है। सरसों का साग खाने में इतना स्वादिष्ट होता है कि पंजाबी रेसिपी होते हुए भी इसे ज्यादातर लोगों के घरों में सर्दियो में बनते हुए देखा जाता है। यह भारतीय लोगों की पसंदीदा विंटर स्पेशल रेसिपी है। लेकिन क्या आप जानते हैं सरसों का साग बिना मक्के की रोटी के अधूरा बना रहता है। हालांकि कई लोग मक्के की रोटी बनाने से सिर्फ इसलिए बचते रहते हैं क्योंकि यह बेलते समय चकले में चिपकने से टूटकर खराब हो जाती है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो आइए जानते हैं मक्के की रोटी को बनाने का क्या है सही तरीका।

रोटी बनाने के लिए सामग्री

- 2 कप मक्की का आटा
- 1 बड़ा चम्मच मक्खन
- नमक स्वादानुसार

टिप्स:-

- मक्के की रोटी को बेलने के लिए सूखे मक्के के आटे का हल्का सा पलोथन लगाएं।
- मक्के का आटा हाथों की हथेली और उंगलियों से मिसते हुए गूथें। इस तरह से मिसलने से मक्के का आटा गेहूं के आटे जितना ही सॉफ्ट और चिकना हो जाएगा।
- मक्के का आटा गूंथने के लिए ठंडा नहीं गर्म पानी का यूज करें।

मक्के की रोटी बनाने की विधि

मक्के की रोटी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में मक्के का आटा डालकर उसमें चुटकीभर नमक मिला दें। इसके बाद गुनगुना पानी लेकर उसे आटे में थोड़ा-थोड़ा करके डालते जाएं और उससे मक्के का सख्त आटा गूंथ लें। इसके बाद आटे को कपड़े से ढककर आधा घंटे के लिए रेस्ट करने के लिए अलग रख दें। तय समय के बाद मक्के के आटे को दोबारा गूथें। अब आटे की समान अनुपात वाली लोइयां बनाएं। अब एक नॉनस्टिक पैन को मीडियम आंच पर गर्म कर लें। अब आटे की एक लोई लेकर उसे छोटी रोटी के आकार में बेल लें। जब तवा गर्म हो जाए तो उस पर मक्के की रोटी डालकर पकाएं। कुछ देर बार रोटी पलटें और उसे दूसरी तरफ से भी पकने दें। इसके बाद रोटी को खुली आंच पर फूल जाने तक दोनों ओर से पकाएं। रोटी के पक जाने पर आप उसके दोनों तरफ मक्खन लगाएं।

घर में ऐसे बनाएं गोलगप्पे का चटकारेदार पानी

भारत में अगर किसी स्ट्रीट फूड की बात की जाए जो हर उम्र के लोगों की पहली पसंद हो तो गोलगप्पे का नाम सबसे पहले आता है, लेकिन बरसात या सर्दी के मौसम में बाहर का खाना हर किसी को थोड़ा डराता है, कहीं पेट खराब न हो जाए। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही बाजार जैसे कुरकुरे गोलगप्पे और चटपटा पानी बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि घर में कैसे गोलगप्पे का एकदम चटकारेदार पानी बनाएं।

घर में गोलगप्पे बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, सूजी, थोड़ा सा नमक और एक चम्मच तेल डालें। अब इसे हाथों से अच्छे से मिक्स करें ताकि सब कुछ एक जैसा हो जाए फिर धीरे-धीरे पानी डालकर इसका थोड़ा सख्त आटा गूंथ लें। घर में गोलगप्पे बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, सूजी, थोड़ा सा नमक और एक चम्मच तेल डालें। अब इसे हाथों से अच्छे से मिक्स करें ताकि सब कुछ एक जैसा हो जाए फिर धीरे-धीरे पानी डालकर इसका थोड़ा सख्त आटा गूंथ लें।

अब इस गूंथे हुए आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें. इन लोइयों को एक गीले कपड़े से ढककर 5 मिनट के लिए रख दें। इससे आटा थोड़ा सेट हो जाएगा और बेलने में आसानी होगी। अब इस गूंथे हुए आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। इन लोइयों को एक गीले कपड़े से ढककर 5 मिनट के लिए रख दें। इससे आटा थोड़ा सेट हो जाएगा और बेलने में आसानी होगी। इसके बाद हर लोई को छोटे-छोटे पूरियों के आकार में बेल लें। तेल को कढ़ाई में गर्म करें और मध्यम आंच पर इन पूरियों को तलें जब तक ये फूलकर सुनहरे न हो जाएं। तले हुए गोलगप्पे को टिशू पेपर पर निकाल लें ताकि एक्स्ट्रा तेल निकल जाए। इसके बाद हर लोई को छोटे-छोटे पूरियों के आकार में बेल लें। तेल को कढ़ाई में गर्म करें और मध्यम आंच पर इन पूरियों को तलें जब तक ये फूलकर सुनहरे न हो जाएं। तले हुए गोलगप्पे को टिशू पेपर पर निकाल लें ताकि एक्स्ट्रा तेल निकल जाए। अब सबसे खास गोलगप्पे का चटपटा पानी बनाने के लिए मिक्सी में पुदीने की पत्तियां, धनिया पत्तियां, अदरक का छोटा टुकड़ा, हरी मिर्च, थोड़ा इमली का पल्प, इन सबको पीसकर एक हरा पेस्ट बना लें फिर इस पेस्ट को एक बड़े बर्तन में 1 लीटर ठंडे पानी में मिलाएं।

दही से चटपटा मट्ठा कैसे बनाएं

दही तो ज्यादातर लोग खाना पसंद करते हैं लेकिन क्या आप मट्ठा पीते हैं, इसे छाछ भी कहा जाता है। सर्दी हो या गर्मी मट्ठा पीने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। चटपटा छाछ पीने से आपको पाचन संबंधी समस्याएं नहीं होंगी। बाजार से खरीदा हुआ छाछ पीने से बेहतर है कि आप घर पर दही से इसे मिनटों में बना लें। चलिए बताते हैं दही से मट्ठा कैसे बनाएं।

दही कैसे जमाएं

सबसे पहले आपको दही का तोड़ लेना है। आप इसे बाजार से खरीद लें या फिर घर पर रखी दही से बचाएं। दही में गुनगुना दूध डालकर चलाएं। अब इसे गर्म जगह पर 12-14 घंटे के लिए रख दें। जब आपका दही अच्छे से जम जाए, तब इससे मट्ठा आसानी से बनेगा।

छाछ कैसे बनाएं

दही में पुदीना की पत्तियां, काला नमक, चाट मसाला डालकर मथनी से मथ लें। मथनी के अलावा आप मिक्सी का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। मिक्सी में दही को डालकर 1 राउंड चला दें। जब दही पतला होकर छाछ बन जायेगा, तब इसमें नमक, चाट मसाला, पीसा जीरा मिलाकर पी सकते हैं। इसे आप ऐसे ही या फिर खाने के साथ पिएं।

फायदे:-

- छाछ में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो आंतों को स्वस्थ रखते हैं। इससे पाचन बेहतर होता है और ये कब्ज होने से रोकते हैं।
- वेट लॉस कर रहे लोगों को भी मट्ठा पीना चाहिए। छाछ पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। इसमें फायबर की मात्रा भरपूर होती है, जो लंबे समय तक पेट को भरा रखता है। इससे मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है।
- गर्मी हो या सर्दी इसे पीने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती। ये शरीर को पूरा दिन हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इस पीने से आपको प्यास भी कम लगेगी।
- छाछ को आप इम्यूनिटी बूस्टर के तौर पर भी पी सकते हैं। इसमें मौजूद विटामिन सी इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग करता है और सर्दी-खांसी से शरीर को बचाता है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष : 01169342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. ए-8, सेक्टर 7, जिला गौतमबुद्धनगर- उत्तर प्रदेश, नोएडा 201, 301, फोन नंबर 0120-2470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।